जयपुर माहेश्वरी पत्रिका

वर्ष 11 । अंक 9 । फरवरी 2021 । मूल्य 10 रु.

समाज की विकास यात्रा को समर्पित 2 वर्ष

स्व. श्री आर.एस. फलोड़ (समाज संरक्षक) की धर्मपत्नी श्रीमती शारदा व सुपुत्र श्री कमलकिशोर फलोड़ द्वारा डायलिसिस सेन्टर हेतु 51 लाख रु. का आर्थिक सहयोग

महा शिवरात्रि विशेष

ताजगी भरा अहसास, हर कप के साथ

माहेश्वरी

हमारा इरादा, आपकी संतुष्टि ज्यादा से ज्यादा

VOCAL FOR LOCAL

माहेश्वरी चाय के अलावा अन्य कोई उत्पाद हमारी कम्पनी का नहीं है।

आसाम के बागानों की ताजा चाय

स्थापित 1961

माहेश्वरी टी कम्पनी प्रा. लि.

नाहरगढ़ रोड, चांदपोल बाजार, जयपुर (राज.) फोन : 0141- 2740919,2312723
E-mail : contact@maheshwaritea.com • www.maheshwaritea.com

नकली पैकिंग एवं मिलते-जुलते नाम से सावधान !!!

SIDDHI

MS3 ™
A Multi-Cuisine
CAFE & RESTAURANT
Live Chaat Counter
FREE HOME DELIVERY
Fresh Food with New Taste
Kitty Party • Birthday Party • Anniversary Party
Chaat • Drinks • Soda Shikanji • Fast Food • Mexican
Chinese • South Indian • North Indian • Continental & Much More
Order Food On
SWIGGY zomato
magicpin dineout
Devendra Jhawar
+91 9829054556
Arpit Jhawar
+91 9660037210
Opp. Metro Pillar No. 100,
New Sanganer Road,
Sodala, Jaipur.

Zero Dirt®
Detergent Powder & Cake
dirt ka the end
Rinse N Pure
SURFACTANTS
मैल से छुटकारा
कल होगा हमारा...
₹95
₹80
₹15 OFF
Zero Dirt
dirt ka the end
Anti-bacterial
1 kg
Detergent Powder
*T&C apply
COCONUT MILKY SOAP
DETERGENT CAKE
DISH WASH BAR
कपड़े रहें खुशबुदार,
सफ़ेद और एक दम स्वच्छ...
Indushmedia.com
Trade Enquiry for Dealers / Distributors in Rajasthan please contact
9829211166, 9414071560
care@rinsenpure.com | www.rinsenpure.com
twitter.com/DirtZero facebook.com/ZeroDirtOfficial/ instagram.com/zerodirtofficial/
Scan me for more information
care@rinsenpure.com

समाज की विकास यात्रा को समर्पित 2 वर्ष

सबके सहयोग ने बढ़ाया हौसला

कोरोना के बावजूद कम नहीं हुआ जोश

किसी भी कार्य को करने के लिए समय की जरूरत होती है। अनुकूल समय में कार्य तीव्र गति से होता है, पर यह गति कोरोना काल में थोड़ी मंद हो गई। श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर कार्यकारिणी का पहला वर्ष बड़ा ही अच्छा निकला। इस वर्ष पारंपरिक रूप से होने वाले काम तो हुए ही, इसके अलावा अन्य कई कार्य पहली बार हुए। सबकुछ सही चल रहा था, लेकिन 2020 की शुरुआत के कुछ समय बाद ही कोरोना ने हमारे सारे सपनों, सारी योजनाओं को धराशायी कर दिया। लॉकडाउन ने सबको घरों में बंद कर दिया। स्कूल-कॉलेज सूने हो गए। ऐसा लगा, जैसे समय थम सा गया हो, जीवन की खुशियां लुप्त सी होने लगीं।

पर वह इंसान ही क्या जो मुसीबतों से घबरा जाए। कोरोना काल में हमारे सहयोगी निराश होकर नहीं बैठे, बल्कि वह पूरे उत्साह व ऊर्जा के साथ स्थितियों का सामना करने के लिए उठ खड़े हुए। इस कठिन समय में ना तो वे खुद निराश हुए ना दूसरों को निराश होने दिया। कोरोना की चुनौतियों को स्वीकार करके हम सब ऐसे कार्यों, ऐसी योजनाओं के क्रियान्वयन में लग गए, जिससे लोग निराशा से बच सकें।

प्रदीप बाहेती

कोरोना से मुकाबले के लिए कोविड-19 हेल्पालाइन शुरू करना ऐसा ही एक प्रयास था। इसके तहत अनुभवी चिकित्सकों द्वारा समाज बंधुओं को इस महामारी से बचाव हेतु टेलीफोन पर निःशुल्क परामर्श प्रदान किया गया। इसमें रियायती दरों पर संबंधित जाँच सुविधाएं एवं दवाइयां, घर से हॉस्पिटल में भर्ती होने के लिए एम्बुलेंस की निःशुल्क सुविधा, हॉस्पिटल में यथासंभव चिकित्सकीय परामर्श भी उपलब्ध कराया गया। सरकार को सहयोग करने में भी समाज पीछे नहीं रहा। मानवीय पहलुओं को ध्यान में रखते हुए समाज की ओर से 'उत्सव' भवन को निःशुल्क उपयोग हेतु राज्य सरकार को दिया गया। सामान्य दिनों के लिए भी समाज बंधुओं के लिए चिकित्सकीय उपकरणों से लैस एम्बुलेंस की सुविधा शुरू की गई।

इसी श्रृंखला में श्री माहेश्वरी डायलिसिस एंड रिसर्च सेन्टर का शीघ्र लोकार्पण होने जा रहा है। इसमें डायलिसिस, डिजिटल एक्सरे, सोनोग्राफी, फिजियोथैरेपी, ईसीजी व टीएमटी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। कोरोना काल में ऐसे अनेक परिवार थे, जो खाद्य सामग्री, राशन आदि की समस्याओं से जूझ रहे थे। समाज की ओर से ऐसे लोगों, परिवारों के घर-घर जाकर उन्हें राशन सामग्री वितरित की गई।

सूचना क्रांति के क्षेत्र में भी समाज पीछे नहीं रहा। समाज ने सुझावों एवं समस्याओं हेतु बीएसएनएल टोल फ्री नंबर 1800-180-6832 भी जारी किया। इसमें व्हाट्सएप नंबर 0141-2623500 भी शामिल है। जुलाई 2020 से ई-मित्र की सुविधा भी शुरू कर दी गई है।

यहाँ मैं यह कहना चाहूंगा कि यह सब संगठन की शक्ति के बल पर ही हो पाया। सभी को विश्वास था कि कार्यकारिणी किसी का अहित नहीं होने देगी। हमने भी उनके इस विश्वास को बनाए रखा।

आज स्थितियाँ पहले से कुछ बेहतर हुई हैं, लेकिन खतरा अभी बिल्कुल टला नहीं है, स्थितियाँ सामान्य होने में अभी कुछ और समय लग सकता है। इसलिए हम सबको वही ऊर्जा, वही समर्पण भाव बनाए रखना है, तभी हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे।

समाज कार्यकारिणी के दो वर्ष पूरे होने पर सबको बधाई!

अगले माह महाशिवरात्रि है। भगवान महेश हम सबके आराध्य हैं। इस अंक में उन पर दुर्लभ सामग्री दी गई है। सभी को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएँ।

जितना चाहो

उतना खाओ

PURE VEG.

First time in Jaipur. We Serve

UNLIMITED VEG. BUFFET

With very Pocket Friendly Rate
in awesome ambiance & great atmosphere
Under One Roof

Grand Opening on 16 Feb 2021

Buffet बादशाह

A PURE VEG. MULTICUISINE RESTAURANT

20 ITEMS UNLIMITED SERVE IN VEG BUFFET

Chinese Dish (2 Types) • Main Course (5 Types) • Rice (2 Types)
Raita (2 Types) • Indian Breads (4 Types) • Salad (4 Types) • Achar
Chutney • Papad • Sweet Dish (One Time Serve)

Kitty Party
Birthday Party

Anniversary Party
Friends meet

Mall Road, Near Bansal Furniture
Ambabari Jaipur

Nitin Maheshwari - 9829028642
Nikhil Maheshwari - 9610737744

Timings Daily : 11 AM to 4 PM
6 PM to 11 PM

Adult
₹249
(Inclusive of all taxes)

Child
₹179
(3 years to 9 years)
(Inclusive of all taxes)

वर्ष 11 | अंक 9 | फरवरी, 2021
RNI NO. RAJBIL/2010/36984

2621644
2623500
2621100

जयपुर
माहेश्वरी पत्रिका
JAIPUR MAHESHWARI PATRIKA

प्रशासनिक कार्यालय : तृतीय तल, एम.पी.एस. इंटरनेशनल स्कूल, तिलक नगर, जयपुर
पंजीकृत कार्यालय : श्री माहेश्वरी भवन, सिंघी जी का रास्ता, चौड़ा रास्ता, जयपुर
Email : shrimaheshwarisamaj.jaipur@gmail.com
jmpatrika@gmail.com
Website : www.maheshwarisamajjaipur.com

शिव को जल की धारा के साथ मन की धारा भी अर्पित करें

महाशिवरात्रि पर्व देवाधिदेव महादेव को समर्पित है। जीवन में सुख-दुख, लाभ-हानि, क्षमा-दंड सब भोले की शक्ति से ही कार्य करती है। भोले ही रचयिता है, भोले ही विध्वंस है। शिव ही सत्य, शिव ही अनंत, शिव ही अनादि, शिव ही भगवंत है। यहां प्राणी जन्म लेता है और फिर वापस शिव के शरण में चला जाता है। ऐसे सृष्टिकर्ता पालनहार है शिव शंकर, जो हम सभी के आराध्य हैं। हिन्दूधर्म में वैसे तो कई ऐसे त्योहार हैं जो बहुत ही धूमधाम के साथ मनाये जाते है पर 'शिव की महान रात्रि', महाशिवरात्रि का त्यौहार भारत के आध्यात्मिक उत्सवों की सूची में सबसे महत्वपूर्ण है।

हम सबके आराध्य भगवान शिव, जिन्हें संहार का देवता भी माना गया है, सदैव लोकोपकारी और हितकारी हैं। अन्य देवताओं की पूजा-अर्चना की तुलना में शिवोपासना को अत्यन्त सरल माना गया है, क्योंकि अन्य देवताओं की भांति इनकी उपासना में सुगंधित पुष्पमालाओं और मीठे पकवानों की आवश्यकता नहीं पड़ती। शिव तो स्वच्छ जल, बिल्व पत्र, कंटीले और न खाए जाने वाले पौधों के फल यथा-धतूरा आदि से ही प्रसन्न हो जाते हैं। भगवान शिव को जल की धारा के साथ ही मन की धारा भी अर्पित करने से समस्त कामनाओं की पूर्ति होती है। शिव को मनोरम वेशभूषा और अलंकारों की आवश्यकता भी नहीं है। समुद्र मंथन में निकली अनेकों-अनेक अद्भुत वस्तुओं में से अमृत का पान जहाँ देवताओं को कराया, वहीं हलाहल विष स्वयं ने अपने कंठ में धारण कर जगत कल्याण करने की प्रतिबद्धता भगवान शिव ने ही दिखायी। जितने सरल शिव हैं, उतना ही विकट उनका स्वरूप है, जिसका कोई मेल नहीं है। भगवान शिव शंकर के मस्तक पर विराजमान चंद्रमा शीतलता, जटा से उत्पन्न गंगा प्राणियों की प्यास बुझाती है। गले में सर्प, कानों में बिच्छू के कुंडल, तन पर वाघंबर, सिर पर त्रिनेत्र, हाथों में डमरू, त्रिशूल और वाहन नंदी के रूप में भगवान शिव के इस अद्भुत स्वरूप एवं पहनावों से हमें कई बातें सीखने को मिलती हैं। शिव की वेशभूषा से 'जीवन' और 'मृत्यु' का बोध होता है। शरीर पर चिता की भस्म मृत्यु की प्रतीक है। यह जीवन गंगा की धारा की भांति चलते हुए अन्त में मृत्यु सागर में लीन हो जाता है। मृत्यु सागर में लीन होने से पहले हमें जीवन के अन्तिम सत्य का बोध होना जरूरी है। अन्तिम सत्य है–

*जो जगत् में दिख रहा है वो **शव**, और जो देख रहा है वो **शिव***
*शव होने से पहले ही शिव को **पहचान**, वरना आखिरी मंजिल **श्मशान**।*

तन पर भस्म और वाघंबर- हमेशा ऐसे वस्त्र धारण करें जो सुलभ हों। महंगे कपड़े आपको आम लोगों से दूर कर सकते हैं। **तीसरा नेत्र** - ज्ञानेंद्री का प्रतीक है, जिससे अपने आसपास हो रहे न्याय-अन्याय पर नजर रख सकें। **डमरू**- डमरू हमारी खुद की वाणी है। शिव हमेशा डमरू नहीं बजाते, समय आने पर ही उससे ध्वनि निकलती है, जो सिखाती है कि हमें समय आने पर परिस्थिति को समझ कर ही बोलना चाहिए। **नंदी वाहन**-बैल को धर्म का प्रतीक माना गया है, जो हमें सिखाता है कि हमारा वाहन यानी जीने का सिद्धांत धर्म होना चाहिए, अधर्म नहीं। **त्रिशूल**-त्रिशूल शिव का हथियार है, जिसके तीनों फन भूत, भविष्य और वर्तमान को दर्शाते हैं। जो हमें सफलता के तीन सूत्रों- वर्तमान में जीना चाहिए, भविष्य के लिए योजनाएं बनानी चाहिए और अतीत के अनुभव से सीख लेनी चाहिए, का बोध कराते हैं।

शिव परिवार हमें यह संदेश देता है कि भले ही हमारा स्वभाव और प्रकृति भिन्न हो, रहन-सहन और खानपान में काफी विषमता हो, इसके बावजूद भी सभी को प्रेम, एकता और भाईचारे से रहना चाहिए। भगवान शंकर के गले में सर्प, गणेश का वाहन चूहा, कार्तिकेय का वाहन मोर, शिव का वाहन बैल, माता पार्वती का वाहन शेर है। ये सभी शत्रुता के बीच मित्रता का भाव जाग्रत करते हैं और अपने स्वभाव एवं प्रकृति को छोड़े बिना मिल-जुलकर रहते हैं। आज के युग में सभी परिवारों को शिव परिवार जैसा सामंजस्य बैठाना जरूरी है।

महाशिवरात्रि के इस पावन पर्व पर हमारी कामना है कि श्री 'महेश्वर' का आशीर्वाद आप और आपके परिवार पर हमेशा बना रहे। इसी कामना के साथ....

रामदास कोठ्यारी
-संपादक

गोपाल लाल मालपानी
महामंत्री

सतीश कुमार सारडा
प्रचार मंत्री

रामदास कोठ्यारी
संपादक

विशेषांक प्रस्तुति :
चन्द्रमोहन शारदा
सलाहकार :
रमेश चन्द जाखोटिया
(संगठन मंत्री)
बृजमोहन बाहेती
संध्या चितलांग्या
राजेन्द्र गट्टानी
जयकृष्ण पटवारी
प्रबन्ध सम्पादक :
सुनील अजमेरा (मालवीय नगर)
सह-प्रबन्ध सम्पादक :
विनोद अजमेरा
सह-सम्पादक :
सी.ए. राजकुमार गट्टानी
सी.ए. दिलीप सारडा
निरंजन राठी
सतीश नागौरी ([illegible])
किशन स्वरूप कालानी
रमेश सोढानी
पंकज काबरा
प्रवीण भूतड़ा
पंकज चितलांग्या
सम्पादकीय टीम :
सुनील कुमार नौगजा
सुभाष काबरा
द्वारका प्रसाद तापड़िया
कमल किशोर मूँदड़ा
बालकृष्ण जाजू 'बालक'
सी.ए. वरूण धूत
महेश अजमेरा
विज्ञापन समन्वयक :
श्रीकिशन अजमेरा
रामकृष्ण बागला
विज्ञापन सह-संयोजक :
नवलकिशोर माहेश्वरी ([illegible])
अंकुर बल्लभ चितलांगिया
विज्ञापन संकलन टीम :
देवेन्द्र झंवर, गोपाल तामड़ी
जयकुमार चांडक
सी.ए. योगेश जाजू
अरविन्द आगीवाल
अमित चांडक, डॉ. रमेश मालू
साज-सज्जा
कैलाश प्रजापत

आभार : दैनिक भास्कर, राजस्थान पत्रिका
गोपाल लाल मालपानी-महामंत्री द्वारा श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के लिए प्रकाशक व मुद्रक

आपको एवं आपके परिवार को बसन्त पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं !

स्वाद की बात - सेहत के साथ

AGMARK Since 1974 ®

Gangaur

PREMIUM 100% QUALITY

बेसन, आटा, दलिया, मैदा, सूजी, मसाले, तेल,
दालें, चीनी, चाय की पत्ती, बूरा, पोहा एवं साबुदाना

राजस्थान के पारम्परिक एवं स्वादिष्ट भोजन की विशेष पहचान

गणगौर मक्का एवं बाजरा उत्पाद

(बाजरा आटा, चूरमा-आटा एवं खीचड़ा, मक्का आटा एवं दलिया)

एमपी शरबती गेहूँ आटा एवं दलिया

~ गणगौर की उत्पाद श्रृंखला ~

चना उत्पाद
वारीक, मोतिया, सुपर फाइन बेसन

मैदा - सूजी

जौ उत्पाद
जौ आटा, जौ दलिया (राबड़ी),
जौ घाट (गुली), मिस्सी आटा,
डाइबिटीज़ आटा

दालें
राजमा, काबुली चना, मौसमी चना,
बोल्ड चना दाल, अरहर दाल, उड़द दाल

खाद्य तेल
कच्ची घानी सरसों, रिफाइंड मूंगफली
एवं सोयाबीन तेल

मसाले
मिर्च-हल्दी-धनिया पाउडर,
राई, जीरा

**पोहा, साबुदाना एवं
खमन इंस्टेंट मिक्स**

अन्य उत्पाद
मूंग आटा, चावल आटा,

MFI

MANTRI FOOD INDUSTRIES
Plot No. G/1-458(C), Behind Priya Dharma Kanta,
Shiva Hotel Road, Road No. 12, V.K.I. Area, Jaipur (Raj.)
Phone: 0141-4015444 | www.gangaurproducts.com

SCAN & BUY

Follow us for latest updates !
@gangaurproducts

fssai Licence No.: 12218026000474

जीवन रहते रक्तदान, मरणोपरान्त नेत्रदान-देहदान

पौराणिक आख्यान

ईश्वर से तादात्म का नाम है महेश

सद्गुणों में से प्रत्येक का अपना एक विशेष महत्व है, तथापि इनमें से शिव नाम के स्मरण को सर्वोपरि स्थान प्राप्त है। निरंतर नाम स्मरण से मनुष्य का अंत:करण शुद्ध होकर हृदय में एक विशिष्ट प्रकार की आत्मशक्ति उत्पन्न होती है, जो बहुत शीघ्र ही जीव को उसका अभीष्ट फल प्राप्त करा देती है। ब्रह्माजी महर्षि गौतम से कहते हैं शिव नाम रूपी मणि जिसके कण्ठ में सदा विराजमान रहती है, वह नीलकंठ का स्वरूप ही बन जाता है इसमें कोई संदेह नहीं। यमराज ने कहा है– महापापी भी यदि अंतकाल में शिव नाम का उच्चारण कर ले तो वह फिर मेरा द्वार नहीं देख सकता। कलियुग के दोष को हरने के लिए शिव का जप सबसे सरल-सुगम उपाय है।

भगवान महेश अर्थात शिव की महिमा का गुणगान पुराणों एवं अन्य धर्मग्रंथों में विस्तार से किया गया है। 'शिवपुराण' की वायवीय संहिता के उत्तराखंड के ग्यारहवें अध्याय में सगुणोपासना के आठ भेद बताए गए हैं- भक्तों में प्रीति, पूजा का अनुमोदन, स्वयं अर्चना करना, प्रभु के निमित्त अंगों की चेष्टा करना, कथा श्रवण में आस्था एवं भक्ति भाव, कथा सुनते समय स्वर-नेत्रादि अंगों की विक्रिया, भगवान का नित्य स्मरण और सदा प्रभु के आश्रित रहकर जीवन का निर्वाह करना। स्वयं भगवान शंकर का यह कथन है कि ये आठ गुण जिस किसी में भी हों, वही सर्वश्रेष्ठ है। यद्यपि इन सद्गुणों में से प्रत्येक का अपना एक विशेष महत्व है, तथापि इनमें से शिव नाम के स्मरण को सर्वोपरि स्थान प्राप्त है। निरंतर नाम स्मरण से मनुष्य का अंत:करण शुद्ध होकर हृदय में एक विशिष्ट प्रकार की आत्मशक्ति उत्पन्न होती है, जो बहुत शीघ्र ही जीव को उसका अभीष्ट फल प्राप्त करा देती है।

महादेवजी माता पार्वती से कहते हैं– मेरा शिव नाम उत्तमोत्तम है, यही परब्रह्म है। शिव नाम मुझ ब्रह्म की ही अभिव्यक्ति है। शिव नाम से यथार्थ में मुझे ही समझो। जो वेदांत से प्रतिपादित अव्यक्त ब्रह्म है, द्वयक्षर शिव भी वही है। दो अक्षरों का यह शिव नाम परब्रह्मस्वरूप तारक है, इससे भिन्न कोई तारक नहीं है।

'शिवरहस्य' में ब्रह्माजी महर्षि गौतम से कहते हैं– शिव नाम रूपी मणि जिसके कण्ठ में सदा विराजमान रहती है, वह नीलकंठ का स्वरूप ही बन जाता है इसमें कोई संदेह नहीं। तुम नित्य शंकर का पूजन करो और शिव के नामामृत का पान करो, शिव-नाम से बढ़कर कोई दूसरा अमृत नहीं है। मृत्यु के समय शिव ये दो अक्षर भगवान शंकर की कृपा के बिना मनुष्य के होंठों पर नहीं आते। यमराज ने महर्षि गौतम से कहा- महापापी भी यदि अंतकाल में शिव नाम का उच्चारण कर ले तो वह फिर मेरा द्वार नहीं देख सकता। शिव शब्द का उच्चारण किए बिना ब्राह्मण भी मुक्त नहीं हो सकता और शिव नाम के नित्य जप से चांडाल भी मुक्त हो सकता है। वैसे तो भगवान शंकर के सभी नाम – मोक्षदायक हैं, किंतु उन सबमें शिव नाम सर्वश्रेष्ठ है। इसका माहात्म्य -गायत्री के समान है। शिव नाम रूपी कुल्हाड़ी से संसार रूपी वृक्ष जब एक बार कट जाता है तो वह फिर दोबारा नहीं जन्मता। पाप ही संसार रूपी वृक्ष की जड़ है और शिव नाम के निरंतर जप से उनका नाश हो जाता है। भगवान विष्णु ब्रह्माजी से बोले– यह परम निर्मल शिव नाम मधुर से भी मधुर है तथा मुक्ति को देने वाला यह संसार भय का नाश करने वाला है।

'ब्रह्मवैवर्त पुराण' में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं– जो शिव का उच्चारण करके प्राणों का त्याग करता है, वह कोटि जन्म के पापों से छूटकर मुक्ति को प्राप्त करता है। शिव शब्द कल्याणवाची है और कल्याण शब्द मुक्तिवाचक है, यह मुक्ति भगवान शंकर की कृपा से ही प्राप्त होती है, इसीलिए वे शिव कहलाते हैं। शोक सागर में मग्न मानव 'शिव-शिव' जपकर दुर्गति से मुक्त हो जाता है। 'शि' का अर्थ है पापों का

नाश करने वाला और 'व' कहते हैं मुक्ति देने वाले को। भोलेनाथ में ये दोनों गुण हैं इसलिए वे शिव कहलाते हैं। शिव नाम जिसकी जीभ पर सदा रहता है, उसके करोड़ों जन्मों के पाप भी नष्ट हो जाते हैं। 'शि' का अर्थ है मंगल और 'व' कहते हैं दाता को इसलिए जो मंगलदाता है वही शिव है।

सौरपुराण के 64वें अध्याय में लिखा है कि जो बिल्व वृक्ष के नीचे बैठकर पवित्रतापूर्वक शिव नाम का कम से कम दस लाख जप करता है, वह पातकों से मुक्त हो जाता है। जितने भी स्थूल अथवा सूक्ष्म पाप हैं वे सारे-के-सारे केवल क्षणभर एकाग्रचित्त होकर शिव का चिंतन करने से तुरंत नष्ट हो जाते हैं।

'स्कन्दपुराण' के माहेश्वर खंड के अंतर्गत के दारखंड के पांचवें अध्याय में कहा गया है कि दो अक्षरों वाला शिव नाम महापात का भी नाश करने वाला है। धन्य हैं वे मनुष्य जिनके मुख शिव नाम का जप होता है। तीनों लोकों में महादेवजी से बढ़कर दूसरा कोई देवता नहीं है इसलिए सब प्रकार के प्रयोजनों से भगवान सदाशिव की पूजा करनी चाहिए। प्रात:काल में भगवान शिव के दर्शन से सम्पूर्ण पातकों का नाश होता है। दोपहर के समय शिवजी के दर्शन से मनुष्यों के सात जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं। रात्रि में शिव दर्शन से अर्जित पुण्य की गणना सम्भव नहीं है। जो निरंतर शिवजी की पूजा में संलग्न रहते हैं, मन में दृढ़विश्वास रखकर सम्पूर्ण विश्व को शिव के रूप में देखते हैं, उत्तम बुद्धि का आश्रय लेकर सदाचार का पालन करने वाले धर्मपरायण भक्त ही भगवान शंकर को अत्यंत प्रिय होते हैं तथा उन्हें ही शिवाजी के कृपापात्र होने का सौभाग्य मिलता है। महादेवजी ही समस्त चराचर जगत् के आधार हैं अत: सबकुछ शिव स्वरूप है, यह बात विशेष रूप से जाननी चाहिए। वेद, पुराण, उपनिषद, आगम एवं अन्य शास्त्र-सबके द्वारा भगवान सदा शिव ही जानने योग्य हैं। मनुष्य निष्काम हो या सकाम, सबको भगवान सदाशिव की आराधना करनी चाहिए। 27वें अध्याय में आगे कहा गया है-जिनकी जीभ के अग्रभाग पर सदा भगवान शंकर का दो अक्षरों वाला नाम (शिव) विराजमान रहता है वे धन्य हैं, वे महात्मा पुरुष हैं तथा वे कृतकृत्य हैं। जिन्होंने सदा इस अविनाशी नाम शिव का उच्चारण किया है वे निश्चय ही भगवान भोलेनाथ की सामीप्यता प्राप्त कर लेते हैं। महोदवजी थोड़े से बिल्वपत्र पाकर भी सदा संतुष्ट रहते हैं। फूल और जल अर्पित करने मात्र से ही प्रसन्न हो जाते हैं। भगवान शिव सदा सबके लिए कल्याणस्वरूप हैं इसलिए सबको इनकी पूजा करनी चाहिए। शिवजी इस जगत् में मनुष्यों को महान सौभाग्य प्रदान करने वाले हैं। ये एक हैं, महान हैं, ज्योति स्वरूप हैं तथा अजन्मा परमेश्वर हैं। शिव कार्य और कारण सबसे परे हैं। ये व्यवधानशून्य, निर्गुण, निर्विकार, निर्बाध निर्विकल्प, निरीह, निरंजन, नित्ययुक्त, निष्काम, निराधार तथा सदैव नित्यमुक्त हैं।

'शिवपुराण' में ब्रह्माजी यमदूतों से कहते हैं कि जो मनुष्य चलते-फिरते, उठते-बैठते, जागते-सोते, दिन-रात 'शिव' नाम कीर्तन करते रहते हैं, उन पर तुम्हारा अधिकार नहीं है। जो पुरुष अंत समय में शिव का स्मरण करता है वह चाहे कैसा भी हो, देह छूटने पर शिव के साथ सायुज्य को प्राप्त होता है।

शिव नाम के स्मरण से समस्त धार्मिक कृत्यों की न्यूनता पूर्ण हो जाती है। शिव पुराण की विद्येश्वर संहिता के 23वें अध्याय में शिव नाम की महिमा का बखान करते हुए कहा गया है- शिव नामरूपी दावानल से महापातक रूपी विशाल वन अनायास ही भस्म हो जाते हैं। पापमूलक जो नाना प्रकार के दु:ख हैं, वे एकमात्र शिव-नाम से ही नष्ट होने वाले हैं। जो मनुष्य इस भूतल पर सदा भगवान शिव के जप में लगा हुआ है वह वेदों का ज्ञाता है, वह पुण्यात्मा है तथा धन्यवाद का पात्र है। जिनका शिव नाम में अटल विश्वास है, उनके समस्त धर्म कर्म अतिशीघ्र फलीभूत होते हैं। भगवान शिव के नाम से जितने पाप नष्ट होते हैं, मनुष्य उतने पाप एक साथ एक जन्म में कर भी नहीं सकता। जो शिव नामरूपी नौका पर आरूढ़ होकर संसार रूपी सागर को पार करते हैं, वे निश्चय ही जन्म-मरण के बंधन से मुक्त हो जाते हैं। पापों के भयानक विष से पीड़ित जीव को शिव नामामृत के बिना शांति नहीं मिल सकती। जिनके मन में शिव नाम के प्रति अटूट श्रद्धा एवं भक्ति है, ऐसे लोगों की सहसा और सर्वथा मुक्ति होती है। भगवान शिव के नाम का जप भव-बंधन से मुक्त होने का सर्वोत्तम उपाय है। भगवान के नाम का जप हर समय हर स्थिति में किया जा सकता है। नाम-जप में न तो पवित्रता-अपवित्रता का विचार होता है और न ही इसमें देशकाल का कोई प्रतिबंध है। नाम संकीर्तन पर सबका समान रूप से अधिकार है। नाम के स्वरूप का ध्यान करते हुए उसमें अपने आपको पूर्णतया तन्मय कर देना चाहिए। 'कूर्मपुराण' के अठारहवें अध्याय में लिखा है-

ब्रह्मा कृतयुगे देवस्त्रेतायां भगवान् रवि।
द्वापरे दैवतं विष्णु:कलौ देवो महेश्वर:।।

(सतयुग में ब्रह्माजी, त्रेतायुग में सूर्यदेव, द्वापर युग में भगवान विष्णु की तरह कलियुग में महादेव शिवजी की उपासना का विशेष माहात्मय है। कलियुग के दोष को हरने के लिए शिव का जप सबसे सरल-सुगम उपाय है।)

■ रामनिवास झंवर, उज्जैन

शिव का संपूर्ण जीवन शिक्षाप्रद है, शिव शरीर पर भस्म लगाते हैं, जो यह शिक्षा देता है कि इस सुंदर काया पर घमंड मत करो, एक दिन इसे भी भस्म हो जाना है।

धीरता में वीरता

हमें भी सड़े-गले व पुराने विचारों को छोड़ना चाहिए। सांप स्वच्छता का प्रतीक है। शिव का विषपान करना यह शिक्षा देता है कि दुनिया के समस्त प्राणियों को सुख प्रदान करने के लिए हमें दुनिया के समस्त प्रकार के विषों को पीने के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए। शिव के माथे पर अर्द्धचंद्र का निशान अपने अमृत द्वारा वनस्पति को जीवनदायिनी शक्ति प्रदान करना है। अर्द्धचन्द्र का प्रतीक यह शिक्षा देता है कि हमें जीवन सदैव चंद्र की तरह बढ़ते रहना चाहिए। जटाजूट से गिरने वाली गंगा प्रवाहमान रहने का संदेश देती है। गंगा को धारण करना यह शिक्षा देता है कि व्यक्ति को इतना सक्षम होना चाहिये कि वक्त आने पर वह असंभव कार्य भी संभव कर दिखाए। पार्वती को अर्द्धांगिनी का दर्जा देकर शिव ने पुरुष और नारी को समान व परस्पर पूरक माना है। गृहस्थ जीवन की सफलता परस्पर एक-दूसरे को समझने, सम्मान देने व परस्पर मानने पर ही निर्भर करती है। भांग-धतूरा आदि भोग इस बात की शिक्षा देते है कि जब कभी प्रियजन खाद्य का भोग न लगा सकें तो सच्ची श्रद्धा व आस्था से चढाए गए अखाद्य को भी उसी भाव से ग्रहण करना चाहिए। कान के कुंडल नारी का प्रतीक है, जो यह संदेश देते हैं कि नारी के बिना नर अधूरा है। कमंडल याचना का सूचक है, धीरता में ही वीरता है। यह हमें यह भी सिखाता है कि जब हम कमंडल की तरह खाली रहेंगे, तब ही इसमें ज्ञान, विवेक, विनम्रता डाली जा सकेगी। यदि यह अहंकार से भरा रहेगा तो इसमें कभी कुछ डाला नहीं जा सकेगा। त्रिशूल भूत, वर्तमान व भविष्य का प्रतीक है, त्रिनेत्र नेत्रों की महत्ता दर्शाता है। नेत्र की मार बड़ी सूक्ष्म होती है। इनकी मार से बड़ों-बड़ों के सिर झुक जाते हैं।

महाशिवरात्रि उत्सव स्मरण कराता है कि संकल्प और तप से सबकुछ संभव है। पार्वती प्रयास और निरंतरता का महत्व जानती हैं और अंततः शिव को पति के रूप में पा ही लेती हैं। कोमल भावनाओं और परीक्षा की कठोरता से भरपूर शिव-पार्वती की यह प्रेमकथा प्रेरक भी है...

शिव और शक्ति का शाश्वत संयोग

अनंत, अगम, अगोचर, अविनाशी शिव कौन हैं? साधारण भक्त के लिए भोलेनाथ, एक तांत्रिक के लिए श्मशान देवता, कहीं संहार के देवता, तो कहीं जीवन के सजग प्रहरी। सदाशिव, भूतनाथ, आशुतोष और नीलकंठ भी हैं और यही शिव, पार्वती के साथ कैलास पर्वत पर आनंदपूर्वक विराजते हैं।

शिव के सदा साथ हैं शक्ति- शिव के दस व्रत हैं- दश शैवव्रत। इनमें महाशिवरात्रि सर्वाधिक बलवान है। फाल्गुन मास कृष्ण चतुर्दशी को महाशिवरात्रि का पर्व आता है। कृष्णपक्ष में देवताओं की पूजा नहीं की जाती क्योंकि चंद्रमा का उतार अमांगलिक माना जाता है। किंतु शिव के लिए मंगल-अमंगल का कोई अर्थ नहीं, क्योंकि वे स्वयं अमंगल के नियंत्रक हैं। यह व्रत धर्म का उत्तम साधन है। यहां धर्म से अर्थ दैनंदिनी व्यवहार से है। धर्म के लक्षण हैं- अध्ययन, अक्रोध, दया, क्षमा, विद्या, शील, शुद्धि, सत्य और संयम। इनकी तलाश और साधना स्वयं ही करनी पड़ती है। हमारी सभी धार्मिक परंपराओं के मूल में प्रकृति का सूक्ष्म रूप छिपा हुआ है।

शक्ति, शिव की सहधर्मिणी हैं। शिव ने जब जैसा रूप धारण किया, शक्ति ने भी उसी अनुरूप अपना रूप बदला- रुद्राणी, शर्वाणी, भवानी, कात्यायिनी, काली, गौरी, हेमवती, शिवा, उमा, सर्वमंगला, ये शक्ति के ही रूपांतरण हैं। शिव-शक्ति रूप बदलते हैं, लेकिन उनके अस्तित्व के गहनतम रहस्य में जो है, वह सदा वैसा ही रहता है। ये हमेशा बदलकर भी ज्यों-के-त्यों हैं।

शिव प्राप्ति की राह में बाधाएं- शिव पुराण में कथा है कि सती शिव की सहभागिनी थीं। शिव भी उनके प्रति अनुरक्त थे। लेकिन सती ने श्रीराम की परीक्षा लेने की भूल कर दी। तभी सती के पिता दक्ष ने यज्ञ का आयोजन किया। सती बिन बुलाए पिता के घर चली गईं। वहां यज्ञ हो रहा था, लेकिन शंकर का कोई स्थान न था। सती के क्रोध का पारावार न रहा। अचानक वज्र विस्फोट हुआ और सती यज्ञ की अग्नि में धू-धू कर जल उठीं। शंकर क्रोध से भर उठे। पत्नी का निर्जीव शरीर लिए भीषण तांडव करते रहे, अंततः विरक्त होकर समाधि में लीन हो गए। सती ने कालांतर में हिमवान और मैना के घर पार्वती रूप में जन्म लिया। अलौकिक सौंदर्य तथा सद्गुणों से युक्त गौरी वेद, व्याकरण, नक्षत्रविद्या, सर्पविद्या, तर्कशास्त्र आदि का अध्ययन करती युवा हो गईं। गौरी का मन अपने आराध्य शिव की कल्पनाओं में खोया रहता। उनके हृदय का यह रहस्य मां से छिप न सका। प्रबल विरोध से कहा, 'कहां औघड़ शिव और कहां हमारी कुसुम सुकुमार पार्वती।' गौरी के पिता हिमवान जानते थे कि शिव के समकक्ष और कोई नहीं ठहर सकता। वे आदर्श स्वरूप हैं, त्रिकालदर्शी हैं, किंतु विवाह में बहुत प्रकार से विचार करने पड़ते हैं।

यूं मिलती है सफलता- पार्वती का प्रेममार्ग बाधाओं से भरा था। किंतु उनके भीतर कोई अंतर्विरोध नहीं था। उन्होंने माता-पिता से कहा- मैं शिव के आत्मा स्वरूप को देखती हूं। वे मेरे लिए बने हैं और मैं उनके लिए। जानती हूं कि शिव को पाना सरल नहीं, मुझे सफलता का कोई मंत्र भी ज्ञात नहीं, लेकिन मैं प्रयास करने में विश्वास करती हूं। विफलता स्वीकार कर सकती हूं, लेकिन प्रयास ही न करना मुझे स्वीकार नहीं।

शिव को पति रूप में पाने के लिए वे तप करने लगीं। तप से कुछ भी असाध्य नहीं। महाज्ञानी शिव ने सबकुछ जानते हुए भी गौरी की परीक्षा ली। पहली झलक में ही उनके कालातीत सौंदर्य का अनुमान लगा लिया। उनकी निर्विकार आंखों में प्रेम झलक उठा। प्रेम का यह बंधन ऐसा कि पाणिग्रहण की बेला भी आ गई। वर-वधू के अभिनंदन के लिए मेना-हिमवान ने विपुल उत्सव रचा। महाशिवरात्रि के दिन विवाह संपन्न हुआ। पार्वती, शिव के साथ कैलास पर्वत आ गईं। शिव, उमा को जितना समझ पाते उससे कहीं अधिक उमा, शिव को समझ रही थीं। घर-परिवार के लिए पूर्ण समर्पित पति-पत्नी की प्रेरणा के मूल में शिव-पार्वती ही हैं। उनका दांपत्य आदर्श है, इसलिए शिव-पार्वती हमारे मन में, कला में, धर्म में रमे हुए हैं।

शिवरात्रि में शिव को पूजने के मायने

रॉयल ओन्टोरियो म्यूजियम (टोरंटो, कनाडा) स्थित भगवान शिव की मूर्ति। मूर्ति नवमीं शताब्दी की बताई जाती है।

शिवरात्रि उन चंद हिंदू त्योहारों में से एक है, जो कृष्ण पक्ष में मनाया जाता है। शिवरात्रि शीत ऋतु के अंत में मनाई जाती है। ऐसा क्यों? शायद इन सवालों के बिल्कुल सटीक जवाब हमें कभी ना मिलें, लेकिन हम अनुमान तो लगा ही सकते हैं। इससे हमें दैवीय रहस्यों को खोजकर उन्हें समझने में मदद मिल सकती है।

पारंपरिक कहानी के अनुसार चोरी कर भागते हुए एक चोर ने बिल्व वृक्ष पर शरण ली। यह घटना शिवरात्रि की रात को हुई। चोर रातभर वृक्ष के पत्ते तोड़ता रहा। इनमें से कुछ पत्ते, अनजाने में ही सही, नीचे स्थित एक शिवलिंग पर गिरते गए। बगैर किसी अभिप्राय के किए गए धर्मनिष्ठा के इस कार्य ने उस चोर को शिव के हृदय में एक शाश्वत स्थान दिला दिया। शिवरात्रि पर शिव भक्त मंदिरों में जागरण कर ऐसी कहानियां सुनाते हैं। लेकिन इन कहानियों से हम सिर्फ यह समझ पाते हैं कि शिवरात्रि पर शिव को क्यों पूजना चाहिए। ये कहानियां हमें यह नहीं बतातीं कि शिवरात्रि पूजनीय क्यों है।

दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में प्रचलित कहानी के अनुसार देवता और राक्षसों के क्षीरसागर के मंथन से निकले हलाहल (विष) को शिव ने इसी रात को पिया था। पार्वती नहीं चाहती थीं कि यह विष शिव के पेट में चला जाए। इस वजह से उन्होंने शिव का गला पकड़ लिया। उधर देवता यह नहीं चाहते थे कि शिव विष को बाहर उगल दें। इसलिए उन्होंने शिव का महिमागान शुरू कर दिया। सब यह देखने के लिए रुके रहे कि पार्वती को नाराज किए बिना शिव इस संसार को कैसे बचाएंगे। आखिरकार सुबह होते ही शिव ने विष को अनंतकाल तक के लिए अपने गले में दबाकर रख लिया, जिस कारण उनका गला नीला पड़ गया। शिवरात्रि का जागरण शिव की इस परोपकारिता के स्मरण में भी है।

शिव को कृष्ण पक्ष में पूजना अपारंपरिक अवश्य है, लेकिन इससे हमें कोई अचरज नहीं होना चाहिए क्योंकि शिव स्वयं अपारंपरिक देव हैं। वे ऐसे एकमात्र देव हैं जो फलों और आभूषणों से खुद का शृंगार नहीं करते। वे अपने शरीर पर भभूत लगाते हैं और हाथी व बाघ की चमड़ी लपेटते हैं। उनका शृंगार सांप, जंगली धतूरे के फूलों और रुद्राक्ष से होता है। वे कैलाश पर्वत पर भयंकर गणों के संग रहते हैं। उनके ललाट पर स्थित अर्धचंद्र शायद एक और वजह है कि कृष्ण पक्ष की 13वीं रात शिव के लिए पूजनीय है। यही चंद्र शिवरात्रि की रात में भी दिखाई देता है।

पुराणकथा के अनुसार चंद्रदेव 27 नक्षत्रों से विवाहित थे, लेकिन इसके बावजूद उन्हें सिर्फ रोहिणी की संगत पसंद थी। तब बाकी के नक्षत्रों ने अपने पिता दक्ष प्रजापति से इसकी शिकायत की। इस पर दक्ष प्रजापति ने चंद्र को अपना व्यवहार सुधारने की नसीहत दी। लेकिन चंद्र नहीं माने, इसलिए दक्ष प्रजापति ने उन्हें ऐसे भयंकर रोग से शापित किया जिससे उनका अपक्षय होने लगा। जैसे-जैसे दिन बीतते गए, वैसे-वैसे चंद्र की चमक घटती गई। अंततः चंद्र ने शिव से मदद मांगी। शिव ने उन्हें अपनी ललाट पर जगह दी, जहां शाप का असर बंद हो गया। शिव के ललाट पर अर्धचंद्र हमें याद दिलाता है कि कैसे उनकी कृपा से चंद्रदेव नष्ट होने से बच गए। जो लोग मृत्यु से डरते हैं या इस जीवन की नश्वरता को स्वीकार नहीं कर पाते, वे शिव की शरण लेते हैं क्योंकि शिव जीवन-मृत्यु के शाश्वत चक्र से ऊपर उठ चुके हैं।

तंत्र विद्या में चंद्र प्रकृति के शीतल, आज्ञाकारी और अस्थिर पहलू का प्रतीक हैं, जबकि सूरज गरम, हावी होने वाले शाश्वत पहलू का। दोनों मिलकर जीवन की पूर्णता का प्रतीक हैं। शिव चंद्र की ऊर्जा का प्रतीक हैं तो विष्णु सूर्य की ऊर्जा का। शिव सांसारिक जीवन से परे हैं, जबकि विष्णु सक्रिय रूप से उसमें भाग लेते हैं।

शिव का विवाह शैव परंपरा की पौराणिक कथाओं का एक मूल हिस्सा है जो अक्सर शिवरात्रि में दोहराई जाती हैं। शिव और पार्वती का मिलन विश्व की अस्वीकृति और स्वीकृति का मिलन है। इस मिलन से वैरागी शिव गृहस्थ में बदल गए। देवी के आने से आत्मा और देह, अहम् और अनंत के बीच एक संतुलन स्थापित हो गया।

शायद शिवरात्रि मनाने का उद्देश्य रातभर जागरण कर जीवन के द्वैतवादों-नश्वर इच्छा और अनश्वर परमानंद, सांसारिक दायित्व और परलौकिक मुक्ति और भौतिक जरूरत व आध्यात्मिक मांग- पर चिंतन करना है। जब हम इनमें संतुलन पाते हैं, जैसे जब शिव ने शक्ति से विवाह किया, तब हम सत्, चित् और आनंद प्राप्त कर लेते हैं।

शिव का निवास कैलास

हिमाच्छादित पर्वतों से अटा पड़ा कैलास-मानसरोवर संभवतः विश्व का सबसे दुर्गम तीर्थ है। यह शिव का निवास स्थान है। यही वह आकर्षण है, जो श्रद्धालुओं को यहां खींच लाता है और वे प्राणों की परवाह भी नहीं करते... .

शिव के निवास को 'कैलास' और 'कैलाश' दोनों तरह से लिखा जाता है। वर्तमान में 'कैलाश' ज्यादा प्रचलित हो गया है, परंतु पौराणिक ग्रंथों में कैलास शब्द ही मिलता है। इस पवित्र धवल को देखने पर ऐसा लगता है, जैसे वह स्फटिक का बना हो। स्फटिक को संस्कृत में केलास कहते हैं। इसलिए स्फटिक के सदृश्य इस पर्वत का नाम कैलास रखा गया है। इसके अलावा 'कै' का अर्थ होता है 'आत्मा' और 'लास' शिव के नृत्य की एक मुद्रा का नाम है। इस प्रकार जहां आत्मा आनंद से नृत्य कर उठे, उसे कैलास कहते हैं। कुबेर निवास स्थान होने कारण भी से इसे कैलास कहते हैं।

शिवलिंग का विराट प्रतीक

हिमालय के उत्तर में स्थित तिब्बत में कैलास पर्वत माला के बर्फ से आच्छादित 22,028 फीट ऊंचे उत्तरी शिखर को कैलास कहते हैं। ऐसा माना जाता है कि प्राचीन साहित्य में उल्लेखित मेरू या सुमेरू पर्वत भी यही है। कैलास की आकृति विराट शिवलिंग जैसी है। कैलास के चतुर्दिक 6 पर्वत श्रेणियां हैं, जिनके 16 शिखर षोडशदल कमल की आकृति बनाते हैं। यह कमलाकार श्रृंग वाले पर्वत विराट शिवलिंग के लिए अर्घा बनाते जान पड़ते हैं। ऐसे 14 पर्वत श्रृंग तो साफ़ गिने जा सकते हैं, किंतु सम्मुख के दो श्रृंग झुककर लंबे हो गए हैं। इस कमलवत आकृति के बीच में कैलास स्थित है। कुछ लोग इन श्रृंगों की इस प्रकार व्याख्या करते हैं, जैसे कैलास के चारों ओर शिव के गण उनकी पहरेदारी में तैनात हों। कैलास पर्वत की चोटी के नीचे काला हिमरहित भाग शिव की नील ग्रीवा जैसा दिखता है। क्षैतिज विस्तार में कहीं-कहीं जमी बर्फ़ व बीच-बीच में दिख रही काले पत्थर की पट्टियां मृगछाला का आभास देती हैं। चोटी से बह रहे जल स्रोत शिव की जटाओं से बहने वाली गंगा का दृश्य उपस्थित करते हैं। कुल मिलाकर ऐसा लगता है, जैसे शिव पद्मासन में बैठे हैं और उनकी मृगछाला चारों ओर फैली हुई है।

विश्वकर्मा ने बनाया शिव निवास

हिंदू धर्म में कैलास पर्वत को परम पवित्र माना गया है। यह मेरू है जो धरती को स्वर्ग से जोड़ता है। जिस प्रकार ब्रह्मा ब्रह्मलोक में रहते हैं और विष्णु वैकुंठ में निवास करते हैं, उसी प्रकार शिव कैलास पर रहते हैं। ब्रह्मलोक और वैकुंठ प्रत्यक्ष नहीं हैं, लेकिन शिव का निवास कैलास इसी पृथ्वी पर है, जहां श्रद्धालु जा सकते हैं।

कैलास को अपना निवास स्थान बनाने की कथा का वर्णन शिवपुराण में है। रुद्रदेव ने कैलास जाने के लिए उत्सुक डमरू बजाया। डमरू की वह उत्साह बढ़ाने वाली ध्वनि तीनों लोकों में व्याप्त हो गई। उसकी ध्वनि सुनने वालों को अपने पास आने के लिए प्रेरणा दे रही थी। उस ध्वनि को सुनकर ब्रह्मा,विष्णु, देवता, ऋषि, मूर्तिमान् आगम, निगम और सिद्ध वहां आ पहुंचे। देवता और असुर आदि सब लोग बड़े उत्साह में भरकर वहां आए। उस समय भगवान शिव ने विश्वकर्मा को उस पर्वत पर निवास स्थान बनाने की आज्ञा दी। अनेक भक्तों के साथ अपने और दूसरों के रहने के लिए यथायोग्य आवास तैयार करने का आदेश दिया। तब विश्वकर्मा ने भगवान शिव की आज्ञा के अनुसार उस पर्वत पर जाकर शीघ्र ही नाना प्रकार के गृहों की रचना की। फिर श्री हरि की प्रार्थना से कुबेर पर अनुग्रह करके भगवान शिव सानंद कैलास पर्वत पर गए।

उत्तम मुहूर्त में अपने स्थान में प्रवेश करके भक्तवत्सल परमेश्वर शिव ने सबको प्रेमदान दे सनाथ किया, इसके बाद आनंद से भरे हुए श्री विष्णु आदि समस्त देवताओं, मुनियों और सिद्धों ने शिव का प्रसन्नतापूर्वक अभिषेक किया। उस समय आकाश से फूलों की वर्षा हुई, जो मंगलसूचक थी। सब ओर जय-जयकार के शब्द गूंजने लगे। अपार उत्साह फैला हुआ था, जो सबके सुख को बढ़ा रहा था। देवता आदि सब लोगों ने सार्थक एवं प्रिय वचनों द्वारा लोककल्याणकारी भगवान शंकर की स्तुति की। सर्वेश्वर ने सभी को प्रसन्नतापूर्वक मनोवांछित वर एवं अभीष्ट वस्तुएं प्रदान कीं। तदंतर सभी देवता और मुनि मनोवांछित वस्तुएं पाकर आनंदित हो भगवान शिव की आज्ञा से अपने-अपने धाम को चले गए।

... 'शिवांश से शिव तक; कैलास मानसरोवर यात्रा में शिवतत्व की खोज' और 'शिवपुराण' से

लंकेश का अहं

पौराणिक कथा के अनुसार शिव तपस्या से रावण ने महान बल प्राप्त किया था। उसने अपने बल से संसार में सुर और असुर को विजित कर लिया था। उसके बल के आगे कोई योद्धा नहीं बचा था। अत: उसे कैलास दिखाई दिया। अभिमान में आकर उसने कैलास को उठा लिया। इस पर शिव ने पैर के अंगूठे से कैलास पर्वत को दबा दिया। इससे रावण का पाताल में भी रहना मुश्किल हो गया। तब रावण ने शिव तांडव स्तोत्र का गायन कर शिव को प्रसन्न किया।

शिव में समाया है शुभ

शिव का एक नाम 'हर' भी है, क्योंकि वे हमारे हर कष्ट को हर लेते हैं। शिव की संगति में सबकुछ शुभ हो जाता है। शिव का हर कार्य जगत के कल्याण के लिए ही है और उनका संपूर्ण स्वरूप ही मंगलकारी है...

शिव का शाब्दिक अर्थ ही है- कल्याणकारी, मांगलिक और शुभ। इसका एक अन्य अर्थ है- मोक्ष, मुक्ति। शिव जहां इस जगत में कल्याण करते हैं, वहीं जीवन के बाद मोक्ष भी प्रदान करते हैं। शिव निराकार भी हैं और साकार भी।

हर कष्ट लेते हैं हर

शिव आदिगुरु हैं। उनके डमरू के स्वर से नाद की उत्पत्ति हुई, जिससे सारी विद्याएं अस्तित्व में आईं। त्रिशूल तीन तापों- दैहिक, दैविक और भौतिक का नाश करता है। वाहन नंदी के चार पैर चार पुरुषार्थों- धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के प्रतीक माने जाते हैं। शिव का वर्ण कर्पूर के समान गौर है। सफ़ेद रंग सूर्य की सभी प्रकाश रश्मियों को वापस कर देता है, वह कुछ भी अपने पास नहीं रखता। इसी प्रकार शिव भी अपने पास कुछ नहीं रखते। कर्पूर भी जीवन की अनित्येता का प्रतीक है। जैसे थोड़े ही समय में कर्पूर उड़ जाता है, उसी प्रकार सांसारिक वैभव भी तिरोहित हो जाते हैं।

शिव विभूति (भस्मी) लगाते हैं। जिसका एक अर्थ है 'चिता की भस्म' तो दूसरा अर्थ है 'ऐश्वर्य, धन-सम्पत्ति'। इस प्रकार शिव की दृष्टि में दोनों समान हैं। गले में मुंडमाल जीवन की अनित्यरता को बताता है, काल समान सर्प की माला मृत्यु पर विजय की घोषणा करती है, तो मस्तक पर अमृतमय चंद्रमा आत्मा की शाश्वतता बताता है। व्याघ्र हिंसात्मक प्रवृत्ति और अहंकार का प्रतीक है। उसकी छाल का बिछौना तमोगुण पर सत्वगुण की विजय दर्शाता है।

कल्याणकारी संतुलन के प्रतीक

सभी देवता पुरुष हैं और देवियां स्त्रियां। परंतु शिव अर्द्धनारीश्वर हैं, अर्थात उनका दायां भाग शिव का है, तो बायां भाग शक्ति (पार्वती) का। शक्ति के अभाव में शिव का भी अस्तित्व नहीं है। इस प्रकार सांख्य दर्शन की भाषा में कहें, तो शिव, प्रकृति और पुरुष के बीच सामंजस्य के प्रतीक हैं। व्यावहारिक दृष्टिकोण से कहें, तो संसार में स्त्री-पुरुष दोनों की समान भागीदारी और महत्व के प्रतीक हैं शिव। हमारे जीवन में भी पुरुषों के गुण- शौर्य, अभय, संयम और स्त्रियों के प्राकृतिक गुण- प्रेम, सहनशीलता और लालित्य के संगम से ही परिपूर्णता आती है। शिव विपरीत तत्वों के मेल हैं। वे गृहस्थ हैं तो संन्यासी भी, घोर हैं तो अघोर भी, भयंकर हैं तो शिवंकर भी, परम तपस्वी हैं तो घनघोर योद्धा भी, सृजन करते हैं तो संहार भी।

सृष्टि भी परस्पर विपरीत तत्वों को समाहित किए है। सुख हैं तो दुख भी, ग्रीष्म है तो शीत भी, प्रकाश है तो अंधकार भी, देव हैं तो दानव भी, जन्म है तो मृत्यु भी। शिव का किसी से बैर नहीं है। वे देवताओं और असुरों, दोनों के आराध्य हैं, दोनों से पूजित हैं और प्रसन्न होने पर दोनों को वरदान दे देते हैं, कल्याण करते हैं।

शिव-संगति से शुभता

जिस अपवित्रता से या जिस दोष के कारण किसी वस्तु से घृणा की जाती है, शिव की संगति उसे भी शुभ बना देती है। उनकी संगति से विषयुक्त आक-धतूरा और किसी काम न आनेवाला बिल्वपत्र भी पूजा की सामग्री बन जाते हैं, मृत्यु प्रतीक सर्प भी पूज्य हो जाता है। उनकी बरात में भूत-प्रेत-पिशाच, विचित्र आकृति और चेहरे-मोहरे वाले, सब सम्मानीय स्थान के साथ शामिल हैं। समुद्र मंथन के समय जब कालकूट विष निकला और उसकी ज्वाला से सभी जलने लगे, तब अखिल ब्रह्मांड के कल्याण के लिए शिवजी ने कालकूट विष को गले में धारण कर लिया, जिससे कंठ नीला हो गया। यह नीलकंठ विश्वास दिलाता है कि कैसी भी स्थिति हो, प्रार्थना करने पर शिव कल्याण करने में देर नहीं करते। शिव संहार भी करते हैं। परंतु वह नकारात्मक नहीं है, वह नवसृजन का प्रारंभ होता है। इस प्रकार उनका महाकाल का रूप भी, नवसृजन के हेतु के रूप में, कल्याणकारक ही है। शिवरात्रि का अर्थ है, कल्याण रात्रि। वैसे तो शिव स्मरण हमेशा मंगलदायी होता है, परंतु इस रात्रि में शिव और शक्ति के पूजन, भजन, जप का विशेष महत्व है।

निराकार और साकार

निराकार स्वरूप का प्रतीक 'शिवलिंग' है जिसका अर्थ है- 'सृजन'। सारी सृष्टि उन्हीं से उत्पन्न होती है। साकार रूप में जटाओं में गंगा, मस्तक पर चंद्रमा, शरीर पर भस्म, गले में सर्प और नरमुंड माला, हाथों में त्रिशूल और डमरू है। वे व्याघ्रचर्म धारण करते हैं और नंदी की सवारी करते हैं। भस्मपूरित शरीर, विषयुक्त नीलकंठ, नरमुंड माल और कालरूपी सर्प मिलकर स्वरूप 'असिव' दिखता जरूर है, परंतु वे कृपा और मंगल के धाम हैं।

बैरागी ने क्यों रचाया ब्याह ?

शिव-विवाह कथा के गहरे अर्थ हैं। यह दो ध्रुवों पर खड़े तपस्वी और सांसारिक को एक साथ ले आती है। यह कथा बताती है कि लोक कल्याण के लिए गृहस्थ बनकर भी संन्यासी कैसे रहा जा सकता है...

तपस्वी सांसारिक

शिव और शक्ति के गृहस्थ जीवन को अगर हम रूपक के रूप से देखें, तो हम जानते हैं कि तपस्वी गृहस्थ कैसे हो सकते हैं। मतलब यह कि उन्हें कोई इच्छा, कोई भूख नहीं, लेकिन वे दूसरों के सुख के लिए दुनिया में भागीदारी करते हैं। यह बात व्यक्त करने के लिए शिव पुराण में बैरागी शिव जी का गृहस्थ जीवन दर्शाया गया है। शिवरात्रि के समय इसी बात पर हम चिंतन करते हैं कि शिवजी भी, जो तपस्वी थे, संसार में भाग ले रहे हैं।

अगर हम पुराणों में देखें, तो 'विवाह' एक रूपक है, जिसे हम वस्तुत: नहीं लेते। 'विवाह' का अर्थ होता है, दुनिया के साथ जुड़ना। इस रूपक को समझने के लिए देखना होगा कि पुराण कथाएं कब लिखी गईं। पुराण कथाएं 2000 साल पुरानी हैं। उस समय लोग श्रमण परंपरा की तरफ जा रहे थे। बहुत-से लोग अपना घरबार छोड़कर योगी बन जाते थे, तपस्वी बन जाते थे, संन्यासी बन जाते थे। उस समय लोगों ने प्रश्न किया कि जीवन का मतलब क्या है- शादी करके घर बसाना, गृहस्थ बनना या सबकुछ त्यागकर एक ऋषि बनना? इस पर बहुत चर्चा हुई।

बुद्ध ने धम्म की स्थापना की, जहां उन्होंने घर-गृहस्थी छोड़कर 'बुद्ध' की पदवी पाई थी। उन्हें ज्ञान प्राप्त हो गया। उन्हें दुख का कारण मिला और वे दु:ख से मुक्त हो गए। उन्हें निर्वाण की प्राप्ति हुई, तो लोगों ने कहा कि गृहस्थ जीवन अर्थहीन जीवन है, क्योंकि अगर जीवन का लक्ष्य केवल मोक्ष ही है, केवल मुक्ति ही है तो फिर हम शादी ही क्यों करें, संतान क्यों पैदा करें और अर्थव्यवस्था में भागीदारी क्यों करें! ये सब चिंताएं जब हो रही थीं, तब एक तरफ़ था संन्यासी धर्म और दूसरी तरफ़ गृहस्थ जीवन।

इस वातावरण में ही पुराण शास्त्र का जन्म हुआ। और जब हम पुराण देखते हैं, तो यहां पर हम शिव जी की कथा देखते हैं। शिव एक तपस्वी हैं, उनको जीवन में कुछ नहीं चाहिए। वे कैलास पर बैठे हैं। यह कैलास पर्वत क्यों बताया गया है- क्योंकि ये पत्थर का है, यहां पर हिमालय है, हिम है, यहां पर कोई वनस्पति नहीं उगती है, यहां पर कोई मनुष्य या जीव, जंतु, प्राणी नहीं रह सकता है। लेकिन शिव जी रह सकते हैं, क्योंकि उनमें कोई इच्छा नहीं है। वे एक संन्यासी हैं, जिसको कोई चाह नहीं। लेकिन फिर भी वे विवाह करते हैं।

इसे रूपक के माध्यम से देखें, तो जो तपस्वी है वह गृहस्थ बन जाता है। साधारण मनुष्य जब गृहस्थ बनता है, तो अपने सुख के लिए बनता है, लेकिन जब तपस्वी गृहस्थ बनता है, तो वह दूसरों के सुख के लिए ऐसा करता है। मतलब, इस रिश्ते में हम अपने बारे में सोचते हैं। जो ब्रह्मा के पौत्र हैं जैसे- राक्षस, असुर, देव, ये सब अपने बारे में सोचते हैं, लेकिन शिवजी जो हैं वे गृहस्थ जीवन में दूसरों के बारे में सोचते हैं।

गृहस्थ हैं शंकर

शिव जी को गृहस्थ जीवन में हम शंकर कहते हैं। शिव जो एकांत में रहते हैं और शंकर वे जिनकी शादी हो गई है। शिवरात्रि के समय हम शंकर की पूजा करते हैं, जो शक्ति के साथ हैं। शक्ति उनको कैलास पर्वत से नीचे काशी लेकर आती हैं, ताकि वे अपने भक्तजनों के साथ जी सकें। उन्होंने अपनी इंद्रियों पर विजय प्राप्त की है। शिव जी को हम स्मरांतक कहते है, कामांतक कहते हैं, मतलब उनमें कोई कामवासना नहीं, कोई इच्छा नहीं। जिसकी कोई इच्छा नहीं वो पहाड़ में रहता है और वो कहीं भी रहे, अपनी ही दुनिया में रहता है।

अनूठा है यह परिवार

ज्ञान का लाभ समाज को कैसे हो, इसके लिए शक्ति, शिव से कहती हैं कि वे पहाड़ से नीचे आकर गृहस्थ जीवन अपनाएं। शिवजी के 'पारिवारिक चित्र' को देखें- शिव के गले में नाग है जिस का भोजन चूहा है, जो गणेश का वाहन है। कार्तिकेय का वाहन मोर है, जो नाग को खाता है। यहां एक विरोधाभास है कि शिकार और शिकारी का रिश्ता होता है, लेकिन यहां तनाव का वातावरण नहीं है, कोई किसी को नहीं खाएगा। देवी शेरांवाली हैं। शेर, वृषभ को खा सकता है, लेकिन नंदी जो घास खाता है शिव के पास है पर भयभीत नहीं है।

कैलाश पर हिम वातावरण है और शिव परिवार के भोजन के लिए कुछ सामग्री है ही नहीं वहां। फिर भी वे सुखी हैं, क्योंकि उन्होंने भूख पर विजय प्राप्त कर ली है। मतलब इंद्रियों पर विजय, कामवासनाओं को जीत लेना, भूख व क्षुधा पर विजय, ये सब यह परिवार दिखाता है। लेकिन वे दूसरों की भूख को मिटा रहे हैं। मनुष्य की भूख को मिटाने के लिए गणेश हैं तो भय मिटाने के लिए कार्तिकेय हैं।

इसलिए सर्वश्रेष्ठ वर हैं शिव

शिव के जटाजूटधारी औघड़ रूप को लेकर सप्तऋषियों और हिमवान ने शंकाएं जताई थीं। तब क्रमशः पार्वती और महर्षि वसिष्ठ ने जो उत्तर दिए, वो संसार के स्वामी शिव के वास्तविक स्वरूप और उसकी महिमा को उजागर करते है...

ऐसा था शुभ मुहूर्त

हिमवान और उनकी पत्नी मैना राजी हुए और शिव-पार्वती के विवाह का दिन तय हुआ- शुभ वेला मानी गई। जब चंद्रमा लग्न के स्वामी होकर अपने पुत्र बुध के साथ लग्न में स्थित होंगे। उनका रोहिणी नक्षत्र के साथ योग होगा। चंद्रमा और तारे शुद्ध होंगे। ऋषि ने हिमवान से कहा मार्गशीर्ष मास के अंतर्गत सम्पूर्ण दोषों से रहित सोमवार को अपनी कन्या मूल प्रकृति ईश्वरी जगदम्बा पार्वती को जगतपिता भगवान शिव के हाथ में देकर कृतार्थ हो जाओ।

शिव-पार्वती के विवाह के पूर्व पार्वती के तप व बाद में उनके पिता हिमवान की आपत्ति से जुड़े दो बड़े रोचक प्रसंग शिवपुराण में उल्लेखित हैं। पार्वती की कठोर तपस्या से रुद्रदेव विस्मय में पड़ गए। भक्ताधीन होने के कारण वे समाधि से विचलित हो गए। उन्होंने सप्तऋषियों का स्मरण किया। उनके आगमन पर शिव ने ऋषियों से कहा 'गिरिराजकुमारी देवेश्वरी पार्वती स्थिरचित्त होकर गौरी-शिखर नामक पर्वत पर तपस्या कर रही हैं। मुझे पति रूप में प्राप्त करना ही उनकी तपस्या का उद्देश्य है। आप वहां जाएं और प्रेमपूर्ण हृदय से उनकी दृढ़ता की परीक्षा करें।'

लिहाजा ऋषिगण वहां गए। उत्तम तप में लीन देवी को प्रणाम किया। लेकिन प्रकट में उनकी परीक्षा लेने के लिए कहा - 'बाले! तुम जिनके लिए यह भारी तपस्या करती हो, वे रुद्र सदा उदासीन, निर्विकार और काम के शत्रु हैं। वे अमांगलिक वस्तुओं से युक्त शरीर धारण करते हैं, उनका न कहीं घर है न द्वार। देवी! जो सदा अकेले रहने वाले, शांत, संगरहित और अद्वितीय हैं, उनके साथ किसी स्त्री का निर्वाह कैसे होगा? तुम्हारे योग्य वर विष्णु हैं। तुम्हारा जो रुद्र के साथ विवाह करने का हठ है वह त्याग दो और सुखी हो जाओ।'

ब्रह्म को माया से क्या काम

ऋषियों की बात सुनकर जगदम्बिका पार्वती हंस दीं। उनका उत्तर देखिए- 'मुनीश्वरो'! आपने अपनी समझ से ठीक ही कहा है। पर मेरा हठ छूटने वाला नहीं है। मेरा शरीर पर्वत से उत्पन्न होने के कारण मुझमें स्वाभाविक कठोरता विद्यमान है।

आपने यह ठीक कहा कि भगवान विष्णु सद्गुणों के धाम और लीलाविहारी हैं। साथ ही आपने सदाशिव को निर्गुण कहा है। इसके कारण बताए जाते हैं। भगवान शिव साक्षात परब्रह्म हैं, अतएव निर्विकार हैं। वे केवल भक्तों के लिए शरीर धारण करते हैं, फिर भी लौकिक प्रभुता को दिखाना नहीं चाहते हैं। वे परमानंदमय हैं, इसलिए अवधूतरूप में रहते हैं। मायालिप्त जीवों को ही भूषण आदि की रुचि होती है, ब्रह्म को नहीं। वे गुणातीत, अजन्मे, मायारहित, अलक्ष्यगति और विराट हैं। भगवान शम्भू किसी विशेष धर्म या जाति आदि के कारण किसी पर अनुग्रह नहीं करते।

ब्रह्मऋषियों, यदि शिव मेरे साथ विवाह नहीं करेंगे, तो मैं सदा कुमारी ही रह जाऊंगी। यदि सूर्य पश्चिम से उगने लगे, मेरु पर्वत अपने स्थान से विचलित हो जाए, अग्नि शीतलता को अपना ले और कमल पर्वत शिखर की शिला के ऊपर खिलने लगे, तो भी मेरा हठ नहीं छूट सकता।' ऐसा कहकर, मुनियों को प्रणाम कर पार्वती निर्विकार चित्त से शिव का स्मरण करने लगीं। गिरिजादेवी की परीक्षा लेने वाले वे सातों ऋषि उनको प्रणाम करके प्रसन्नचित्त हो, लौट गए। शिव के सरल रूप का ही विवरण दिया था देवी ने।

पुत्री के पिता का संशय

सरलता को देख प्रसन्न सब होते हैं, पर इसकी स्वीकार्यता कठिन है। पार्वती के पिता के सामने भी यही समस्या थी। शिव से अपनी पुत्री का विवाह करने में झिझक रहे थे हिमवान। शिवा यानी पार्वती के पिता का कहना था कि वे शिव के पास कोई राजोतिक सामग्री नहीं देखते। उनके पास न घर है, न ऐश्वर्य, न कोई स्वजन, न बंधुबांधव। वे अत्यंत निर्लिप्त योगी से शिवा का विवाह करने के इच्छुक नहीं थे। तब महर्षि वसिष्ठ ने उन्हें सत्य के दर्शन कराए थे।

'शंकर देवताओं के स्वामी हैं। उनके पास बाहरी संपत्ति नहीं है। इसका कारण यह है कि उनका चित्त ज्ञान के महासागर में मग्न रहता है। जो ज्ञानानंदस्वरूप हैं उन्हें लौकिक वस्तुओं की क्या आवश्यकता है? यह सच है कि पिता अपनी पुत्री किसी राज्य के स्वामी को देना चाहेगा। दीन-हीन को क्यों? तो इसके उत्तर में प्रतिप्रश्न यह है कि शिव को दुखी कह ही कौन सकता है? कुबेर जिनके किंकर (सेवक) हैं, जो अपनी भ्रूभंग (भौंहों के संचालन) की लीलामात्र से संसार की सृष्टि और संहार करने में सक्षम हैं, जिन्हें गुणातीत, परमात्मा और प्रकृति से परे परमेश्वर कहा गया है, सृष्टि, पालन और संहार करने वाली जिनकी त्रिविध मूर्ति ही ब्रह्मा, विष्णु और हर नाम धारण करती हैं, उन्हें कौन निर्धन या दुखी कह सकता है?'

...कण-कण में नृत्यरत नटराज

प्रकृति का प्रत्येक कण और उसके भीतर का हर सूक्ष्म कण स्पंदनशील है। दूसरी तरफ, अखिल ब्रह्मांड भी नृत्य कर रहा है। नटराज रूपी शिव ही प्रकृति के हर अंश में समाए हुए हैं। यह सारी सृष्टि शिवमय है...

डमरू की ताल पर

शिव का अलौकिक नृत्य ऊर्जा का कणों के विक्षिप्त घर्णन को दर्शाता है। उनका डमरू ब्रह्मांड के स्पंदन को तालबद्ध करता है, और उनकी ऊर्जा या शक्ति उन पर देवी मां के द्वारा सक्रिय होती है, जिनको हिंदुओं के देवमंडल में दुर्गा और पार्वती समेत अनेक देवियों के रूप में चित्रित किया गया है। देवी मां वह मोहिनी शक्ति है जो समस्त मानव-अमानव प्राणियों को जन्म देती है, उनका पालन करती है। सभी इस देवी मां के शिशु हैं।

हिंदू त्रयी में ब्रह्मा सृष्टि के रचयिता हैं, विष्णु पालनहार हैं और शिव संहारकर्ता हैं। इस तरह यह दिव्य त्रिमूर्ति अस्तित्व के चक्र को सुनिश्चित करती है। हालांकि शैव संप्रदाय शिव को इस त्रिमूर्ति के मात्र एक अंग के रूप में स्वीकार नहीं करता। उसके अनुसार वे परब्रह्म हैं, जिनको ब्रह्मा व विष्णु पूजा अर्पित करते हैं।

समस्त प्राणियों के स्वामी

शिव को पशुपति, या समस्त मानव-प्राणियों के स्वामी के रूप में जाना जाता है। शिव उन सबको स्वीकार करते हैं, जिनसे दूसरे लोग घृणा करते हैं और उनका तिरस्कार करते हैं। वे उन सबकी अशुचिताओं को नष्ट करते हैं और उनका शुद्धीकरण करते हैं। वे उद्धारक और पतितपावन हैं। वे उस अहंकार को नष्ट करने वाले हैं, जो मनुष्य को जीवन-मृत्यु के महासागर में फंसाए रखता है।

प्रकृति है जिनका आभूषण

उनकी भौतिक काया, वेशभूषा और आभूषण भी अनूठे हैं। वे कर्पूर की भांति गौर वर्ण हैं और उनके जटाजूट शंख के आकार में लिपटे हुए हैं। उनका कंठ नीला है, क्योंकि उन्होंने घातक विष पिया था ताकि वे उससे संसार की रक्षा कर सकें। उनके तीन नेत्र हैं। उनके मस्तक पर स्थित तीसरा नेत्र उनको योग के ईश्वर के रूप में दर्शाता है। यह आंतरिक नेत्र सत्य को भ्रम से अलग करता है और वासना पर विजय हासिल करता है।

वे चंद्रचूड़ हैं, क्योंकि वे दूज के चंद्रमा को अपने केशों की पर सज्जा के लिए धारण करते हैं। चंदमा के घटने-बढ़ने की तरह वे भी ब्रह्मांड के उत्थान और पतन की लय के साथ एकाकार है। वे कृत्तिवास, अर्थात् पशु-चर्म धारण करने वाले हैं। उनकी ऊपरी काया काले हिरण के चर्म से ढंकी रहती है, हाथी का चर्म उनके उरूमूल को ढंकता है और सिंह का चर्म उनका आसन है। बाएं कान में कुंडल (पुरुषों का छल्ला) और दाएं कान में ततंक (स्त्रियों का छल्ला) धारण कर वे अपनी उभयलिंगी प्रकृति को प्रकट करते हैं। वे मुंडों की माला धारण करते हैं और अपने हाथ में भिक्षा-पात्र के रूप में नरमुंड लिए रहते हैं और मानव जीवन की क्षीणता को दर्शाने के लिए अक्सर उसी पात्र से जल ग्रहण करते हैं।

वे आरोग्यप्रद वृक्ष के बीज, रुद्राक्षों से भी अलंकृत करते हैं। नंदी बैल उनका वाहन है, जो कि संयमित शक्ति का प्रतीक है। बैल धर्म या सदाचार का भी प्रतीक है। अपने दाएं हाथ से वे मृग को थामे रहते हैं जो इस बात को दर्शाता है कि समस्त प्राणी उनके संरक्षण में हैं। श्वान उनके आगे-पीछे घूमते रहते हैं।

सांप उनकी देह पर लिपटे रहते हैं। त्रिशूल उनका अस्त्र है, जो त्रयी का प्रतीक है। वे एक दंड (डंडा) और पाश भी थामे रहते है- पाश जो कि समस्त प्राणियों को मर्त्यता से बांधे रहता है। उनके दो धनुष पिनाक और अजगाव के नाम से जाने जाते हैं। वे आद्य ध्वनि ओम् के स्रोत हैं और नृत्य करते समय वे अपना डमरू थामे रहते हैं। उनके डमरू का नाद ब्रह्मांड की ऊर्जा के कंपन को प्रतिध्वनित करता है।

सृजन और संहार की लय

वे संगीत के आचार्य हैं और उस रुद्रवीणा का वादन करते हैं, जो उनके लिए रावण द्वारा बनाई गई है। वे एक घंटी भी धारण करते हैं। आधुनिक भौतिकी पदार्थ को निष्क्रिय और जड़ रूप में नहीं बल्कि निरंतर नृत्यरत और स्पंदनशील रूप में देखती है। भौतिकविद परमाणु से भी सूक्ष्म कणों के निरंतर नृत्यरत होने की बात करते हैं। जब हम नृत्यरत शिव, अर्थात् नटराज की प्रतिमा को देखते है, तो भौतिकविदों का उपर्युक्त बरबस दिमाग में आता है।

नटराज ब्रह्मांड के नृत्य का साक्षात रूप है। फ़ोटोग्राफ़ी की आधुनिक तकनीकें शिव की नृत्यरत छवि से फूटते कणों की लीक को प्रक्षेपित करने में कामयाब हुई हैं। यह छवि उस महत सिद्धांत का असंदिग्ध प्रतीक है, जिसे द्रष्टाओं ने निरूपित किया है : कि जीवन जन्म और मृत्यु की, सृजन और संहार की एक लय में बंधा हुआ है।

विश्वनाथ विश्वेश्वर विश्वमूर्ति

भारत के चारों कोनों और दसों दिशाओं में ही नहीं, दुनिया की तमाम प्राचीन सभ्यता-संस्कृतियों में भी शिव की स्पष्ट उपस्थिति मिलती है। सनातन वैदिक देवता शिव जन-जन में पूजे जाते हैं और सच्चे अर्थों में विश्वेश्वर हैं...

महाशिवरात्रि। यदि इस शब्द को इसके सारे आनुष्ठानिक प्रसंगों से हटाकर एक सार्वभौम अर्थ में देखें, तो इसका अर्थ है अत्यंत पवित्र रात्रि। महाकल्याण की रात। शिव शुभ और स्वस्ति के लिए भी हैं। शिव त्रिलोकेश भी कहलाते हैं और भव भी। वे विराट भी कहलाते हैं और भूदेव भी। लेकिन शिव की ये उपाधियां, जहां वे विश्वेश भी हैं और विश्वमूर्ति भी, क्या सिर्फ पर्याप्त है? क्या वे एक रूपक हैं या कविता? या इनसे भी कहीं किसी तथ्य की ओर इशारा किया जा रहा है। शिव को यदि विश्वनाथ कहा गया, तो सिर्फ काशी के एक ज्योतिर्लिंग के लिए कहा गया था कि उन अनंतदृष्टि कहलाने वाले शिव के दर्शन पृथ्वी पर कई जगह होते हैं? जो असीम हैं, उन्हें सीमा में बांधने की कोशिशें भी होती आई हैं।

शिव का सच्चा स्वरूप

शिव को लेकर औपनिवेशिक व्याख्याकारों की कल्पनाएं इस बात की ओर संकेत करती हैं कि कैसे उन्हें वैदिक और सनातन भारतीय सभ्यता से हटाने की कोशिश की जाती रही। उन्हें एक अनार्य और पूर्व वैदिक देवता बताया और लिंग-योनि को शुद्धतः प्रजनन क्रिया का द्योतक बताकर तपस्या की पूरी परंपरा का अवमूल्यन कर दिया गया। तुलसी ने शिव की पहचान पार्वती के मार्फत यों कराई थी–

तुम्हरे जान काम अब जारा। अब लगि शंभु रहे अविकारा।
हमरे जान सदा शिव जोगी। अज अनवद्य अनादि अभोगी।

लिंग शिव की अंग/रूप से पार की स्थिति थी, वह अंग हो गया। वह जो 'फ़ॉर्मलेसनेस' के लिए प्रतीकायित होता था, वह अब एक 'फ़ॉर्म' का स्थापत्य बन गया। वह जो तेजस का और चैतन्य का प्रतीक था, वह रेतस और काम का प्रतीक बन गया। इनके लिए अंड लिंग, सदाशिव लिंग, आत्म लिंग, ज्ञान लिंग और शिव लिंग का भेद बेकार की माथापच्ची है। लिंग लय-विलय का रूप नहीं रहा, वह कारण की तरह देखा जाने लगा। अंड ब्रह्मांड का और पिंड मनुष्य का प्रतीक नहीं हैं इसके लिए। बिना यह जाने कि ओऽम को ध्वनि लिंग क्यों कहा जाता है और यंत्र को बिंदुलिंग क्यों, कि शिव लिंग पर बिल्वपत्र क्यों चढ़ता है, इसके बारे मे अधकचरे फ्रायडियन निष्कर्ष निकाल दिए गए।

शंकराचार्य ने शिव और विष्णु को एक ही सर्वव्यापी आत्म का रूप कहा था। शिवस्य हृदयं विष्णु । सेवक स्वामी सखा सिय पिय के– ऐसा तुलसी कहते हैं। शिव को तुलसी ने 'विश्वासरूपिणौ' यों ही नहीं कहा था। आम भारतीय को उसकी साधनहीनता में भी मस्त रहने का विश्वास देने वाले शिव विरोधों को सम पर लाते हैं।

सारे संसार में शिवपूजा

हम आधुनिक दौर में सिडनी या ब्रिसबेन में बने शिवमंदिर या इंग्लैंड में बिलेनहाल के शिव को कहां तक सीमित करेंगे? शिवलिंग तो आकार में ही खगोलीय है। क्या रोमन जिन्हें 'प्रयापस' कहते थे, वे शिवलिंग यूरोपीय देशों में नहीं पूजे जाते थे? क्या बेबीलोन के पुरातात्विक अन्वेषणों में भी शिवलिंग नहीं पाए गए। मेसोपोटामिया की सभ्यता से लेकर हमारी सिंधु घाटी सभ्यता की बस्तियों में असंख्य शिवलिंग नहीं मिले? आयरलैंड में मीथ काउंटी में तारा पहाड़ी पर भी शिवलिंग है, जिसे 'नियति शिला' के रूप में जाना जाता है। वैटिकन में भी ऐसे पत्थर मिले हैं, जो शिवलिंग जैसे हैं। वियतनाम भर में हजारों साल पुराने शिवलिंग मिले हैं। दक्षिण अफ्रीका में 6,000 साल पूर्व की एक शिवमूर्ति मिली है और सुडबारा नामक कंदरा में ग्रेनाइट पत्थर से बना शिवलिंग भी मिला है। इंडोनेशिया में जकार्ता में हुई पुरातात्विक खुदाई में शिवमंदिर ही मिला और नंदी की मूर्तियां भी।

शिव की ऐसी वैश्विक उपस्थिति उन्हें वाकई विश्वेश्वर सिद्ध करती है। सिर्फ एक विश्वास की तरह नहीं, पुरातात्विक साक्ष्यों की तरह। उनका विभुत्व सीमित किया नहीं जा सकता। कोई न कोई पत्थर का टुकड़ा दुनिया के अलग-अलग कोनों में अपनी आंख खोलेगा और शिव उसमें प्रत्यक्ष होंगे। संभवतः पुरातत्वविदों को भी एक तीसरी आंख की जरूरत इस त्रिनेत्र के व्यापकत्व की व्याख्या के लिए पड़ेगी।

शिव से सबका उद्गम

शिव गौरवर्णी हैं। शिव शब्द तमिल के सिव धातुमूल से नहीं आया जिसका अर्थ लाल होना या क्रुद्ध होना होता है, बल्कि संस्कृत की 'सि' धातु से आया जिसका अर्थशुभ, पवित्र, उदार, सहायक होता है। शंभु शब्द तमिल सेंबु से नहीं आया जिसका अर्थताम्बा या लाल धातु होता है, बल्कि संस्कृत के शमसे आया कि जिसका अर्थ दूसरों की प्रसन्नता, शांति या कल्याण के लिए अस्तित्ववान होना होता है। शिव तो नादब्रह्म हैं। सभी भाषाओं के उद्गम।

शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंग

सौराष्ट्रे सोमनाथंच श्रीशैले मल्लिकार्जुनम्। उज्जयिन्यां महाकालमोंकारं परमेश्वरम्।।
केदारं हिमवत्पृष्ठे डाकियां भीमशंकरम्। वाराणस्यांच विश्वेशं त्र्यम्बकं गौतमीतटे।।
वैद्यनाथं चिताभूमौ नागेशं दारुकावने। सेतूबन्धे च रामेशं घुश्मेशंच शिवालये।।
द्वादशैतानि नामानि प्रातरुत्थाय यः पठेत्। सप्तजन्मकृतं पापं स्मरणेन विनश्यति।।
यं यं काममपेक्ष्यैव पठिष्यन्ति नरोत्तमाः। तस्य तस्य फलप्राप्तिर्भविष्यति न संशयः।।

शिव पुराण की कोटि 'रुद्रसंहिता' से

1. सोमनाथ

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भारत का ही नहीं अपितु इस पृथ्वी का पहला ज्योतिर्लिंग माना जाता है। यह मंदिर गुजरात राज्य के सौराष्ट्र क्षेत्र में स्थित है। शिवपुराण के अनुसार जब चंद्रमा को दक्ष प्रजापति ने क्षय रोग होने का श्राप दिया था, तब चंदमा ने इसी स्थान पर तप कर इस श्राप से मुक्ति पाई थी। ऐसा भी कहा जाता है कि इस शिवलिंग की स्थापना स्वयं चंद्रदेव ने की थी। विदेशी आक्रमणों के कारण यह 17 बार नष्ट हो चुका है। हर बार यह बिगड़ता और बनता रहा है।

2. मल्लिकार्जुन

आन्ध्र प्रदेश में कृष्णा नदी के तट पर श्रीशैल नाम के पर्वत पर स्थित है। इस मंदिर का महत्व भगवान शिव के कैलाश पर्वत के समान कहा गया है। अनेक धार्मिक शास्त्र इसके धार्मिक और पौराणिक महत्व की व्याख्या करते हैं। कहते हैं कि इस ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने मात्र से ही व्यक्ति को उसके सभी पापों से मुक्ति मिलती है। एक पौराणिक कथा के अनुसार जहां पर यह ज्योतिर्लिंग है, उस पर्वत पर आकर शिव का पूजन करने से व्यक्ति को अश्वमेध यज्ञ के समान पुण्य फल प्राप्त होते हैं।

3. महाकालेश्वर

मध्यप्रदेश की धार्मिक राजधानी कही जाने वाली उज्जैन नगरी में स्थित है। महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग की विशेषता है कि ये एकमात्र दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग है। यहां प्रतिदिन सुबह की जाने वाली भस्मारती विश्व भर में प्रसिद्ध है। महाकालेश्वर की पूजा विशेष रूप से आयु वृद्धि और आयु पर आए हुए संकट को टालने के लिए की जाती है। उज्जैन वासी मानते हैं कि भगवान महाकालेश्वर ही उनके राजा हैं और वे ही उज्जैन की रक्षा कर रहे हैं।

4. ओंकारेश्वर

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध शहर इंदौर के समीप स्थित है। जिस स्थान पर यह ज्योतिर्लिंग स्थित है, उस स्थान पर नर्मदा नदी बहती है और पहाड़ी के चारों ओर नदी बहने से यहां ॐ का आकार बनता है। ॐ शब्द की उत्पति ब्रह्मा के मुख से हुई है। इसलिए किसी भी धार्मिक शास्त्र या वेदों का पाठ ॐ के साथ ही किया जाता है। यह ज्योतिर्लिंग औंकार अर्थात ॐ का आकार लिए हुए है, इस कारण इसे ओंकारेश्वर नाम से जाना जाता है।

5. केदारनाथ

केदारनाथ ज्योतिर्लिंग उत्तराखंड में स्थित है। बाबा केदारनाथ का मंदिर बद्रीनाथ के मार्ग में स्थित है। केदारनाथ समुद्र तल से 3584 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। केदारनाथ का वर्णन स्कन्द पुराण एवं शिव पुराण में भी मिलता है। यह तीर्थ भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। जिस प्रकार कैलाश का महत्व है उसी प्रकार का महत्व शिव जी ने केदार क्षेत्र को भी दिया है।

6. भीमाशंकर

भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग महाराष्ट्र के पुणे जिले में सह्याद्रि नामक पर्वत पर स्थित है। भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग को मोटेश्वर महादेव के नाम से भी जाना जाता है। इस मंदिर के विषय में मान्यता है कि जो भक्त श्रद्धा से इस मंदिर के प्रतिदिन सुबह सूर्य निकलने के बाद दर्शन करता है, उसके सात जन्मों के पाप दूर हो जाते हैं तथा उसके लिए स्वर्ग के मार्ग खुल जाते हैं।

7. काशी विश्वनाथ

विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग उत्तर प्रदेश के काशी नामक स्थान पर स्थित है। काशी सभी धर्म स्थलों में सबसे अधिक महत्व रखती है। इसलिए सभी धर्म स्थलों में काशी का अत्यधिक महत्व कहा गया है। इस स्थान की मान्यता है, कि प्रलय आने पर भी यह स्थान बना रहेगा। इसकी रक्षा के लिए भगवान शिव इस स्थान को अपने त्रिशूल पर धारण कर लेंगे और प्रलय के टल जाने पर काशी को उसके स्थान पर पुन रख देंगे।

8. त्र्यंबकेश्वर

यह ज्योतिर्लिंग गोदावरी नदी के करीब महाराष्ट्र राज्य के नासिक जिले में स्थित है। इस ज्योतिर्लिंग के सबसे अधिक निकट ब्रह्मगिरि पर्वत (गोदावरी नदी का उद्गम) है। कहा जाता है कि भगवान शिव को गौतम ऋषि और गोदावरी नदी के आग्रह पर यहां त्र्यंबकेश्वर (शिव का एक नाम) ज्योतिर्लिंग रूप में रहना पड़ा।

9. वैद्यनाथ

श्री वैद्यनाथ शिवलिंग का समस्त ज्योतिर्लिंगों की गणना में नौवां स्थान बताया गया है। भगवान श्री वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग का मन्दिर जिस स्थान पर अवस्थित है, उसे वैद्यनाथ धाम कहा जाता है। यह स्थान झारखण्ड प्रान्त, पूर्व में बिहार प्रान्त के संथाल परगना के दुमका नामक जनपद में पड़ता है।

10. नागेश्वर

यह ज्योतिर्लिंग गुजरात के बाहरी क्षेत्र में द्वारिका स्थान में स्थित है। धर्म शास्त्रों में भगवान शिव नागों के देवता है और नागेश्वर का पूर्ण अर्थ नागों का ईश्वर है। भगवान शिव का एक अन्य नाम नागेश्वर भी है। द्वारका पुरी से नागेश्वर ज्योतिर्लिंग की दूरी 17 मील की है। इस ज्योतिर्लिंग की महिमा में कहा गया है कि जो व्यक्ति पूर्णश्रद्धा और विश्वास के साथ यहां दर्शनों के लिए आता है उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं।

11. रामेश्वरम

यह ज्योतिर्लिंग तमिलनाडु राज्य के रामनाथपुरं नामक स्थान में स्थित है। भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक होने के साथ-साथ यह स्थान हिंदुओं के चार धामों में से एक भी है। इस ज्योतिर्लिंग के विषय में यह मान्यता है, कि इसकी स्थापना स्वयं भगवान श्रीराम ने की थी। भगवान राम के द्वारा स्थापित होने के कारण ही इस ज्योतिर्लिंग को भगवान राम का नाम रामेश्वरम दिया गया है।

12. घृष्णेश्वर

घृष्णेश्वर महादेव का प्रसिद्ध मंदिर महाराष्ट्र के संभाजीनगर के समीप दौलताबाद के पास स्थित है। इसे घृष्णेश्वर या घुश्मेश्वर के नाम से भी जाना जाता है। दूर.दूर से लोग यहां दर्शन के लिए आते हैं और आत्मिक शांति प्राप्त करते हैं। भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से यह अंतिम ज्योतिर्लिंग है। बौद्ध भिक्षुओं द्वारा निर्मित एलोरा की प्रसिद्ध गुफाएं इस मंदिर के समीप स्थित हैं। यहीं पर श्री एकनाथजी गुरु व श्री जनार्दन महाराज की समाधि भी है।

Dr. B. L. Maheshwari & Vatsal Maheshwari

AQUAPROOF GROUP

AN ISO 9001: 2015 * ISO 14001: 2004 * OHSAS 18001: 2007 COMPANY

FLOORING PRODUCTS

Aqua Floor 2K
Non-Metallic Floor Hardener

Aqua Floor 3K
Metallic Floor Hardener

Aqua Grout Gp
Metallic Floor Hardner

Aqua Floor BLM-1900
Silane Modified Transparent Liquid Polymer

- Waterproofing
- Concrete Protection
- Plaster & Putty
- Tile & Stone Care
- Repairing Products
- Sealant
- Water Repellent
- Industrial Floors
- Industrial Grouts
- Admixture
- Coatings
- Epoxy
- Home Care Products

Manufacturing Plants :

★ Kalol (Baroda), Gujarat ★ Rajim (Raipur), Chhattisgarh
★ Raila (Bhilwara), Rajasthan ★ Alwar, Rajasthan ★ Ranchi, Jharkhand

AQUAPROOF
Quality Building Material Solutions

Corporate Office: 601, Corporate Arena, Off Aarey Piramal Cross Rd, Goregaon (W), Mumbai - 400062
Tel: 022-28782493/95 **Email:** info@aquaproofindia.com
Website: www.aquaproofindia.com
Facebook: www.facebook.com/aquaproofindia

POINT YOUR MOBILE PHONE CAMERA & SCAN USING QR CODE SCANNER APP

परिशिष्ट

2 वर्ष की विकास यात्रा

समाज की
विकास यात्रा
को समर्पित
2 वर्ष

हमारा समाज हमारा गौरव

2 वर्ष उपलब्धि

विधान संशोधन

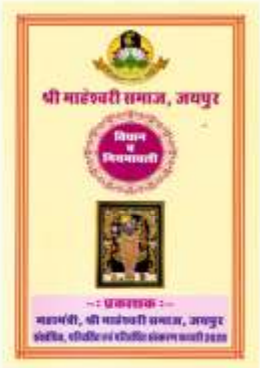

सामाजिक सौहार्द व विकास की ओर एक नया कदम...

समाज के त्रैवार्षिक चुनाव में लागू होगी धारा 48

- चुनाव में अब नहीं होंगे 2 रंग
- किसी भी तरह के बैज, टी-शर्ट, दुपट्टा, कैप, जैकेट व ड्रेस कोड का नहीं होगा उपयोग।
- **चुनाव में प्रचार सामग्री** : पम्पलेट, स्टीकर, पोस्टर, बैनर व होर्डिंग प्रदर्शित नहीं होंगे।
- चुनावी सभाओं में नहीं होगा किसी प्रकार का भोज, केवल चाय, कॉफी, शीतल पेय व बिस्किट ही खिलाये-पिलाये जायेंगे।
- चुनाव कार्यालयों में अब खाने के लंगर नहीं लगेंगे।
- 6 जोन और 14 चौकड़ियाँ की गई।

समाज परिवार एवं जनसंख्या

समाज की नई जनगणना पहली बार डिजिटल माध्यम से करवाई जा रही है।

महेश सेवा कोष

वर्ष 2020 में समाज के इतिहास में सबसे बड़ी उपलब्धि

2 करोड़ 2 लाख रु.

का रिकॉर्ड धन संग्रह

25 लाख रु.

श्री परसराम-वासन्ती देवी शारदा स्मृति सेवा कोष स्थापित

(अब तक का सर्वाधिक कोष)

2 वर्ष उपलब्धि

महेश नवमी पर	
वर्ष	प्राप्त राशि ₹
1942	156
1950	127
1951	248
1954	344
1958	701
1960	1145
1970	3 हजार
1980	42 हजार
1990	2.13 लाख
2000	3.56 लाख
2010	17.95 लाख
2020	52.04 लाख

महेश सेवा कोष में आप द्वारा दी गई सेवा राशि उन स्थानीय माहेश्वरी परिवारों जिनकी कुल मासिक आय 10,000 रुपये अथवा उससे कम है, सहायता के पात्र हैं। कोष द्वारा पात्र-परिवारों को निम्नानुसार सहायता दी जा रही है :

- मासिक सहायता :
- चिकित्सा सहायता :
- शिक्षा सहायता :

वर्ष 2020-21 में कोरोना महामारी की विकट परिस्थितियों के बावजूद मासिक सहायता, चिकित्सा सहायता एवं शिक्षा सहायता आदि में

68,00,000/- रुपयों

की सहायता प्रदान की गई।

महेश सेवा कोष में दी गई राशि आयकर की धारा 80(G) में छूट योग्य है।

2 वर्ष उपलब्धि

गोल्ड कार्ड

- समाज बन्धुओं को चिकित्सा, रेस्टोरेन्ट्स आदि अनेकों सुविधाएं रियायती दरों पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नये गोल्ड कार्ड बनवाकर वितरित किये गये।
- रियायती दरों का लाभ प्राप्त करने के लिए कई नए प्रतिष्ठानों को भी योजना में शामिल किया गया।

निःशुल्क दुर्घटना बीमा योजना

दुर्घटना बीमा योजना के
अन्तर्गत समाज के
दो परिवारों को

2-2 लाख रुपये

प्रति परिवार बीमा कम्पनी से दिलवाये गये।

समाज द्वारा सभी पंजीकृत समाज सदस्यों का निःशुल्क दुर्घटना प्रतिवर्ष करवाया जाता है।

सामूहिक गोठ
3 लाख 30 हजार रु की बचत

आय : 28 लाख 10 हजार
खर्चा : 24 लाख 80 हजार

अन्नकूट महोत्सव : 3 लाख 35 हजार रु की बचत

आय : 11 लाख 75 हजार
खर्चा : 8 लाख 40 हजार

मैरिज ब्यूरो

2 वर्ष उपलब्धि

- 1800 युवक-युवतियों के बायोडाटा संकलित
- 226 संबंध तय हुए

(01 फरवरी, 2019 से 31 जनवरी, 2021 तक)

अ.भा. युवक-युवती परिचय सम्मेलन

05 जनवरी, 2020

- 658 बायोडाटा पंजीकृत
- 54 संबंध सुनिश्चित

कोरोना महामारी के दौरान नवम्बर 2020 में "Bio-Data Digital Book" PDF का प्रकाशन

- 134 युवक एवं 129 युवतियों के बायोडाटा संकलित
- 10 संबंध सुनिश्चित

समाज पत्रिका

विकास यात्रा के दो वर्ष में प्रकाशित महत्त्वपूर्ण विशेषांक

2 वर्ष उपलब्धि

समाज बन्धुओं को सार्थक और सकारात्मक जीवन की दिशाओं से जोड़ते हुए एक सृजनशील समाज के निर्माण के लिए आत्मिक सुगंध के साथ परिवर्तन, बदलाव और विकास की प्रक्रिया में बहते हुए "जयपुर माहेश्वरी पत्रिका" ने इन वर्षों में अभिव्यक्ति की एक नई राह रचते हुए पाठकों के अंतस में समाज, संस्कृति, धर्म, दर्शन, संस्कार, स्वास्थ्य और सेवा के बीज बिखेरे हैं।

पत्रिका के डिजिटल संस्करण समाज की वेबसाइट www.maheshwarisamajjaipur.com पर उपलब्ध

2 वर्ष उपलब्धि

शहीदों को श्रद्धांजलि

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले के विरोध में समाज के सैंकड़ों बन्धुओं ने 15 फरवरी 2019 को अमर जवान ज्योति स्मारक तक पैदल शान्ति मार्च किया एवं कैण्डल जलाकर शहीदों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की।

समाज अध्यक्ष प्रदीप बाहेती ने कहा कि देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले हमारे वीर जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाने देंगे। आतंककारियों

के इस घिनौने कृत्य का सम्पूर्ण समाज भर्त्सना करता है। उन्होंने शहीदों के बच्चों के लिए समाज शिक्षण संस्थाओं में नि:शुल्क शिक्षा की व्यवस्था की घोषणा की।

'एक शाम शहीदों के नाम'

20वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कारगिल एवं पुलवामा मे शहीद हुए राजस्थान के वीर सपूतों के परिवारों का सम्मान समारोह श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा तक्षशिला ऑडिटोरियम में 26 जुलाई, 2019 को आयोजित किया गया। देश भक्ति से औतप्रोत कार्यक्रम मे उपस्थित समाज बन्धुओं ने नम आँखों से शहीदों को श्रद्धाजंलि अर्पित की। राजस्थान के शहीद हुए सपूतों – सर्वश्री अमित भारद्वाज– जयपुर, मंगेज सिंह–नागौर, हेमराज मीणा–कोटा, जीतराम गुर्जर–भरतपुर, नारायण लाल गुर्जर – राजसमंद, भागीरथ सिंह–धौलपुर, रोहिताश लाम्बा–जयपुर, शंकर लाल बराला–शाहपुरा, आलोक माथुर–जयपुर एवं घनश्याम गुर्जर–दौसा के परिवारजनों का साफा व माला पहनाकर तथा प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया।

चिकित्सा क्षेत्र

श्री माहेश्वरी डायलिसिस-डायग्नोस्टिक एण्ड रिसर्च सेन्टर का लोकार्पण शीघ्र

उपलब्ध सुविधाएँ

8 डायलिसिस मशीन

सोनोग्राफी

डिजिटल एक्सरे

फिजियो-थेरेपी

टी.एम.टी. सुविधा

ई.सी.जी. सुविधा

कम्पलीट लेब सुविधाएं

(अत्याधुनिक उपकरणों के साथ)

श्री माहेश्वरी डायलिसिस-डायग्नोस्टिक एण्ड रिसर्च सेन्टर

साहसिक निर्णय

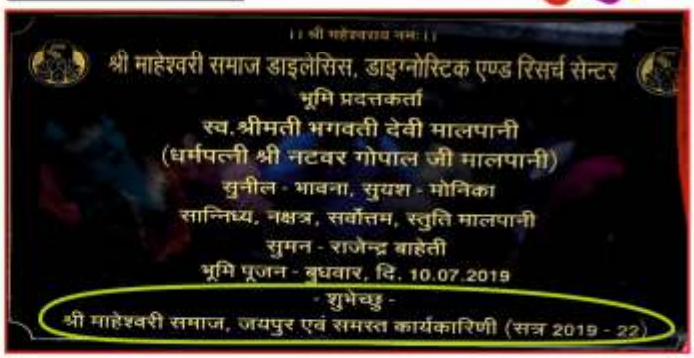

पूर्वजों की परम्परा का निर्वहन करते हुए माहेश्वरी डायलिसिस सेन्टर के भूमि पूजन पर लगाई गई शिलान्यास पट्टिका पर किसी भी पदाधिकारी का नाम अंकित नहीं किया गया है।

दानदाताओं का आभार

क्र.	दानदाता का नाम	राशि
1.	श्री नटवरगोपाल जी मालपानी द्वारा भूमि प्रदत एवं सहयोग	आर्थिक
2.	श्री कमलकिशोर सुपुत्र स्व. श्री आर.एस. फलोड़ (चेन्नई)	5100000
3.	आर.डी. बाहेती चैरिटेबल ट्रस्ट	3500000
4.	श्री ज्योति कुमार जी, श्रीमती इन्दु जी माहेश्वरी	3500000
5.	श्री जमनादास जी मनिहार	2500000
6.	श्री सुरेन्द्र जी, श्याम जी बजाज	1500000
7.	श्री श्रीगोपाल जी, कमल जी काबरा	551000
8.	श्री उमेश जी सोनी	511000
9.	श्री विनोद कुमार जी, विशाल जी धूत	500000
10.	श्री राजेन्द्र जी, श्री बल्लभ जी करनानी	300000
11.	श्री चांदरतन जी, राकेश जी बाहेती	221000
12.	श्रीमती सरिता व श्री कृष्ण कुमार जी काबरा (जयपुर हॉट ब्रेड्स)	171000
13.	श्री देवेन्द्र जी झंवर	151151
14.	श्री बल्लभ जी, संजय जी काबरा	151000
15.	श्री महेश जी परवाल (MTC)	151000
16.	श्री श्याम सुन्दर जी तोतला	150000
17.	श्री रामकिशन जी जाजू (समाज संरक्षक)	131000
18.	माहेश्वरी बंधु, (जोन 4–5)	125000
19.	श्री अनिल कुमार जी साबू	125000
20.	श्री विनोद जी, विनायक जी गट्टानी	115000
21.	श्रीमती प्रेमकला–अविनाश जी कालानी	115000
22.	श्री गोपाल लाल जी मालपानी	111501
23.	श्री नरेन्द्र जी, आशीष जी पेडिवाल	111501
24.	श्री मोतीचन्द जी, गोविन्द जी मालपानी	111201
25.	श्री हरकचन्द जी भाला	111151
26.	श्री नन्दकिशोर जी कोठ्यारी	111111
27.	श्री किशन जी डागा	111111
28.	श्री सुरेश जी फलोड	111111
29.	श्री दामोदर जी फलोड़	111111
30.	श्री गिर्राज दास जी–शकुंतला देवी मालपानी	111111
31.	श्री नटवर लाल जी अजमेरा	111000
32.	श्री राधाबल्लभ जी अजमेरा	111000
33.	श्री तेज प्रकाश जी रांधड़	111000
34.	श्रीमती ज्ञान देवी–राजकुमार जी गट्टानी	111000
35.	श्री सुनील जी बाहेती	111000
36.	श्री रमेश कुमार जी सोमानी (बापू नगर)	111000
37.	गुप्त सहयोग	111000
38.	श्री अशोक कुमार जी फलोड़	111000
39.	सीए. संजय जी, मनमोहन जी बांगड़	111000
40.	श्री मुरारी लाल जी बिड़ला	111000
41.	श्री आशीष मंत्री (गणगौरी बेसन)	111000
42.	श्रीमती विमला देवी धर्मपत्नी स्व. श्री रमेश जी मालपानी	111000
43.	श्री लेखराज जी लद्धड़	101000
44.	श्री सत्यनारायण जी तोषनीवाल	100100
45.	श्री अजय जी नोवाल	100000
	कुल योग (10 फरवरी 2021 तक)	22353160

सद्संस्कार

शरीर • मन • आत्मा

2 वर्ष उपलब्धि

2 अप्रेल, 2019

डॉ. संध्या शेट्टी द्वारा 'तनाव मुक्ति' पर परिचर्चा

3 से 14 मई, 2019

भारत के पूर्व राजदूत श्री गौरीशंकर आगीवाल द्वारा
'जीवन में अच्छे स्वास्थ्य का क्या महत्व है' पर व्याख्यान

28 जुलाई, 2019

श्री बल्लभ जी भंसाली द्वारा 'अपने सुख की चाबी अपने पास' के अन्तर्गत
विपश्यना ध्यान साधना की वैज्ञानिक विधि पर मोटिवेशन टॉक

31 अगस्त, 2019

माइंड गुरु श्री सुनील पारेख ने 'Super Student कैसे बनें' एवं
'Power of the Sub.Councious mind' पर दो वर्कशॉप

28 सितम्बर, 2019

गीता परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष, डॉ. संजय मालपानी दो शब्द माँ के लिये,
दो शब्द पिता के लिये 'दी आर्ट ऑफ पेरेंटिंग' पर व्याख्यान।

15–18 दिसम्बर, 2019

पं. विजयशंकर मेहता द्वारा
'युवा भागवत' का तीन दिवसीय व्याख्यान

11 सितम्बर 2019 से योग कक्षाएं

योगाभ्यास

महिला एवं पुरुष योगाचार्यों द्वारा

2 वर्ष उपलब्धि

कोरोना काल

कोरोना महामारी के दौरान खाद्य सामग्री का वितरण

महामारी के दौरान समाज के जरूरतमंद स्वजातीय परिवारों के घर-घर जाकर खाद्य राशन सामग्री का वितरण किया गया।

कोविड-19 हेल्पलाइन

2 वर्ष उपलब्धि

द्वारा समाज बन्धुओं का महामारी से बचाव हेतु चिकित्सा सेवाएँ प्रदत

अनुभवी चिकित्सकों द्वारा टेलीफोन पर नि:शुल्क परामर्श

- डॉ. वी.डी. माहेश्वरी
- डॉ. बी. के. मालपानी
- डॉ. देवेन्द्र लढ्ढा
- डॉ. शैलेष झंवर
- डॉ. अभिनव राठी
- डॉ. अवध बिहारी मारू
- डॉ. जी.डी. माहेश्वरी
- डॉ. सचिन झंवर
- डॉ. ललित भराड़िया
- डॉ. छवि काबरा
- डॉ. गणपत देवपुरा
- डॉ. सुधीर शारदा
- डॉ. मुनीष माहेश्वरी
- डॉ. नटवर परवाल

रियायती दरों पर संबंधित जांच सुविधाएं एवं दवाइयां

घर से हॉस्पिटल में भर्ती होने के लिए एम्बुलेंस की नि:शुल्क सुविधा

अन्य सुविधाएँ

हॉस्पिटल में यथासम्भव भर्ती चिकित्सकीय परामर्श पर यथा संभव Home Quarantine सुविधा

कोरोनाकाल में मानवीय पहलुओं को ध्यान में रखते हुए 'उत्सव' भवन को नि:शुल्क उपयोग हेतु राज्य सरकार को दिया गया।

श्याम नगर में डायग्नोसिस सैम्पल कलक्शन सेन्टर की अलग से स्थापना की गई।

2 वर्ष उपलब्धि

वृक्षारोपण अभियान

5000 पौधे लगाए

जुलाई 2019 में पर्यावरण जागरूकता अभियान के तहत 5000 पौधे लगाने के लिए समाज द्वारा संचालित एमपीएस, कालवाड़ रोड़, एमजीपीएस-विद्याधर नगर, एमपीएस इन्टरनेशनल, एमएचएस-तिलक नगर, एमपीएस-बगरू, एमपीएस-जवाहर नगर एवं एमपीएस-प्रताप नगर विद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण किया गया।

एम्बुलेंस सुविधा

2 वर्ष उपलब्धि

आपातकालीन स्थिति में समाज बन्धुओं के लिए चिकित्सकीय उपकरणों से लेस एम्बुलेंस की सुविधा प्रारम्भ की गई।

सूचना क्रान्ति

2 वर्ष उपलब्धि

टोल फ्री नंबर एवं व्हाट्सअप नम्बर की सेवाएं

सुझावों एवं समस्याओं हेतु BSNL टोल फ्री नम्बर

1800-180-6832

एवं व्हाट्सअप नम्बर

0141-2623500

की सेवायें प्रारम्भ की गई हैं।

समाज द्वारा उद्घोषित नवाचारों के अन्तर्गत पर्यावरण सुरक्षा की दृष्टि से सभी महत्वपूर्ण सूचनाएं व्हाट्सएप अथवा ई-मेल के माध्यम से प्रेषित की जा रही हैं।

ई-मित्र का संचालन जुलाई 2020 से प्रारम्भ।

ई-मित्र के माध्यम से भारत सरकार व राजस्थान सरकार की सभी योजनाएँ एवं 401 कार्यों की जानकारी आप घर बैठे फोन से समाज कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं। समाज के आर्थिक पिछड़े परिवार सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर रहें हैं।

भगवान शंकर को प्रिय है प्रदोष व्रत

व्रतराज नामक ग्रन्थ में सूर्यास्त से तीन घटी पूर्व के समय को प्रदोष का समय माना गया है। अर्थात् सूर्यास्त से सवा घंटा पूर्व के समय को प्रदोष काल कहा गया है। तिथियों में त्रयोदशी तिथि को भी प्रदोष तिथि की संज्ञा प्रदान की गयी है। इसका मतलब सायंकालीन त्रयोदशी तिथि को किया जाने वाला व्रत प्रदोष व्रत कहलाता है। प्रदोष व्रत पूर्व तिथि के संयोग से मनाया जाता है। यानी द्वादशी तिथि से संयुक्त त्रयोदशी तिथि को यह व्रत आचरित किया जाता है। पक्ष भेद होने के कारण इसे शुक्ल या कृष्ण प्रदोष व्रत कहा जाता है। भगवान शिव को यह व्रत परम प्रिय है इसलिये इस व्रत में शिवजी की उपासना की जाती है।

> "पुराणों के अनुसार प्रदोष व्रत करने से सांसारिक दुखों से निवृत्ति मिलती है। यह व्रत सुख संपदा युक्त जीवन शैली के अलावा हमें यश, कीर्ति, ख्याति, वैभव और सम्पन्नता देने में समर्थ होता है।"

व्रत है कल्याणकारी

यह व्रत उपवासक को धर्म, मोक्ष से जोड़ने वाला और अर्थ, काम के बंधनों से मुक्त करने वाला होता है। भगवान शिव की आराधना करने वाले जातकों को गरीबी, मृत्यु, दुख और ऋणों से मुक्ति मिलती है। सोमवार के दिन त्रयोदशी पर किया जाने वाला व्रत आरोग्य देता है तो सोमवार के त्रयोदशी प्रदोष व्रत से मनोइच्छा की पूर्ति होती है। जिस मास में मंगलवार के दिन त्रयोदशी का प्रदोष व्रत हो, उस दिन के व्रत को करने से रोगों से मुक्ति व स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होता है, वहीं बुधवार के दिन प्रदोष व्रत हो तो उपासक की सभी कामना की पूर्ति होने की संभावना बनती है। गुरु प्रदोष व्रत शत्रुओं के विनाश के लिए किया जाता है। शुक्रवार के दिन होने वाल प्रदोष व्रत सौभाग्य और दाम्पत्य जीवन की सुख-शान्ति के लिए किया जाता है। आखिर में जिन्हें संतान प्राप्ति की कामना हो, उन्हें शनिवार के दिन पड़ने वाला प्रदोष व्रत करना चाहिए।

जल्द प्रसन्न होने वाले देव हैं महादेव

अपनी सामर्थ्य के अनुसार पूजन सामग्री, विल्वपत्रादि लाकर संभव हो सके तो पति-पत्नी एक साथ बैठकर शिवजी का पूजन करें। यदि कोई मंत्र नहीं आते हों तो ॐ नमः शिवाय का जाप करते हुए पूजा करें। महादेव जल्द प्रसन्न होने वाले देव हैं।

प्रदोष व्रत रखने से सांसारिक दु:खों की भी निवृत्ति होती है। यह व्रत सुख संपदा युक्त जीवन शैली के अलावा हमें यश, कीर्ति, ख्याति और वैभव देने में समर्थ होता है। विशेष रूप से श्रावण भाद्रपद, कार्तिक और माघ मास में पड़ने वाले प्रदोष व्रत आज के दैहिक-भौतिक कष्टों का निवारण करने में परम सहायक होता है।

विश्व कल्याण के देवता हैं शिव

भगवान शिव कल्याण की विराट परंपरा के प्रतिनिधि हैं। आज दुनिया में जिस तरह का वातावरण है, कल्याण की बड़ी आवश्यकता है। कल्याण शब्द सेवा से भी ऊपर है। सेवा में तो फिर भी कभी-कभी स्वार्थ का भाव आ जाता है, लेकिन कल्याण का मतलब है सेवाओं के सारे स्वरूप एक घटना में समा जाएं। शिव इस मामले में अद्‌भुत हैं। उनकी प्रत्येक लीला आनंद के सृजन का उद्‌घोष है। शिवचरित्र की जितनी कथाएं हैं, उनमें गजब की सच्चाई है। पूरा शिव चरित्र सिखाता है कि सुख और आनंद आप ही के भीतर है। थोड़ा भीतर उतरकर उसे प्राप्त कर लो और फिर दूसरों पर छिड़क दो। अपनी खुशी जितनी दूसरों में बांटेंगे, भीतर उसकी उतनी ही सुगंध बढ़ जाएगी।

शिव को सत्यम्-शिवम्-सुंदरम् इसलिए कहा गया है कि जीवन की सुंदरता की खोज में भले ही पूरे संसार में घूम लें, लेकिन यदि वह आपके भीतर नहीं है तो कहीं नहीं है। हमें उनके इस चरित्र को याद रखना चाहिए। वेदों में तो शिव को अव्यक्त, अजन्मा और सबका कारण बताया है। वे पालक और संहारक दोनों हैं। शास्त्रों में लिखा है देव-दनुज, ऋषि-महर्षि, योगेंद्र-मुनींद्र, सिद्ध-गंधर्व, साधु-संत, सामान्य मनुष्य ये सभी शिव की इसलिए उपासना करते हैं कि ये कल्याण के देवता हैं। शिवरात्रि पर जब शिवलिंग पर जल चढ़ाएं तो एक कामना जरूर करें कि हे शिव, केवल मुझ अकेले को नहीं, पूरे संसार का कल्याण कीजिएगा, शांति प्रदान कीजिएगा। यही सच्ची शिवपूजा होगी..।

■ पं. विजयशंकर मेहता

श्री माहेश्वरी डायग्नोस्टिक सेन्टर

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा संचालित)

पी-10ए, सेक्टर 2, उत्सव भवन के पास, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 • फोन : 0141-2230511, 6377506355

समय : प्रातः 8 बजे से सायं 8 बजे तक (सोमवार से शनिवार) • प्रातः 8 बजे से सायं 4 बजे तक (रविवार)

Blood Sugar 30/-	Cholesterol 30/-	Creatinine 40/-	SGOT 40/-	SGPT 40/-
Urine R/E 40/-	Uric Acid 50/-	Calcium 50/-	ECG 60/-	CBC 100/-
Electrolytes 120/-	PSA 220/-	Hb A1C 200/-	Liver Function 200/-	Thyroid Profile 200/-
Lipid Profile 250/-	RFT 400/-	Vitamin B-12 400/-	Dengue Test 450/-	Vitamin D-3 750/-

जाँचें बहुत किफायती दरों पर की जाती हैं एवं रिपोर्ट व्हाट्सएप्प नं. 9649044777 से भेजी जाती हैं।
नोट : घर से सैम्पल कलेक्शन की सुविधा उचित दरों पर उपलब्ध

Dr. VISHWAS PRABODH
MD Radio Diagnosis
4:30 pm to 7:00 pm

ULTRA SONOGRAPHY
- Whole abdomen
- Obstetrics & gynaecology including Anomaly scan, color Doppler, fetal echocardiography etc.
- Limb Doppler
- Small parts (thyroid, testes, breast etc.)

Dr. VIJAYETA SULTANIA
Consultant Radiologist
10:00 am to 1:00 pm

कलर सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध

श्री माहेश्वरी डायग्नोस्टिक सेन्टर (ब्लड कलेक्शन सेन्टर)

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा संचालित)

87, सरतीनगर, जनपथ, श्यामनगर, जयपुर • फोन : 0141-4924112, 9414074134

आधुनिक मशीनों एवं उपकरणों द्वारा जाँचें

समय : प्रातः 8 बजे से सायं 4 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक (रविवार)

सोनोग्राफी
प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक
सायं 4:30 बजे से 7:00 बजे

SONOGRAPHY 300/- • DIGITAL X-RAY 150/- • 2D-EHCO 1000/-

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

प्रदीप बाहेती
अध्यक्ष

नटवर लाल अजमेरा
महासचिव शिक्षा

एमपीएस संस्कृति, तुलसी मार्ग, बनीपार्क

नई उमंग और नई आशा के साथ नववर्ष-2021 की आप सभी को शुभकामनाएँ। 2021 हम सभी के लिए मंगलमय हो। तथा हमारे बच्चे अपनी किलकारियों से स्कूल परिसर को गुंजायमान करें। इसी आशा के साथ नववर्ष की शुरुआत करते हैं।

लोहडी व पतंग उत्सव-13.01.2021

विद्यालय परिसर में 13 जनवरी को लोहडी व पतंग उत्सव का वर्चुअल आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्कृति सचिव श्री संजय काबरा, भवन सचिव श्री गिरधर झंवर कमेटी सदस्य श्रीमती अल्का माहेश्वरी, श्रीमती बिमला मालपानी, श्री नवनीत आगीवाल व श्री दीपक मालपानी उपस्थित रहे। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका ने बच्चों को लोहडी व मकर संक्रांति की शुभकामनाएँ दीं।

गणतंत्र दिवस-26.01.2021

25 जनवरी को बच्चों के साथ ऑनलाइन कक्षा के दौरान गणतंत्र दिवस मनाया गया। गणतंत्र दिवस क्यों मनाया जाता है इसकी जानकारी दी गई। साथ ही बच्चों ने अपनी टीचर्स के साथ देशभक्ति गानों पर नृत्य करके उत्सव को सफल बनाया। साथ ही बच्चों को भारत के राष्ट्रीय प्रतीकों के विषय में जानकारी दी गई तथा इससे सम्बन्धित एक्टिविटीज भी करवाई गई। तीन रंग के सैंडविच, हैंड-प्रिंट एक्टिविटी द्वारा तिरंगा, भारत के राष्ट्रीय वृक्ष-बेनयन ट्री का बुकमार्क इत्यादि भी बच्चों से वर्चुअल सेशन में बनवाए गए।

26 जनवरी 2021, को स्कूल परिसर में तीनों शाखाओं (अजमेर रोड, कालवाड रोड व बनीपार्क) ने मिलकर गणतंत्र दिवस मनाया। इस समारोह के मुख्य अतिथि प्रतिष्ठित समाज सेवी श्री बद्री लाल मोहता रहे। इस अवसर पर संस्कृति के सचिव श्री संजय काबरा, भवन सचिव श्री गिरधर झंवर, व समाज के गणमान्य सदस्य श्री सत्यनारायण काबरा, श्री बृज मोहन बाहेती, श्री नथमल मालू, माहेश्वरी नवयुवक मण्डल के अध्यक्ष श्री आशीष मंत्री एवं संगठन प्रचार मंत्री श्री सतीश सारडा ने अपनी उपस्थिती दर्ज करवाई।

एम.पी.एस. संस्कृति स्कूल कमेटी के सदस्य श्री मनीष गगरानी, श्रीमति अल्का माहेश्वरी एवं श्री नवनीत आगीवाल ने भी इस आयोजन में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अंत में सचिव श्री संजय काबरा द्वारा गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ दी गई तथा प्रधानाध्यापिका श्रीमती भावना भाटिया ने सभी आगंतुकों को धन्यवाद प्रेषित किया।

ब्लैक एंड व्हाइट कलर कोनसेप्ट-28.01.21

बच्चों को रंगों से अवगत कराने के लिए इस बार ब्लैक एंड व्हाइट कलर डे सेलीब्रेट किया गया। बच्चों ने टीचर्स के साथ ब्लैक एंड व्हाइट कलर के कपड़े पहने व इसी रंग के ऑब्जेक्ट जैसे पांडा, जेब्रा, शतरंज, पेनगुईन इत्यादि से इस दिन को सेलीब्रेट किया।

वर्चुअल डांस काम्पीटीशन-30.01.2021

30 जनवरी को बच्चों का वर्चुअल डांस काम्पीटीशन हुआ। इस प्रतियोगिता की थीम 'इंडिया एंड इट्स कल्चर' रखी गई। बच्चों ने इस प्रतियोगिता में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम की शुरूआत स्कूल प्रधानाध्यापिका श्रीमती भावना भाटिया ने दीप-प्रज्वलन से की तथा इस प्रतियोगिता के निर्णायक दल में एम.पी.एस इंटरनेशनल स्कूल की डांस टीचर्स, डॉ. ममता तिवारी, श्रीमती गुंजन बिरला एवं सुश्री शगुन शर्मा रहे। बच्चों की प्रस्तुतियों ने भाव-विभोर कर दिया। उनके व अभिभावकों के उत्साह से यह प्रतियोगिता लगभग तीन घंटों तक अनवरत चली। सचिव श्री संजय काबरा ने भी इस कार्यक्रम का आनंद वर्चुअल सेशन द्वारा लिया तथा अपनी ओर से सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। कार्यक्रम के अंत में एम.पी.एस. संस्कृति की प्रधानाध्यापिका श्रीमती भावना भाटिया ने बच्चों व उनके अभिभावकों के प्रयासों की सराहना की तथा उन्हे धन्यवाद दिया। इस तरह जनवरी माह विभिन्न आयोजनों के हर्षोल्लास के साथ व्यतीत हुआ।

गणतंत्र दिवस का आयोजन

माहेश्वरी कॉलेज में राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कोरोना काल की वजह से कार्यक्रम ऑनलाइन ही करवाया गया। कार्यक्रम में सभी छात्राओं की उपस्थिति अनिवार्य रखी गयी । कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण करके की गयी। संस्था के मानद सचिव श्री कैलाश अजमेरा, हॉस्टल सयोंजक श्री सांवरमल परवाल, संस्था के भवन सचिव श्री सुनील मालपानी, कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ. शुभा शर्मा के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को फहराकर राष्ट्र गान के साथ सलामी दे कर सम्मान देते हुए श्री कैलाश अजमेरा ने छात्राओं को निरंतर आगे बढ़ते रहने का सन्देश दिया।

भवन सचिव श्री सुनील मालपानी ने कहा कि आज कि छात्राएं देश का भावी कर्णधार है। आदर्श छात्रा, आदर्श नागरिक बनकर अपने उत्तरदायित्व तथा कर्त्तव्य का निर्वहन उन्हें करना चाहिए। शिक्षा के द्वारा ही संविधान की प्रस्तावना को साकार करके गणतंत्र दिवस के महत्त्व के प्रति जनजागृति लायी जा सकती है।

माहेश्वरी कॉलेज में सत्र 2020-21 हेतु प्रवेश प्रक्रिया जारी

माहेश्वरी कॉलेज के द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में नवीन सत्र 2020-21 के लिए आवेदन की प्रक्रिया जारी है जिसमे छात्राओं का कॉलेज के प्रति काफी अच्छा रुझान है। माहेश्वरी कॉलेज के द्वारा सत्र 2020-21 से नवीन विषय B.Sc. अन्य डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी शुरू किये जा रहे है। कोरोना महामारी को ध्यान में रखते हुए सभी पाठ्यक्रम को विश्वविद्यालय एवं राज्य सरकार के निर्देशानुसार संचालित किया जायेगा। सभी विषयों से संबंधित जानकारी सत्र प्रारम्भ होने से पहले कॉलेज website पर उपलब्ध रहेंगी।

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑफ दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर के अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती ने कहा कि माहेश्वरी कॉलेज की विशिष्टता के कारण ही कॉलेज को देश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्थाओं में माना जाता है। आपने कहा कि सम्पूर्ण शिक्षा का मतलब सिर्फ किताबी या विषय सम्बन्धी जानकारी ही नहीं होता है। सम्पूर्ण शिक्षा के चार मुख्य पहलू होते हैं-पर्सनल, प्रोफेशनल, वैल्यूबेस्ड व सोशल। माहेश्वरी कॉलेज में छात्राओं को इन सभी तरह की शिक्षा दी जाती है जिससे वे आगे चलकर समाज व देश की प्रगति में अपना योगदान दे सकें।

राष्ट्रीय युवा दिवस

माहेश्वरी कॉलेज में 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन किया गया। देश के विकाश में युवा पीढ़ी का बहुत योगदान होता है। देश के युवाओं को सही मार्गदर्शन मिल सके, इसलिए हर वर्ष राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जाता है। माहेश्वरी कॉलेज में भी छात्राओं के लिए युवा दिवस का आयोजन ऑनलाइन रखा गया। जिसमे सभी छात्राओं ने हर्षोउल्लास के साथ अपने विचार युवा दिवस पर व्यक्त किये। कॉलेज के मानद सचिव श्री कैलाश अजमेरा ने छात्राओं को विवेकानंद की एक पंक्ति कहकर कहा कि उठो जागो और तब तक मत रुको जब तक अपने लक्ष्य की प्राप्ति न हो। अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए हमेशा प्रयत्नरत रहना चाहिए जब तक की आपको अपना लक्ष्य प्राप्त नहीं हो जाये।

Admissions Open for Session 2020-21

Courses Offered:

Apply Online at - maheshwaricollege.ac.in

B.SC — Physics, Chemistry, Botany, Zoology, Geography, Economics, Maths

BBA | B.COM | BA

MHRM | M.COM ABST, EAFM, BADM | MA English, Sociology Geography, Economics

लोहड़ी उत्सव का आयोजन

विद्यालय में लोहड़ी का पर्व बहुत ही उत्साहपूर्वक मनाया गया। विद्यालय के प्राचार्य श्री अशोक वैद ने प्रज्वलित अग्नि में मक्की के दाने, मूंगफली एवं तिल की रेवड़ी अर्पण करके प्राणी मात्र के स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। विद्यालय की शिक्षिकाओं ने लोहड़ी के प्रसिद्ध गीतों से वातावरण आनंद से सराबोर कर दिया। प्रसाद वितरित किया गया। अंत में प्राचार्य ने सभी की खुशहाली के लिए शुभकामनाएँ दीं और एक संदेश यह भी दिया कि हमारे उत्सव से बेजुबान पक्षियों की जान न जाए यह ध्यान भी हमें देना है।

तक्षशिला सभागार में गणतंत्र दिवस का आयोजन

भारत के गणतंत्र का सारे जग में है मान।
दशकों से खिल रही भारत की अद्भुत पहचान।

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल जवाहर नगर के तक्षशिला सभागार में देश का 72 वाँ गणतंत्र दिवस बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के संगीत अध्यापक श्री सुंदर जी द्वारा वाद्य यंत्र पर ए मेरे वतन के लोगों जरा आँख में भर लो पानी बेहद भावुक करने वाले गीत की स्वरलहरी से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अशोक बागला का स्वागत सचिव श्री कमल सोमानी ने शॉल एवं साफा पहनाकर किया तथा भवनमंत्री श्री संजय बांगड़ ने विशिष्ट अतिथि श्री निवेदन राठी को भी शॉल और साफा पहनाकर तथा प्राचार्य द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। विद्यालय के छात्र सोहम तनेजा के नेतृत्व में छात्रों ने संदेशे आते हैं इस मार्मिक गीत को गाकर सभाकक्ष को भावमय बना दिया। हिंदी अध्यापिका श्रीमती पूनम अरोड़ा ने बहुत ही ओजपूर्ण भाषण में देश के संविधान के लागू होने से अब तक की यात्रा पर अपने विचार व्यक्त किए। इसके बाद विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं ने प्रसिद्ध देशभक्ति गीत जहाँ डाल-डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा, वह भारत देश है मेरा गाकर तक्षशिला सभागार को राष्ट्रीय भाव से ओतप्रोत कर दिया। विद्यालय के मानद सचिव श्री कमल सोमानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि देश का गणतंत्र अब अक्षुण्ण बना रहे, यही सही मायने में भी स्वतंत्रता होगी। श्री अरुण जी सोमानी ने विशिष्ट अतिथि श्री निवेदन राठी का परिचय दिया। विशिष्ट अतिथि जो कि विद्यालय के पूर्वछात्र भी रह चुके हैं, उन्होंने विद्यालय में शिक्षण पद्धति एवं अनुशासन को याद करते हुए देश के विकास में भी अनुशासन, संस्कार एवं संस्कृति के महत्व को बताया। उन्होंने उन गुरुजनों को याद किया जिन्होंने उन्हें बौद्धिक रूप से आकार दिया। भवनमंत्री श्री संजय बांगड़ ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अशोक बागला का परिचय दिया तथा गणतंत्र दिवस पर एक संदेश सभी को दिया कि हम सभी अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्त्तव्यों को भी जानें। 'ज्वेल 2018' के समन्वयक तथा चेंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा भारत रत्न से सम्मानित और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अशोक बागला ने कहा कि गणतंत्र को बचाना है तो देश के प्रत्येक नागरिक को अनुशासन में रहना होगा।

ECMS के गणमान्य पदाधिकारियों द्वारा दोनों ही महानुभावों को स्मृति चिह्न भेंट किए गए। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विद्यालय के ऊर्जावान प्राचार्य श्री अशोक वैद ने छात्रों को एवं सभागार में उपस्थित सभी को देश के संविधान का सम्मान करने के लिए सजग रहने हेतु प्रेरित किया एवं शुभकामनाएँ दीं। अंत में वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत के साथ ही कार्यक्रम का समापन हुआ।

एमपीएस जवाहर नगर के छात्र ने फ्रेंच भाषा में प्राप्त की उपलब्धि

विद्यालय के लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि विद्यालय के 12वीं कक्षा के होनहार छात्र निशांत शायरा ने

फ्रेंच भाषा के बी 1 डिप्लोमा उत्तीर्ण करके फ्रांस के दूतावास द्वारा आयोजित कार्यक्रम में यह उपलब्धि हासिल की। यह विद्यालय के लिए बहुत ही सुखद अनुभव है कि हमारे विद्यालय के छात्र वैश्विक प्रतियोगिता के इस युग में विशेष विदेशी भाषाओं पर भी अपना अधिकार जमा रहे हैं। चेयरमैन श्री प्रदीप बाहेती, सचिव श्री कमल सोमानी, भवन मंत्री श्री संजय बांगड़ एवं प्राचार्य श्री अशोक वैद ने प्रसन्नता का अनुभव करते हुए निशांत शायरा को बधाई देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

पूर्व छात्र दिव्यांश सिंह पवार ने वैश्विक स्तर पर निशानेबाजी में कायम की मिसाल

राजस्थान के दिव्यांश ने विश्व रिकॉर्ड के साथ जीता गोल्ड

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल ,जवाहर नगर के लिए स्वर्णिम अक्षरों में लिखी जाने वाली उपलब्धि है कि अपने विद्यालय के होनहार पूर्व छात्र दिव्यांश सिंह पंवार ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए दिल्ली के डॉक्टर कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित नेशनल राइफल और पिस्टल चयन ट्रायल तीन और चार के दूसरे दिन बुधवार को फाइनल्स का विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। विश्व के नंबर एक निशानेबाज राजस्थान के दिव्यांश ने मेंस 10 मीटर एयर राइफल नेशनल ट्रायल्स के फाइनल में 253.1 का स्कोर बनाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया। इससे पहले फाइनल्स का वर्ल्ड रिकॉर्ड 252.8 था। अपनी कैटेगरी में दुनिया के नंबर एक शूटर दिव्यांश ने अंतिम शॉट पर 10.9 का स्कोर कर रिकॉर्ड तोड़ा। विद्यालय को ऐसे प्रतिभाशाली छात्रों पर सदैव गर्व रहेगा। ECMS के अध्यक्ष श्री प्रदीप जी बाहेती, विद्यालय के मानद् सचिव श्री कमल सोमानी, भवन मंत्री श्रीमान संजय बांगड़ एवं विद्यालय के प्राचार्य श्री अशोक वैद् ने दिव्यांश सिंह पंवार की उपलब्धि पर अत्यधिक प्रसन्नता का अनुभव किया और उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रतिभा को मिली नई पहचान

है कौन सी बाधा, जो राहों को रोक सके
जब थाम ली है कमान, हमने काल की।

ऐसे ही भावों के साथ mgps में 11 जनवरी से 13 जनवरी तक तीन दिवसीय अंतरविद्यालयी प्रतियोगिता 'एक्सप्रेशन 2021' का आयोजन ऑन लाइन किया गया। इन प्रतियोगिताओं को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभावान बच्चों की प्रतिभा को उजागर करना था। इस वर्ष 'एक्सप्रेशन- 2021' की थीम 'राइजिंग स्प्रीट' रखी गई।

तीन दिवसीयअंतरविद्यालयी प्रतियोगिता 'एक्सप्रेशन 2021' के उद्घाटन समारोह में माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती, महासचिव शिक्षा श्री नटवरलाल अजमेरा, विद्यालय के मानद् सचिव श्री मुरारी लाल बिड़ला, विद्यालय की प्रधानाध्यापिका डॉ. सुनिता वशिष्ठ तथा सभी भाग लेने वाले विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने वर्चुअल भाग लिया। माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष श्री बाहेती ने अपने उद्बोधन में सभी को संबोधित करते हुए कहा कि आज के के विद्यालयों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, बस हमें उस प्रतिभा को पहचानना है। इस ऑनलाइन कार्यक्रम की उन्होंने सराहना की और कहा कि इस कठिन समय में भी ऐसे कार्यक्रम का आयोजन करना एक सराहनीय कदम है। इस कार्यक्रम के तहत प्रथम दिवस को 'साहित्य दिवस' के रूप में, द्वितीय को 'विज्ञान दिवस' व अंतिम दिवस को 'वाणिज्य दिवस' के रूप में मनाया गया।

समारोह के अंतिम दिवस पर विद्यालय के मानद सचिव श्री मुरारी लाल बिड़ला व प्रधानाचार्या डॉ. सुनिता वशिष्ठ ने तीनों दिवस के प्रतिभागियों में से विजेता प्रतिभागियों के नामों की उद्घोषणा की। विजेताओं को ई-सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। 'रनिंग ट्रॉफी' जयश्री पेड़ीवाल इंटरनेशनल स्कूल को प्रदान की गई। समारोह के अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ सुनिता वशिष्ठ ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यालयों के प्रतिभागियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि हार और जीत तो सिक्के के दो पहलू की तरह हैं। मुख्य बात है, भाग लेना और अपनी प्रतिभा पर भरोसा करना। उन्होंने भाग लेने वाले सभी विद्यालयों का आभार व्यक्त किया।

सूरज फिर मुसकाया,
ढक ले चाहे घनघोर घटाएँ,
अँधियारा चाहे गहरा हो,
हर किरण अपनी मंज़िल का,
बस ख़ुद सवेरा हो।
उम्मीद यही बहुत मज़बूत है,
क्योंकि सूरज फिर मुसकाया है।

26जनवरी गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर mgps के प्रांगण में एक नई उम्मीद के साथ मुख्य अतिथि डॉक्टर सुधीर शारदा के द्वारा झंडा रोहण किया गया। उनके साथ विद्यालय के मानद सचिव श्री मुरारी लाल बिडला, समाज उपाध्यक्ष श्री नथमल मालू, भवन मंत्री श्री कमलेश लड्ढा, विद्यालय की प्रधानाध्यापिका डॉ सुनिता वशिष्ठ, विद्यालय के शिक्षक वृंद व अन्य गणमान्य जन उपस्थित थे।

विद्यालय के चुनिंदा विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसमें उन्होंने अंधकार पूर्ण रात के बीत जाने के बाद मुस्कुराते सूरज की नवीन तस्वीर पेश की। फिर से एक नई शुरुआत की उम्मीद को जगाया। विद्यालय की अध्यापिकाओं ने देशभक्ति के भावों से भरे गीत की प्रस्तुति कर सभी के मन जोश और उत्साह को भर दिया। कार्यक्रम को विद्यार्थियों ने ऑनलाइन जॉइन करते हुए अपनी भागीदारी निभाई। इस अवसर पर मानद सचिव महोदय ने सभी को प्रेरित करते हुए आगे बढ़ने का आह्वान किया। प्रधानाध्यापिका डॉ सुनिता वशिष्ठ ने भारत की शक्ति को नमन करते हुए हमेशा आगे बढ़ने की राह चुनने की सम्भावनाएँ तलाशने को कहा। मुख्य अतिथि महोदय ने अपने उद्बोधन में भारतवासियों की विश्व को दी गई वैक्सीन की सोगात की प्रशंसा करते हुए सावधानी और सुरक्षा को बनाए रखने की बात कही।

अंतरराष्ट्रीय कविता गान प्रतियोगिता में एम.जी.पी.एस. ने लहराया परचम

'मिले सुर तुम्हारा-हमारा' की भावना से ओतप्रोत एक्ट यूनिवर्सल (Act Universal) द्वारा 26 व 27 जनवरी को अंतरराष्ट्रीय कविता गान प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई। गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित इस ऑनलाइन प्रतियोगिता में 8 देशों की 80 स्कूलों के 162 बच्चों ने भाग लिया। mgps की कक्षा 5 की छात्रा खुशी चौहान ने जूनियर कैटेगरी के अंतर्गत 'मेरा देश' विषय पर और कक्षा 8 की सिद्धि अग्रवाल ने सीनियर कैटेगरी में 'राष्ट्रीय एकीकरण' विषय बड़े ही जोश और उत्साह के साथ अपनी प्रस्तुति दी। इस कविता गान प्रतियोगिता में सिद्धि अग्रवाल ने सीनियर कैटेगरी में तृतीय स्थान प्राप्त कर वैश्विक स्तर पर विद्यालय का नाम रोशन किया।

विजेता प्रतिभागी को सर्टिफिकेट और एक्ट यूनिवर्सल द्वारा 2 महीने की निःशुल्क साहित्य से जुड़े 'ग्लेव क्लब' की सदस्यता (Public Speaking Membership) प्रदान करने की घोषणा की गई।

विद्यालय सचिव श्री मुरारी लाल बिरला एवं विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सुनिता वशिष्ठ ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त इस जीत के लिए सिद्धि को बहुत-बहुत बधाई दी।

पथ की बाधाओं को जो, अपने साधन बना लते हैं,
फिर हर राह से गुजरकर, वो अपनी मंजिल पा ही लेते है।

ऐसे भावों से भरकर ही mgps की छात्राओं ने CA फाउंडेशन 2020 के हाल ही में घोषित परिणामों में अपनी प्रतिभा को साबित कर दिया है। विद्यालय की 24 छात्राओं ने देश की इस प्रतिष्ठित परीक्षा में अपना स्थान सुनिश्चित कर गौरव के क्षणों को गढ़ा है। विद्यालय की छात्रा देवांशी केशोत ने ICMA फाउंडेशन 2020 की परीक्षा में (जयपुर चैप्टर) में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी) जयपुर

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, प्रताप नगर

मकर संक्रान्ति पर्व आयोजन

14 जनवरी 2021 को मकर सक्रांति पर्व पर बच्चों को शुभकामना हेतु संदेश व वीडियो भेजा गया। सभी कक्षाओं में अध्यापक-अध्यापिकाओं ने इस पर्व से जुड़ी पौराणिक कथाओं द्वारा इस दिन पर दान-पुण्य, पूजा आदि के विशेष महत्व को बताया। उन्होंने बच्चों को बताया कि यह दिन आंतरिक व बाह्य पवित्रता का संदेश भी देता है तथा इस दिन को मौसम के बदलाव का सूचक भी माना जाता है। इस दिन बच्चों को प्रकृति के अनुकूल (तिल, गुड़ आदि का सेवन) पौष्टिक चीजें खाने का भी महत्व बताया गया।

'पराक्रम दिवस' के आयोजन के साथ सम्पन्न हुआ द्वादश दिवसीय युवा महोत्सव

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, प्रतापनगर में स्वामी विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी, 2021 से चल रहे द्वादष दिवसीय 'युवा महोत्सव' का आयोजन 23 जनवरी, 2021 को देश की स्वतंत्रता के सच्चे सिपाही सुभाषचंद्र बोस की 125वीं जयंती के 'पराक्रम दिवस' कार्यक्रम की प्रभावी प्रस्तुतियों व 'हमारी मातृभूमि: हमारा स्वाभिमान' के दृढ़ संकल्प के साथ सम्पन्न हुआ। द्वादश दिवसीय इस कार्यक्रम की शुरुआत 12 जनवरी को कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों की फेसबुक लाइव प्रस्तुतियों के साथ हुई, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने विवेकानंद के जीवन पर आधारित कई मार्मिक प्रस्तुतियाँ देकर अपने अनुजों को विवेकानंद के आदर्शों पर चलने हेतु प्रेरित किया। कक्षा बारहवीं व ग्यारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों को 'राष्ट्र निर्माण की हमारी संकल्पना' व 'विश्वगुरु भारत बनाम समकालीन भारत' विषय देकर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। आगामी दिवसों में विद्यालय की प्रत्येक कक्षा के सभी विद्यार्थियों ने सुनिश्चित तिथि के अनुसार प्रदत्त विषय पर कविता, प्रेरक प्रसंग, कहानी, आलेख, ऑडियो, वीडियो व पीपीटी के माध्यम से अपने प्रभावी विचारों का उद्घाटन कर अपने आत्मविश्वास में वृद्धि की। इन्हीं दिवसों में विद्यालय के अध्यापकों द्वारा विद्यार्थियों को श्रीकृष्ण, अर्जुन, कर्ण, गुरु गोविंद सिंह, राजस्थान के महापुरुषों की कहानियों, विविध प्रसंगों व सामान्य लोक व्यवहार की बातों से अवगत कराकर विद्यार्थियों को स्तरानुरूप चिंतनाधारित कुछ प्रश्न दिए गए, जिन पर विद्यार्थियों ने लिखित रूप में प्रभावी विचार प्रस्तुत किए। 'युवा महोत्सव' का समापन 23 जनवरी, 2021 को फेसबुक लाइव आयोजित हुए 'पराक्रम दिवस' कार्यक्रम में कक्षा दसवीं के छात्रों द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस के व्यक्तित्व को आधार बनाकर दी प्रस्तुतियों के साथ हुआ। इसी दिवस में कक्षा नवीं व दसवीं के विद्यार्थियों को हिंदी व आंग्ल भाषा में 500-500 शब्दों के दो आलेख देकर उन्हें पढ़कर उन पर 100-100 शब्दों में सार लिखकर प्राप्त शिक्षा लिखने हेतु प्रेरित किया गया। अपने प्रेरणा उद्बोधन में विद्यालय मानद् सचिव व विद्यालय प्रधानाचार्या द्वारा विद्यार्थियों के इन प्रयासों की सराहना की गई व आगामी काल में इस प्रकार की गतिविधियों से जुड़े रहने हेतु प्रेरित किया गया।

विद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 72वाँ गणतंत्र दिवस

26 जनवरी 2021 को विद्यालय में देश का 72 वाँ गणतंत्र दिवस बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया गया। इस कार्यक्रम में जयपुर के प्रख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक माहेश्वरी ने मुख्य अतिथि का पदभार ग्रहण किया। माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से प्रारंभ हुए इस कार्यक्रम में देशभक्ति की धुनों पर ध्वजारोहण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। संस्थान के मानद सचिव श्री मुकेश राठी के द्वारा अतिथि स्वागत किया गया । इस अवसर पर डॉ. नीलम माहेश्वरी धर्मपत्नी डॉ. दीपक माहेश्वरी ने भी विद्यालय परिवार का आतिथ्य स्वीकार किया। कार्यक्रम में एमपीएस प्रताप नगर, प्रबंध समिति के सदस्यगण व आंमत्रित अतिथियों की भी गरिमामयी उपस्थिति रहीं । इस अवसर पर संगीत विभाग द्वारा देशभक्ति गीतों की सुमधुर प्रस्तुतियाँ दी गई । आभासी तकनीक फेसबुक से समस्त विद्यार्थियों को जोड़कर अनेक प्रकार की राष्ट्रीय चेतना व देशप्रेम से परिपूर्ण प्रस्तुतियों के साथ कार्यक्रम को उत्कर्ष प्रदान किया गया। इसी कड़ी में ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई, जिसमें कक्षाओं के स्तरानुसार बच्चों से भारतीय स्वाधीनता संग्राम एवं संविधान से संबंधित विषय-वस्तु पर आधारित ऑनलाईन प्रश्न पूछे गए। । इस अवसर पर सत्र 2020 - 21 के लिए विद्यालय की कक्षा 12 के पर्व जैन का हेड बॉय के रूप तथा आशी वीरमन का हेड गर्ल के रूप में चयन कर उनके नाम की भी घोषणा की गई । बच्चों में अनुशासन एवं नेतृत्व की भावना का विकास करते हुए प्रति वर्ष की भाँति इस परंपरा का निर्वहन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महोदय ने अपने उद्बोधन में स्वतंत्रता सेनानियों के त्यागमयी जीवन की ओर संकेत करते हुए विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे जीवन में जिस क्षेत्र में भी कार्य करें, सेवा के लक्ष्य को सर्वोपरि रखें । कार्यक्रम के अंत में संस्थान के भवन मंत्री महोदय श्री अशोक अजमेरा ने कार्यक्रम से जुड़े सभी लोगों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए माहेश्वरी विद्यालयों की संस्कार युक्त शिक्षा की प्रतिबद्धता को दोहराया । फेसबुक पर लाइव चल रहे इस कार्यक्रम को 3000 से अधिक विद्यार्थियों, अभिभावकों ने देखा।

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी) जयपुर

एम.पी.एस. इंटरनेशनल, भामा मार्ग, तिलक नगर

गतिविधियाँ

नववर्ष का अभिनंदन

नववर्ष के पावन अवसर पर विद्यालय सचिव श्री निर्मल दरगड़ व प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह ने विद्यालय परिवार, विद्यार्थियों तथा अभिभावकों को शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। इस अवसर पर विद्यालय पार्लियामेंट के विद्यार्थियों ने सभी शिक्षकों को नववर्ष की शुभकामनाएँ देते हुए उनकी सेवाओं के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

लोहड़ी पूजा

प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह, उप प्राचार्या श्रीमती मंजू शर्मा व शिक्षिका श्रीमती सोनिया बत्रा ने लोहड़ी की पूजा की। शिक्षकों ने सुमधुर गीत 'दे माई लोहड़ी जीवे तेरी जोड़ी' गाते हुए इस अवसर को धूमधाम से मनाया।

मकर सक्रांति

मकर संक्रांति के अवसर पर विद्यालय में पतंगबाजी का आयोजन रखा गया। सभी शिक्षकों ने इसमें पूर्ण उत्साह के साथ भाग लिया। उप प्राचार्या श्रीमती मंजू शर्मा ने भी शिक्षकों का उत्साहवर्धन करते हुए पतंगबाजी का आनंद लिया। प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह ने चाइनीज मांझे का प्रयोग ना करने तथा पक्षियों की सुरक्षा के संदेश के साथ विद्यालय परिवार को मकर संक्रांति की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

सुभाष चंद्र बोस जयंती

आजाद हिंद फौज के निर्माता व स्वतंत्रता सैनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए नारा लेखन, निबंध लेखन, पोस्टर मेकिंग, पी.पी.टी. निर्माण व कविता वाचन जैसी गतिविधियाँ रखी गईं। सुभाष चन्द्र बोस के जीवन परिचय व स्वतंत्रता संग्राम में दिए गए उनके योगदान को वीडियो के माध्यम से विद्यार्थियों के साथ साझा किया गया।

पैरेंट्स-टीचर मीटिंग

विद्यार्थियों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने तथा उनके शिक्षा के स्तर को उच्च करने के दृष्टिकोण से विद्यालय में कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों के लिए PTM का आयोजन 12 जनवरी से 16 जनवरी तक रखा गया। सामाजिक दूरी व कोविड-19

के नियमों का पूर्णतया पालन करते हुए शिक्षकों व अभिभावकों ने विद्यार्थियों की प्रगति को लेकर आपस में चर्चा की।

गणतंत्र दिवस का आगाज़ हर्षोल्लास के साथ

एम.पी.एस. इन्टरनेशनल में गणतंत्र दिवस के अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री द्वारकादास माहेश्वरी व अतिथि श्री चंद्रशेखर मालपानी ने ई.सी.एम.एस. उपाध्यक्ष श्री रमेश सोमानी, विद्यालय सचिव श्री निर्मल दरगड़ व भवन मंत्री श्री भवानी शंकर बाहेती के साथ इंडारोहण किया। बैंड की मोहक धुन के साथ राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई। इस अवसर पर संगीत विभाग द्वारा 'हर कदम अपना करेंगे', 'सबसे आगे होंगे हिन्दुस्तानी' व 'ऐ मेरे वतन के लोगों' जैसे देशभक्ति गीतों की सुमधुर प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर विद्यालय की प्रबंध समिति के सदस्य श्री अतुल लोहिया, श्री मोहित सोनी, श्रीमती शशि विजय लखोटिया व अभिभावक प्रतिनिधि श्री आर.के. टेलर उपस्थित रहे।

शहीद दिवस

शहीद दिवस के दिन महात्मा गांधी की याद में 2 मिनिट का मौन रखा गया। विद्यार्थियों को इस दिवस की महत्ता बताई गई साथ ही महात्मा गांधी के आदर्शों सत्य व अहिंसा के सिद्धांत को जीवन में उतारने का संदेश दिया गया।

विशेष गतिविधियाँ-

विद्यालय में विशेष दिनों पोंगल, प्रवासी भारतीय दिवस, गुरु गोविंद सिंह जयंती, स्वामी विवेकानंद जयंती व लाला लाजपत राय जयंती के अवसर पर विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ प्रेषित की गई।

उपलब्धियाँ

पोस्टर मेकिंग में प्राप्त किए पुरस्कार

MGPS में आयोजित एक्सप्रेशन अन्तर्विद्यालयी प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने भाग लिया इसमें पोस्टर मेकिंग में कक्षा X के छात्र वैभव नाटाणी ने द्वितीय स्थान तथा लाइव पेंटिंग में कक्षा XII की छात्रा रम्या भोला ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

वाद-विवाद प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान

ज्ञान विहार विद्यालय में आयोजित अन्तर्विद्यालयी वाद-विवाद प्रतियोगिता में कक्षा XI की छात्रा दिव्या काबरा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

फोटोग्राफी कान्टेस्ट में प्राप्त किया पुरस्कार

पर्ल एकेडमी द्वारा शटरस्कॉप फोटोग्राफी कान्टेस्ट का आयोजन रखा गया था जिसकी थीम 'इंडियन हेरिटेज' थी। इसमें सम्पूर्ण भारत से 700 विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिसमें विद्यालय से कक्षा XII के छात्र धीरज शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त करते हुए 5000 रुपये का नकद पुरस्कार प्राप्त किया।

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, कालवाड़ रोड़

मकर संक्रांति

14 जनवरी, 2021 को मकर संक्रांति का त्योहार मनाया गया। इस अवसर पर शिक्षकों ने मानव शृंखला बनाते हुए पक्षियों को बचाने का संदेश दिया। साथ ही निर्धन व जरूरतमंदों को कपड़े तथा खाद्य-सामग्री का वितरण किया गया। विद्यार्थियों ने अपनी भावनाओं को चित्रों के माध्यम से व्यक्त किया।

सुभाषचंद्र बोस जयंती

23 जनवरी, 2021 को स्वतंत्रता सेनानी तथा आज़ाद हिंद फौज के नायक नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती मनाई गई। इस उपलक्ष्य में कक्षा 6 से 8 के विद्यार्थियों हेतु वर्चुअल भाषण प्रतियोगिता रखी गई। विजेताओं को ई प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। विद्यालय मानद् सचिव श्री मनोज कुमार बिड़ला तथा प्राचार्य श्री ओ.पी. गुप्ता ने सभी विजेताओं को बधाई दी।

लोकतंत्र का उत्सव

72वां गणतंत्र दिवस संपूर्ण भारत में धूमधाम के साथ मनाया गया। विद्यालय में भी लोकतंत्र के उत्सव की धूम रही। विद्यार्थियों ने विडियो द्वारा नृत्य तथा गायन की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि डॉ. अजय काबरा ने ध्वजारोहण किया तथा राष्ट्र-गान के साथ वातावरण देशप्रेम में रंग गया। शिक्षकों द्वारा देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया गया। विद्यालय प्राचार्य श्री ओ.पी. गुप्ता ने अपने संबोधन द्वारा सभी में देशप्रेम की भावना का संचार किया। इस अवसर पर विद्यालय के मानद् सचिव श्री मनोज कुमार बिड़ला तथा मैनेजिंग कमेटी के सदस्य उपस्थित रहे। राष्ट्र-गीत के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

पंचायत युवा क्रीड़ा एवं खेल अभियान

भारत सरकार द्वारा चलाए गए अभियान 'फिट इंडिया' के अंतर्गत हरिद्वार में चौथे राष्ट्रीय पंचायत युवा क्रीड़ा एवं खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यालय की कक्षा- 8 के विद्यार्थी भव्यांश गौतम ने 1500 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में भाग लिया और स्वर्ण-पदक जीता। विद्यालय मानद् सचिव श्री मनोज कुमार बिड़ला तथा प्राचार्य श्री ओ.पी. गुप्ता ने विद्यार्थी की इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

निरोगी राजस्थान

पर्यावरण बचाओ कार्यक्रम के अंतर्गत राजस्थान रोड राइडर्स की ओर से फिटनेस फर्स्ट -निरोगी राजस्थान मुहिम चलाई गई और राजस्थान भ्रमण के लिए साइकिल रैली निकाली गई। विद्यालय की कक्षा- 9 के विद्यार्थी तनुज शेखावत ने इस रैली में भाग लिया और नौ दिन में राजस्थान के छह शहरों का भ्रमण करते हुए 1400 किलोमीटर की यात्रा पूरी की। राजस्थान रोड राइडर्स की ओर से तनुज शेखावत को पुरस्कृत किया गया।

नृत्य प्रतियोगिता

30 जनवरी, 2021 को संस्कृति विद्यार्थियों के लिए वर्चुअल डांस प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में लेवल -1, 2 और 3 के विद्यार्थियों ने भारत के विभिन्न राज्य तथा उनकी कला एवं संस्कृति को प्रस्तुत किया। प्रत्येक कक्षा से तीन-तीन विजेताओं का चयन कर ई-प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, बगरू

मकर संक्रांति एवं लोहड़ी महोत्सव

सूर्य देव के दक्षिणायन से उत्तरायण होने पर व किसानों के द्वारा फसलों से लहलहाते खेतों के आनंदपर्व मकर संक्रांति एवं लोहडी 13 जनवरी को बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस शुभावसर पर विद्यालय मानद् सचिव श्री श्याम सुंदर तोतला, भवन सचिव श्री सुरेंद्र काबरा, विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती दलजीत कौर आदि पदाधिकारीगण उपस्थित थे। विद्यालय प्रांगण में आग जलाकर वृत्ताकार आकृत्ति में स्टॉफ द्वारा मनमोहक नृत्य व गायन कर किसानी अल्हड़पन की मौज की मस्ती से जीवन को सराबोर किया गया।

राष्ट्रीय स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल अजमेर रोड के छात्र-छात्राओं ने ऑनलाइन माध्यम से जयश्री पेरिवाल ग्लोबल स्कूल में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा करते हुए हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता के प्रतिभागी विद्यार्थी भव्या बडेरा, आरव शर्मा, श्रेया पंवार, अपेक्षा पोडियाल, आयुष शर्मा, कोपल सिंह व लौकिक अग्रवाल आदि ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया।

72वाँ गणतंत्र दिवस समारोह

गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर 26 जनवरी 2021 को माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, अजमेर रोड, बगरू में कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस पुनीत अवसर पर मुख्य अतिथि सी.ए. ब्रजेश कुमार माहेश्वरी, प्रबुद्ध समाजसेवी, एम.पी.एस. अजमेर रोड के मानद् सचिव श्री श्याम सुंदर तोतला, भवन सचिव श्री सुरेंद्र काबरा, विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती दलजीत कौर आदि ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। सभी गणमान्यजनों ने ध्वजारोहण कर देश के प्रति सम्मान प्रकट किया। तत्पश्चात् विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं के द्वारा देशभक्ति की भावनाओं से ओतप्रोत, रोम-रोम को पुलकित करने वाले अत्यन्त मधुर गायन की प्रस्तुति दी गई। इसके उपरान्त अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। विद्यालय मानद् सचिव श्री श्याम सुंदर तोतला ने समारोह के मुख्य अतिथि सीए. ब्रज कुमार लौहिया एवं आगंतुक अतिथियों का स्वागत-अभिनंदन करते हुए अनंत बलिदानों के इस महापर्व पर सभी को शुभकामना देते हुए युवा पीढ़ी को राष्ट्र के प्रति उसके कर्त्तव्यों व दायित्वों को कुशलता से निभाने के प्रेरणा प्रदान की। इसी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शृंखला में शिक्षिकाओं द्वारा अत्यन्त मनमोहक, देशप्रेम से ओतप्रोत, भारत की एकता एवं श्रेष्ठता की मिशाल पेश करती क्रांतिकारी वीरांगनाओं के साहस और क्रांति में उनके सक्रिय योगदान को दर्शाता रोमांचक नृत्य प्रस्तुत किया गया तथा शिक्षकों के द्वारा भारतीय फौजियों का मस्तानापन व अपने राष्ट्रध्वज तिरंगे की आन-बान-शान के लिए स्वंस्व न्यौछावर करने वाले उनके प्रण को नृत्य द्वारा प्रस्तुत कर अमर बलिदानियों को नमन किया गया। कार्यक्रम के अन्त में एम.पी.एस. अजमेर रोड के भवन सचिव श्री सुरेंद्र काबरा ने सभी आगन्तुक अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उन्हें स्मृति-चिह्न भेंट किए। इस पुनीत बेला में एम.पी.एस प्रांगण 'वन्दे मातरम्' के मधुर स्वर से गुंजायमान हो गया।

ऑनलाइन नृत्य प्रतियोगिता

30 जनवरी 2021 को एम.पी.एस संस्कृति अजमेर रोड में ऑनलाइन माध्यम से नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें भारतीय सभ्यता एवं देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत गानों पर बाल-गोपालों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। निर्णायक दल के द्वारा विद्यार्थियों के उत्कृष्ट नृत्यों का आंकलन किया गया।

इंस्पायर अवार्ड मानक योजना में हुआ mhs के विद्यार्थियों का चयन

देश में बाल वैज्ञानिकों के चयन के लिए संचालित इंस्पायर अवार्ड मानक योजना में विद्यालय के तीन विद्यार्थियों का चयन हुआ। कक्षा 10 में अध्ययनरत छात्र आदित्य गर्ग, शगुन सांखला और ऋषभ खंडेलवाल का अवार्ड के लिए चयन हुआ। इनोवेटिव आइडिया नवाचार में चयनित समस्त विद्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा 10,000 की राशि प्रोत्साहन स्वरूप दी जाएगी। जिला स्तर पर चयनित विद्यार्थियों को राज्य स्तर पर प्रदर्शनी द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होने का अवसर मिलेगा। राष्ट्रीय स्तर पर चयनित विद्यार्थियों को राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत भी किया जाएगा।

पतंग महोत्सव व लोहड़ी पर्व का आयोजन

दिनांक 13 जनवरी को विद्यालय के मुक्त परिसर में पतंग महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के मानद् सचिव श्री अशोक कुमार फलोड़, भवन मंत्री श्री अजय नोवाल, विद्यालय प्रबंध समिति के गणमान्य सदस्यगण, विद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य श्री अजय कुमार गुप्ता तथा शिक्षकगण ने सरस्वती प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया। पतंग महोत्सव का आयोजन विद्यालय के खेल मैदान पर रिबन काटकर किया गया।

इस अवसर पर लोहड़ी पर्व भी धूमधाम से मनाया गया, जिसमें अग्नि के चारों ओर परिक्रमा करके उसमें रेवड़ी, खील, मूंगफली आदि समर्पित की। सभी ने एक-दूसरे को लोहड़ी की बधाई दी तथा सुख-समृद्धि की कामना की।

पतंगोत्सव में पतंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें विद्यालय के सभी कर्मचारियों ने भाग लिया तथा पतंगों को आसमान में ऊँचाई तक पहुँचाया। इन पतंगों पर लिखे कोरोना वायरस से जागरूकता के स्लोगन तथा आपदा को अवसर में बदलने के प्रेरक संदेशों की क्षेत्रवासियों ने प्रशंसा की। पतंग प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को विद्यालय के मानद् सचिव, भवन मंत्री एवं विद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य द्वारा पुरस्कृत किया गया। सभी ने संगीत की मधुर धुनों पर थिरकते हुए पतंगोत्सव का आनंद लिया।

कार्यक्रम में कोविड-19 की गाइड लाइन के तहत सोशल डिस्टेंसिंग का पूरी तरह पालन किया गया। अंत में विद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य श्री अजय कुमार गुप्ता ने उपस्थित सभी लोगों को लोहड़ी एवं मकर संक्रान्ति की बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए अतिथिगण का आभार प्रकट कर धन्यवाद ज्ञापित किया।

चतुर्थ जाँच व प्रैक्टिस टेस्ट-2 सम्पन्न

कोरोना प्रोटोकॉल और स्वास्थ्य विभाग की गाइड लाइन को ध्यान में रखते हुए, विद्यालय में गूगल फॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन प्रैक्टिस टेस्ट-2 और यूनिट टेस्ट-4 सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए।

विद्यार्थियों के लिए माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम को नियमित ऑनलाइन कक्षाओं में पूरा किया जा रहा है तथा विद्यार्थी भी अपने पाठ्यक्रम के अनुसार विषय अध्यापकों से अपनी सभी शंकाओं का समाधान लेते हैं। कक्षा 2 से कक्षा 8 के लिए प्रैक्टिस टेस्ट-2 तथा कक्षा 9 से कक्षा 12 तक यूनिट टेस्ट-4 दिनांक 18 जनवरी से 27 जनवरी तक आयोजित हुए। प्रैक्टिस टेस्ट और यूनिट टेस्ट से पूर्व विद्यार्थियों को गूगल फॉर्म पर ऑनलाइन मॉक टेस्ट से अभ्यास करवाया गया।

कोविड गाइडलाइन में समारोहपूर्वक मनाया 72 वाँ गणतंत्र दिवस

26 जनवरी, 2021 को 'दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज' के तत्वावधान में एम.एच.एस. के प्रांगण में गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री रोहित साबू, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एन.बी.सी. ने ECMS के अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती, महासचिव शिक्षा श्री नटवर लाल अजमेरा के साथ ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम मुख्य अतिथि श्री रोहित साबू (प्रेसिडेन्ट एण्ड सी.ई.ओ., नेशनल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड), श्री प्रदीप बाहेती तथा श्री नटवर लाल अजमेरा का तिलक वंदन व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात समिति के समस्त पदाधिकारीगण तथा उपस्थित महानुभावों द्वारा माँ शारदे के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। एम.एच.एस. की मेजबानी में आयोजित समारोह में ध्वजारोहण के उपरान्त राष्ट्र के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए ECMS द्वारा संचालित एम.पी.एस जवाहर नगर, MGPS विद्याद्यर नगर और mhs तिलक नगर के एन.सी.सी. कैडेट्स ने परेड प्रस्तुत की तथा एम.पी.एस इंटरनेशनल के विद्यार्थियों ने बैंड वादन की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति के रूप में mhs के बाल कलाकारों ने राष्ट्र के प्रति त्याग, सेवाभाव और समर्पण की दर्शाती सैनिक के जीवन पर आधारित भावपूर्ण प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया।

समारोह में 'जिद के आगे जीत है' झाँकी में भारत में विकसित स्वदेशी कोरोना वैक्सीन की जानकारी देते हुए विश्व के सबसे बड़े टीकाकरण महाअभियान को जीवन्त दिखाया गया।

समारोह में श्री बाहेती जी ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि भारत का भविष्य विद्यार्थियों और नवयुवकों के हाथों में है। आप सभी को अपने बौद्धिक कौशल से देश को ज्ञान, विज्ञान, तकनीकी के क्षेत्र में अग्रणी बनाना है। इस कार्य में माहेश्वरी शिक्षा समिति हर पथ पर आपके साथ कदम से कदम और कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। इसके बाद श्री नटवर लाल अजमेरा ने माहेश्वरी शिक्षण संस्थाओं की शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला तथा संस्थाओं की उत्तरोत्तर प्रगति में शिक्षकगण के योगदान की सराहना करते हुए सभी को बधाई दी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रोहित साबू ने सभी को देश के जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने-अपने कर्त्तव्य को निभाते हुए यथाशक्ति देश सेवा करने और देश के चहुँमखी विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। अंत में ECMS के कोषाध्यक्ष सी.ए. श्री नटवर सारड़ा ने सभी आगन्तुक महानुभावों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में कोविड-19 की गाइडलाइन का पूरी तरह पालन किया गया।

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी) जयपुर

माहेश्वरी गर्ल्स सी. सैकण्डरी स्कूल, चौड़ा रास्ता

लोहड़ी उत्सव

13 जनवरी, 2021 को विद्यालय में लोहड़ी पर्व ऑनलाइन मनाया गया। विद्यालय के मानद् सचिव एडवोकेट द्वारकादास मालू ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह त्योहार खेतों में फसल पकने पर लोक संस्कृति में उत्पन्न हर्ष व उल्लास को दर्शाता है। विद्यालय की कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती दीप्ति श्रीवास्तव ने सभी को लोहड़ी पर्व की शुभकामनाएँ दी। छात्राओं ने भंगड़ा व गिद्धा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी। उप-प्राचार्य श्री प्रमोद जाजू ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

मकर सक्रांति पर्व का आयोजन

भारतीय संस्कृति में त्योहारों के स्वरूप को उजागर करते हुए विद्यालय में 14 जनवरी 2021 को मकर सक्रांति पर्व का ऑनलाइन आयोजन किया गया। सूर्य वंदना से कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। विद्यालय के मानद् सचिव एडवोकेट द्वारका दास मालू ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि, आप सभी को सूर्य की तरह ऊर्जावान बनना है। साथ ही सकारात्मक सोच, परिश्रम व संस्कारो सें जुड़े रहकर पतंग की भाँति बुलन्दियों के आकाश को छूना है।

स्कूल प्राचार्या ने इस पावन पर्व की शुभकामना देते हुए बताया कि भारतीय संस्कृति में इन त्योहारों के आयोजन का विशेष महत्त्व है। ये हमारी सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देते हैं। छात्राओं ने नृत्य, गीत की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी और पतंगबाजी का कौशल भी दिखाया। उपप्राचार्य श्री प्रमोद जाजू ने त्योहारों के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

'आत्म निर्भर भारत' थीम पर हुआ गणतंत्र दिवस का आयोजन

माहेश्वरी बालिका विद्यालय में 26 जनवरी 2021 को 72वें गणतंत्र दिवस को उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री राजेश पनपालिया,

प्रमुख उद्योगपति एवं समाजसेवी, विद्यालय के मानद् सचिव एडवोकेट द्वारकादास मालू, भवन मंत्री श्री अनिल कचौलिया, प्रबन्ध समिति व भवन समिति के प्रमुख सदस्यों द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित व माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। मुख्य अतिथि का साफा पहनाकर व माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। सचिव व भवन मंत्री को साफा पहनाकर व अभिनंदन कार्ड भेंट कर स्वागत किया गया। विद्यालय के मानद् सचिव एडवोकेट द्वारकादास मालू ने अपने उद्बोधन में अतिथियों का स्वागत अभिनन्दन करते हुए कहा कि हमारा राष्ट्रीय पर्व हमें देशप्रेम, कर्त्तव्य परायणता, सेवा व समर्पण का महत्त्व बताता है, जिसे हमें अंगीकार करना चाहिए। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि, इस राष्ट्रीय पर्व पर हम उन शहीदों को नमन कर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं, जिनके प्राणों की बलिवेदी पर भारत राष्ट्र की स्थापना हुई है। 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामया' का भाव लिए हमारे कोरोना वारियर्स जिन्होंने मानव जाति की रक्षार्थ निस्वार्थ भाव से सेवा का संकल्प लिया व उसे निभाया। विद्यालय की कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती दीप्ति श्रीवास्तव द्वारा सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ दी गई। शिक्षिकाओं द्वारा सुमधुर देश भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी गई। मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट किया गया व उप-प्राचार्य ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

विद्यालय में लौटी रौनक

18 जनवरी, 2021 से सरकारी गाइडलाइन की पालना करते हुए कक्षा IX से XII तक की छात्राओं के लिए विद्यालय में शिक्षण कार्य को सुचारू रूप से प्रारम्भ कर दिया गया है। इस दौरान सेनेटाइजिंग, सोशल डिस्टेसिंग, 50 प्रतिशत उपस्थिति, मास्क पहनना अनिवार्य है आदि सभी नियमों की पालना नियमित रूप से की जा रही है। छात्राओं को ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों तरह से अध्यापन कार्य कराया जा रहा है।

'अभिनन्दन' प्रबन्ध समिति के चुनाव 14 मार्च को

माहेश्वरी समाज द्वारा संचालित मानसरोवर स्थित 'अभिनन्दन' जनोपयोगी भवन की प्रबन्ध समिति के चुनाव **रविवार, 14 मार्च को MHS विद्यालय, तिलक नगर** में प्रातः 10 बजे से मध्याह्न 2 बजे तक होंगे।

चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न कराने के लिए श्री देवकीनन्दन जाजू को मुख्य निर्वाचन अधिकारी, श्री प्रभु मांधना को उप-निर्वाचन अधिकारी एवं श्री ईश्वर मालपानी, सीए. श्री संदीप झंवर, श्री विनोद बियाणी को चुनाव सलाहकार समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है।

गोपाल लाल मालपानी
महामंत्री

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

डॉ. रवि मोदानी को टाई राजस्थान के वर्ष 2021-22 के लिए अध्यक्ष निर्वाचित होने पर।

अतुल कुमार साबू सुपुत्र श्री घनश्याम साबू द्वारा सीए परीक्षा उत्तीर्ण करने पर।

नवदम्पत्तियों के सुखमय जीवन हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ

दिनांक	वर	वर के पिता/माता	वधू	वधू के पिता/माता
18.01.2021	रोहित	श्री भीकम चन्द बजाज	दिव्या	श्री मूलचन्द जी
24.01.2021	तरुणदिप	श्रीमती श्रवणकर	मनीषा	श्री महावीर जाजू

श्रीमती कृष्णा जी खटोड

श्रद्धांजलि

श्री रूपनारायण जी-श्रीमती कमला देवी जी साबू की सुपुत्री श्रीमती कृष्णा जी खटोड (धर्मपत्नी श्री ओमप्रकाश जी खटोड़) उत्साही, मिलनसार, व्यवहारकुशल, आत्मविश्वास के कारण नारी शक्ति की प्रतीक थीं। 62 वर्ष की उम्र में उनके असामयिक निधन से माहेश्वरी समाज, महिला संगठन व परिवार को अपूरणीय क्षति हुई है। उनके आत्मविश्वास के बल पर उनके चाहने वालों की एक लम्बी कतार है। उनके असमय वैकुण्ठवास से हम सभी स्तब्ध हैं। आराध्य देव से विनती करते हैं कि उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें और उनके परिवार को यह दुःख सहने की शक्ति देवें।

श्रीमती कृष्णा जी खटोड लगभग 30-32 वर्षों से सामाजिक क्षेत्र में सेवा कार्य करते हुए विभिन्न पदों पर सुशोभित रहीं। आप श्री माहेश्वरी महिला परिषद्, जयपुर की सत्र 2005-2008 की अध्यक्ष रहीं। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन में सक्रिय रहते हुए कार्यकारिणी के रूप में और वर्तमान द्वादश सत्र में गठबंधन समिति में पूर्वोत्तर राजस्थान, जयपुर से प्रदेश संयोजिका थीं। आपकी वैश्य महिला संगठन में भी सक्रिय भागीदारी थी। उन्होंने 'बारह महीनों के व्रत एवं त्यौहार' नाम से दो भाग में एक पुस्तक का संपादन भी किया। जिसमें जन्म से विवाह तक के रीति रिवाजों एवं गीतों का संकलन है। बहुपयोगी यह पुस्तक जयपुर और जयपुर से बाहर कई परिवारों में संग्रहित है।

Deepak Bhandari
+91-9829051091
+91-9460951091

WE CREATE MEMORIES
Satkaar
Event & Decorators

WE CREATE MEMORIES
Satkaar
Caterers

Rahul Jajoo
+91-9828112085

Your Trust & Safety is Our Responsibility

Service Available

Wedding Planner & Event Management (Sangeet, Birthday Parties, Get Togethers)
Outdoor Food Catering, Online Sweets & Food Service's

1000/- के ऑर्डर पर
डिलीवरी फ्री

Place Your Order
(Before One Day):

Payment :
Paytm
9024643576 or Cash on Delivery

Off. Add. :- 1156, Nirwan Marg, Jhotwara Road, Jaipur • Ph.: 0141-2282229
Workshop Add. :- 21, Dayal Nagar, Gopalpura Bypass, Jaipur
e-mail : rahul@satkaarevents.com • Web. : www.satkaarevents.com

shades
SKIN & HAIR CARE
AMBABARI

NOW IN AMBABARI
25% DISCOUNT FOR MAHESHWARI'S
Manish : 9928887072
Add.: C-55, Shubh Laxmi, Above AU Bank, Near Maharishi Arvind College, Ambabari, Jaipur-302039

आभार

श्री माहेश्वरी डायलिसिस, डायग्नोस्टिक एण्ड रिसर्च सेंटर,

के निर्माण हेतु पूर्व सूची के प्रकाशन के बाद प्राप्त सहयोग राशि :

श्री कमलकिशोर जी फलोड़	51,00,000.00
श्री श्रीगोपाल जी, कमल जी काबरा	5,51,000.00
श्री उमेश जी सोनी	5,11,000.00
समाज संरक्षक श्री रामकिशन जी जाजू	1,31,000.00
श्री नरेन्द्र जी, आशीष जी पेड़ीवाल (मालवीय नगर)	1,11,501.00
श्रीमती विमला देवी धर्मपत्नी स्व. श्री रमेश जी मालपानी	1,11,000.00

एक लाख रुपये या उससे अधिक सहयोग देने वाले सभी दानदाताओं के नाम शिलालेख पर अंकित किए जाएंगे। इस पुनीत कार्य में अधिक से अधिक सहयोग राशि देकर आप भी भागीदार बन सकते हैं।

आपकी सहयोग राशि आयकर अधिनियम की धारा 80 जी में छूट के लिए मान्य होगी।

श्री माहेश्वरी समाज जयपुर उन सभी दानदाताओं का हार्दिक आभार व अभिनंदन करता है, जिन्होंने इस प्रकल्प हेतु अपना आर्थिक सहयोग प्रदान किया है। **कृपया सहयोग जारी रखें।**

समाजसेवी श्री श्रीगोपाल जी, कमल जी काबरा से माहेश्वरी समाज द्वारा निर्माणाधीन डायग्नोस्टिक सेन्टर के निर्माण हेतु 5 लाख 51 हजार रुपये का चेक प्राप्त करते समाज अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती व समाज महामंत्री श्री गोपाल लाल मालपानी

स्व. श्री आर. एस. फलोड़ (समाज संरक्षक), श्री कमल किशोर फलोड़ एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती शारदा फलोड़ द्वारा डायग्नोस्टिक सेन्टर में डायलिसिस मशीनों (बेड्स) के लिए 51 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान करने पर आभार।

श्री उमेश जी सोनी द्वारा श्री माहेश्वरी डायलिसिस, डायग्नोस्टिक एण्ड रिसर्च सेंटर, निर्माण नगर के निर्माण हेतु 5 लाख 11 हजार रुपये का आर्थिक सहयोग प्रदान करने पर आभार।

कृष्णधाम

1. दिनांक 14-01-2021 को श्री शंकर लाल सोमानी ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य पर आश्रम में डिनर हेतु 5100/- (पांच हजार एक सौ) का सहयोग दिया। प्रेरक - श्री सुनील एवं संजय सोमानी।
2. दिनांक 12-01-2021 को श्री दिनेश जी सुपुत्र स्व. श्री आनंदी लाल परवाल निवासी गांधी पथ, क्वीन्स रोड ने अपने 53वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में आश्रम को 53 kg खाद्य सामग्री भेंट की।
3. दिनांक 20-01-2021 को श्रीमती शारदा देवी धर्मपत्नी श्री प्रकाश साबू, निवासी श्याम नगर ने आश्रम के प्रत्येक निवासी को 250 ग्राम अखरोठगिरी भेंट की एवं आश्रम में सालभर के लिए नमक की व्यवस्था करवाई ।
4. दिनांक 30-01-2021 को श्रीमती इंद्रा धर्मपत्नी श्री अशोक अजमेरा ने अपनी विवाह की वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में आश्रम में दो कूलर हेतु 10000/- (दस हजार रुपए) की राशि भेंट की।
5. दिनांक 28-01-2021 को श्रीमती विमला देवी धर्मपत्नी स्व. श्री हरी कृष्ण कालानी (सुपुत्री स्व. श्री जगन्नाथ जाजू) ने आश्रम को 5100 (पांच हजार एक सौ रुपए) की सहायता राशि भेंट की। प्रेरक - श्री डी. एन. जाजू।
6. दिनांक 03-02-2021 को श्री भगवान सहाय भुराड़िया ने अपने 80वें जन्मदिन पर आश्रम में नाश्ते हेतु 3100 (तीन हजार एक सौ रुपए) की राशि भेंट की।
7. दिनांक 31-01-2021 को श्रीमती कृष्णा धर्मपत्नी श्री नारायण परतानी ने अपने विवाह की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आश्रम को 5100/- (पांच हजार एक सौ रुपए) की सहायता राशि भेंट की।
8. दिनांक 28-01-2021 को शुभ सुपुत्र श्री शिव रतन तोतला सुपौत्र श्री सत्यनारायण तोतला ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में आश्रम में लंच हेतु 10000/- (दस हजार रुपए) की सहयोग राशि भेंट की। प्रेरक- श्री संदीप साबू सुपुत्र श्री कैलाश साबू।
9. दिनांक 26-01-2021 को श्री माहेश्वरी डायग्नोस्टिक सेंटर एवं कृष्णधाम के तत्वावधान में गणतंत दिवस मनाया गया। ध्वजारोहण, आश्रम के दानदाता श्री रमेश मूंदड़ा (दासू) द्वारा किया गया। कार्यक्रम में श्री दाना शिवम् अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. सुनील गर्सा एवं सीईओ श्री सतपाल यादव एवं डायग्नोस्टिक सेंटर के संयोजक रवि पेड़ीवाल एवं सोनोलॉजिस्ट डॉ. विजयेता सुल्तानिया उपस्थित रहे। इस अवसर पर HDFC बैंक के पूर्व प्रबंधक श्री संजय अग्रवाल ने आश्रम को 5000/- की सहायता राशि भेंट की।
10. श्री शिव चरण, श्रीमती निर्मला एवं श्री प्रशांत माहेश्वरी (तीनों के) जन्मदिन के उपलक्ष्य में 5100/- (इक्यावन सौ रुपए) श्री शिवचरण (कचोलिया) माहेश्वरी द्वारा भेंट किये ।
11. श्री दीपक माहेश्वरी सुपुत्र स्व. श्री केदारनाथ माहेश्वरी (सेवानिवृत्त न्यायाधीश, राजस्थान हाईकोर्ट) ने अपने विवाह की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आश्रम को 10000/- (दस हजार रुपए) भेंट किये। प्रेरक-श्री संजय माहेश्वरी (निवर्तमान महामंत्री श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)।
12. श्री पुरुषोत्तम लाहोटी के दामाद श्री पंकज जाजू ने आश्रम में नास्ते के सहयोग में 2500/- भेंट किये। प्रेरक- श्री हुलास जी लोहिया।

सभी सहयोगियों और दानदाताओं का आभार एवं अभिनन्दन।

मालचंद बाहेती, वरिष्ठजन आवास एवं कल्याण मंत्री
मो. नं. 9829461340 , 8078635596

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत पश्चिमांचल अधिवेशन का आयोजन

युवा उड़ान 2021

अखिलभारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत पश्चिमांचल अधिवेशन 17 से 27 फरवरी तक जूम सभा पर किया जाएगा। अधिवेशन के अंतर्गत विभिन्न प्रशिक्षकों द्वारा मारवाड़ी भाषा विकास, कॅरियर काउंसलिंग, साइकोलॉजिकल काउंसलिंग, जन्म से लेकर मरण तक होने वाले संस्कार, वैदिक मैथ, एरोमा-संगीत थेरेपी, शास्त्रीय संगीत का महत्व आदि का ज्ञान कार्यशालाओं के माध्यम से दिया जाएगा, साथ ही महिलाओं के लिए ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताएं 'सीखो गुर बनाओ व्यक्तित्व सुंदर और व्यावसायिक हुनर' भी आयोजित की जा रही हैं।

वर्चुअली कार्यक्रमों की रूपरेखा

कार्यक्रम तिथि एवं विषय	प्रशिक्षक	प्रशिक्षण उम्र (बच्चे व महिलाएं)
17 फरवरी		
उम्र का बदलाव (स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा)	डॉ. वंदना चौहान	12 वर्ष से अधिक
18 फरवरी		
साइकोलोजिकल कॉउंसलिंग	श्रुति मोदी	13 वर्ष से अधिक
19 फरवरी		
अपने डॉ. स्वयं बनो (प्राथमिक चिकित्सा) (घरेलू नुस्खे-आपकी रसोई आपकी वैद्यशाला) (जीवन के लिए जंक फूड अभिशाप व ऑर्गेनिक फूड वरदान)	डॉ. भरत शर्मा, डॉ. धर्मेन्द्र कंवरिया	12 वर्ष से अधिक
20-21 फरवरी		
आपणी भाषा-मारवाड़ी बोले मिश्री घोले	राजेश चाण्डक	12 वर्ष से अधिक
22 फरवरी		
करियर कॉउंसलिंग	दीपक सक्सेना	12 वर्ष से अधिक
23 फरवरी		
हमारी संस्कृति अनमोल धरोहर-जन्म से मरण तक के रीति रिवाज और सोलह श्रृंगार का वैज्ञानिक महत्व	डॉ. अनुराधा जाजू	12 वर्ष से अधिक
24-25 फरवरी		
वैदिक मैथ्स का जीवन से संबंध	श्रुति माहेश्वरी	8 से 16 वर्ष तक
24- 25फरवरी		
अरोमा-संगीत थैरेपी व शास्त्रीय संगीत का जीवन में महत्व	राजेश जी शर्मा (एस्ट्रो)	15 वर्ष से अधिक

इस दौरान बच्चों और महिलाओं के लिए प्रतियोगिताएं:-

1. व्यावसायिक हुनर- PPT द्वारा
2. सीखो गुर, बनाओ व्यक्तित्व सुंदर- वीडियो द्वारा

सभी कार्यशालाओं में बच्चों के साथ साथ महिलाओं की सहभागिता प्रत्येक कार्यक्रम में रहेगी। अन्य जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

निवेदक-

ममता मोदानी	सविता पटवारी	विजयश्री तापडिया
पश्चिमांचल उपाध्यक्ष	पश्चिमांचल संयुक्त मंत्री	प्रदेश अध्यक्ष
9829245411	9214053250	9414076284

पूनम दरगड़	अनुराधा कचोलिया
प्रदेश मंत्री	प्रचार एवं संगठन मंत्री
9680227414	9468964246

सूर्य सप्तमी समारोह : मुख्य अतिथि

श्री राधेश्याम साबू

(प्रमुख उद्योगपति एवं समाजसेवी)

श्री राधेश्याम जी साबू का जन्म 09 नवम्बर, 1953 में नावा सिटी के प्रतिष्ठित समाजसेवी साबू परिवार में हुआ। आपने उच्च शिक्षा प्राप्त करते हुए इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की। अपनी प्रतिभा, लगन व व्यवहार कुशलता से आपने एक्सपोर्ट हाऊस सुख्या एक्सपोर्ट, बगरू के विस्तृत कारोबार का जिम्मा संभालते हुए अपनी काबिलियत से उसे बुलंदियों पर पहुँचाया।

आपका मानना है कि पर-सेवा मनुष्य जीवन की सुगंध है एवं बिना सेवा के जीवन नकली फूल की तरह है जिसमें पुष्प का सौंदर्य तो हैं किन्तु उसमें सुगंध की कोई जगह नहीं है। सेवा शून्य जीवन की कोई सार्थकता नहीं है, सार्थक सफल जीवन वही है जो मन से करुणा से ओतप्रोत हो और तन से सेवाशील हो।

मानव जीवन के लिए आप शिक्षा को अतिमहत्त्वपूर्ण मानते हैं। विशेषत: शिक्षण संबंधी नवाचारों को अपनाकर शिक्षण कार्य को अधिक रुचिकर बनाने के लिए आप सदैव प्रयासरत रहे है और अपनी नवीन वैचारिक चिंतन क्षमता के बल पर समाज का मार्ग प्रशस्त किया है।

आपकी सदैव यह मान्यता रही है कि समाज सेवा, यश और कीर्ति का हेतु नही अपितु त्याग की उत्कृष्ट भावना है। समाज सेवा के साथ निरन्तर सक्रिय रहते हुए आप एवं आपका परिवार तन-मन-धन से सेवा में लगे हुए है। आपका समाजसेवी व्यक्तित्व हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। इस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में आपका सानिध्य पाकर हम सभी उत्साहित और प्रफुल्लित है।

होली महोत्सव

शनिवार, 20 मार्च, 2021

समय : सायंकाल 5.30 बजे से

स्थान : माहेश्वरी उच्च माध्यमिक विद्यालय, तिलक नगर

श्री माहेश्वरी समाज, माहेश्वरी नवयुवक मण्डल

एवं

माहेश्वरी महिला परिषद के संयुक्त तत्वावधान में

भजन संध्या,
फूलों की होली एवं
चंग धमाल

Ghanshyam Birla (Jimmy)
Mob. No. 9829013154
9314501179

BE

Birla
ENTERPRISES
44, Gangori Bazar, Jaipur-302 001
Phone : (O) 91-141-2315324 ® 2322324
Website : www.birlaenterprises.com
Email : birlaenterprises@hotmail.com

"उत्सव"

श्री माहेश्वरी समाज जनोपयोगी भवन

(अन्तर्गत : श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

पी–10, सेक्टर 2, विद्याधर नगर, जयपुर

फोन नं. 0141–2236743–44

Website : www.utsavjaipur.in | E-mail : utsavjaipur@yahoo.com

किट्टी व बर्थ डे पार्टी एवं अन्य आयोजनों के लिये रियायती दरों पर बैंक्वेट हॉल

Block-A

- 1000 व्यक्तियों के लिए सुसज्जित ए.सी. बैंक्वेट हॉल
- 40 सुसज्जित ए.सी. रूम एवं 4 ए.सी. डोरमेट्री व 2 ए.सी. डोरमेट्री ट्रांजिट रूम
- डायनिंग हॉल व इक्विप्ड रसोई घर
- शादी समारोह व भोजन व्यवस्था के लिए उपयुक्त लॉन
- दो पैसेन्जर एवं एक लोडिंग लिफ्ट

Block-B

- 300 व्यक्तियों के लिए सुसज्जित ए.सी. बैंक्वेट हॉल व डायनिंग हॉल
- 14 सुसज्जित ए.सी. रूम
- रसोईघर व पूजा घर
- पैसेन्जर लिफ्ट

अग्रिम बुकिंग का समय
प्रातः 9:00 बजे से सायं 6:30 बजे तक

- सभी मांगलिक कार्यक्रमों के लिये दिनांक 31.03.2021 तक किराया राशि में 25% छूट।
- माहेश्वरी बंधुओं एवं अन्य परिवारों के सभी मांगलिक कार्यक्रमों के लिए अग्रिम बुकिंग खुली हुई है, किराया राशि में 50% छूट का लाभ उठावें।
- यूनिट III व IV में कमरों, मिनी हॉल, डाईनिंग हॉल व किचन की बुकिंग अलग-अलग भी की जा सकती है।
- यूनिट III व IV में मिनी हॉल में खाना रखने के लिये जाने वाले चार्ज रूपये 3000/- की 100% छूट। (जुलाई 2021 तक)
- यूनिट II मुख्य हॉल में खाना रखने पर लिये जाने वाले चार्ज को माहेश्वरी बंधुओं के अतिरिक्त अन्य के लिये रूपये 10000/- की 100% छूट (जुलाई 2021 तक)
- माहेश्वरी परिवारों को बर्तन भण्डार, कुर्सी, सोफा, कार्पेट, इनबिल्ट म्यूजिक सिस्टम व डीप फ्रीज के किराये में 50% की छूट।
- माहेश्वरी परिवारों को धार्मिक आयोजनों हेतु एसी हॉल (भूतल) सहित 4 दिन या उससे अधिक दिनों के लिये आरक्षण करवाने पर 60% की छूट।

लगभग 70 व्यक्तियों की पार्टी के लिये हॉल, 50 कुर्सी, 6 टेबल मात्र रु. 2500/- में (विद्युत खर्च अतिरिक्त) : 6 घण्टे के लिये

मनोहर लाल सारड़ा
चेयरमैन

विनोद कुमार तोतला
सचिव

बचत को हतोत्साहित व खर्चों को प्रोत्साहित करता

बजट 2021

- 1 फरवरी 2021 को भारत के वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने देश का बजट प्रस्तुत किया। बजट एक सामान्य प्रक्रिया है जिसमें साल भर में किए जाने वाले खर्चे व आय का विवरण होता है परंतु इन खर्चे व आय का विश्लेषण किया जाए तो यह समझ में आता है कि बजट के द्वारा देश किस दिशा में जा रहा है।
- हमने ऊपर लिखा कि बजट बचत को हतोत्साहित व खर्चों को प्रोत्साहित करता है यह हमने इसलिए लिखा क्योंकि हम पिछले 2 सालों के बजट पर एक नजर डालें तो हमें यह बात समझ में आती है कि सरकार का मानना है कि आम जनता की खर्च करने की आदत बढ़नी चाहिए तब ही मार्केट में मांग बढ़ेगी व मांग की पूर्ति करने के लिए उत्पादन की आवश्यकता होगी जिससे भारत में विकास की दर बढ़ेगी।
- विकास की दर को बढ़ाने के लिए ऐसे प्रयास पिछली बार भी किए गए थे जिन्हें हम संक्षिप्त में यहां उल्लेख करना चाहेंगे।
- हम याद करें कि पिछली बार एक प्रावधान किया गया था जिसमें आयकर की दर को कम किया गया था लेकिन उसके साथ में एक शर्त लगाई गई थी कि जो व्यक्ति कम दर से कर देना चाहता है उसे किसी भी तरह की छूट का लाभ नहीं मिलेगा यानी कि सरकार का मानस यह था कि कर को बचाने के लिए बचत की ओर आकर्षित नहीं हो इसके बजाय कर देकर अपनी आय को अपनी मर्जी से खर्च किया जाए।
- इसके अलावा भी पिछले वर्षों में छोटे–मोटे कई ऐसे प्रावधान किए गए जैसे कि डिविडेंड की इनकम को टैक्सेबल करना, शेयर से अर्जित पूंजीगत लाभ को कर की सीमा में लाना, बैंकों के द्वारा बेरोजगारों को ठेला गाड़ी पर व्यापार करने वालों को ऐसे विभिन्न छोटे–छोटे कार्य करने वालों को कम ब्याज दर पर पैसा उपलब्ध कराना, स्वयं के रहने के लिए एक मकान की जगह दो मकान तक रखने की सुविधा देना, छोटे मकान क्रय करने हेतु लिए गए लोन पर अतिरिक्त छूट देना, इनकम टैक्स में छूट पाने के लिए बचत की सीमा को कई सालों से नहीं बढ़ाना, कैपिटल गैन को बचाने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर बांड में निवेश का लॉकिन पीरियड जो पहले 3 साल था उसे 5 साल करना जिससे लोग निवेश करने के लिए हतोत्साहित हो ऐसे अनेक कार्य हुए हैं जिनका मकसद यही है कि आम आदमी बचत की ओर ध्यान नहीं दें अपने पास उपलब्ध धन को खर्च करें ताकि बाजार में मांग हो, उसके अनुरूप विकास दर बढ़े।
- इसी तरह से इस बार के बजट में भी ऐसे कई प्रावधान किए गए हैं जिनसे यह साफ दर्शित होता है कि सरकार चाहती है कि आम जनता खर्च अधिक करें बजाय बचत करने के ताकि बाजार में मांग बढ़े व विकास की दर बढ़े। ऐसे कुछ प्रावधानों को हम यहां उल्लेखित कर रहे हैं।
- ऐसे यूलिप में निवेश जिसकी आय कर मुक्त थी उसमें अब यह प्रावधान किया गया है कि किसी भी वर्ष में यदि एक व्यक्ति रुपए 2,50,000 से अधिक के यूलिप एक स्कीम या सभी स्कीम में मिला कर लेता है तो उससे होने वाली आय अब कर योग्य होगी।
- इसी तरह से प्रोविडेंट फंड यानी भविष्य निधि में निवेश एक व्यक्ति ढाई लाख से ऊपर करता है तो उससे ढाई लाख से ऊपर के निवेश पर प्राप्त ब्याज कर योग्य होगा।
- इस बजट में यह भी प्रावधान किया गया है कि एलटीसी की छूट लेने के लिए यदि व्यक्ति किसी भी माल का क्रय करता है जिसमें 12% व इससे अधिक जीएसटी देय है तो उसे एलटीसी की छूट का फायदा मिलेगा हालांकि यह प्रावधान वर्ष 20–21 के लिए ही किया गया है।
- हम इस बार के बजट के आंकड़ों पर नजर डालें तो हम देखेंगे कि इस बजट में 9.5 प्रतिशत सकल हानि अनुमानित है इसका मतलब यह है सरकार आमदनी से करीब 9.5% अधिक खर्चा ज्यादा होना प्रस्तावित कर रही है। सरकार ने स्वास्थ्य सेवाएं, मूलभूत ढांचा व रियल स्टेट पर खर्च करना ज्यादा प्रस्तावित किया है इसके द्वारा सरकार अधिक से अधिक लोगों तक पैसा पहुँचाना चाह रही है ताकि वह ज्यादा खर्च कर सके जो अंततोगत्वा विकास में गति प्रदान कर सके।
- सरकार ने इस बजट में यह भी प्रावधान किया है कि कुछ कंपनियां जिसमें एलआईसी व पेट्रोलियम कंपनियां भी हैं इनका विनिवेश किया जाए। इसके अलावा फॉरेन इन्वेस्टमेंट की सीमा को बढ़ाया है ताकि देश में पूंजी की उपलब्धता बढ़े एवं इस पूंजी को विभिन्न कार्यों के माध्यम से जनता तक पहुँचा कर जनता की क्रय शक्ति बढ़ाई जाए ताकि मांग बढ़े।
- रियल स्टेट सेक्टर को बढ़ावा देना भी एक महत्वपूर्ण कदम है जिसके लिए इस बजट में कई प्रावधान किए गए हैं। रियल एस्टेट सेक्टर में ब्लैक मनी का उपयोग होता है इसको रोकने के लिए पूर्व में यह प्रावधान किए जा चुके हैं कि कोई भी व्यक्ति डीएलसी रेट यानी कि सर्किल रेट से कम पर कोई भी प्रॉपर्टी क्रय या विक्रय करता है तो जो डिफरेंस की अमाउंट है उसकी आय में जोड़ दी जाएगी। रियल एस्टेट सेक्टर को गति देने के लिए पहले यह प्रावधान किया गया था कि डीएलसी अमाउंट से 10 परसेंट कम में भी यदि कोई क्रय विक्रय किया जाता है तो उसे आय में नहीं जोड़ा जाएगा, अब इस लिमिट को 30 जून 2021 तक बढ़ाकर 20% कर दिया गया है ताकि रियल एस्टेट सेक्टर को गति मिल सके।
- इसके अलावा छोटी पूंजी के मकान क्रय करने पर जो लोन लिया जाता है उसमें अतिरिक्त छूट की सीमा को भी 1 वर्ष के लिए बढ़ाया गया है ताकि रियल एस्टेट सेक्टर को गति मिल सके।
- कोविड–19 से लड़ने के लिए भी बीच–बीच में कई मिनी बजट आए थे जिसमें भी इस बात का ध्यान रखा गया था की विभिन्न क्षेत्रों के विकास के लिए पैसे की उपलब्धता कैसे हो।

  इस तरह से हम देखें तो यह साफ लग रहा है कि सरकार आम आदमी को खर्च करने के लिए प्रोत्साहित करने की ओर अग्रसर है ताकि विकास की दर बढ़े।

■ सीए नटवर सारडा
M. 9414053388

स्मृतिशेष—स्वजनों को श्रद्धांजलि एवं श्रद्धासुमन

विगत दिनों हमारे समाज के कुछ बंधु/बहनें हमसे बिछुड़ गए। समाज अध्यक्ष, महामंत्री, पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों की ओर से उनके शोक संतप्त परिवारों को हार्दिक संवेदनाऐं प्रेषित हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिव्यात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दे।

श्री तुलजाराम कचोलिया
15.01.2021

श्रीमती कमला देवी कासट
19.01.2021

श्रीमती विशाखा देवी चितलांगिया
23.01.2021

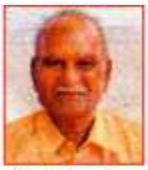
श्री रामावतार मालानी
23.01.2021

श्रीमती कृष्णा खटोड़
26.01.2021

श्रीमती भौरीदेवी सारडा
27.01.2021

श्री लक्ष्मीनारायण काबरा
30.01.2021

श्री गौरीशंकर बियानी
03.02.2021

श्रीमती कमला देवी राठी
06.02.2021

श्री सुरेन्द्र मनिहार
06.02.2021

श्री सुरेश चन्द्र तापड़िया
08.02.2021

श्रीमती बरजी देवी जाखोटिया
08.02.2021

श्रीमती सीता देवी साबू
10.02.2021

श्री गोविन्द नारायण झंवर
12.02.2021

समाज बन्धुओं से आग्रह

कृपया तीये की बैठक की अवधि 30 मिनट ही रखें।

समाज आभारी है उन शोकसंतप्त परिवारों का जिन्होंने तीये की बैठक की सीमा 30 मिनट रखी।

विद्युत चालित एवं पारदर्शी ''जागृति अन्तिम दर्शनिका''

अन्तिम संस्कार में देरी की संभावना हो तो, मृत शरीर को ज्यों का त्यों बिना बर्फ आदि के कई दिनों तक 'जागृति अन्तिम दर्शनिका' में अन्तिम दर्शन हेतु यथा स्थिति में आपके घर पर ही रखा जा सकता है। मृत शरीर के डीकम्पोज होने व इससे होने वाले संक्रमण से परिवार व मित्र बच पाते हैं। यह सुविधा 24 घण्टे पूर्ण रूप से निःशुल्क उपलब्ध है।

सम्पर्क सूत्र :- जयकृष्ण जाजू-98290 53031, सुदर्शन फोमरा-93140 36672, आनन्द दम्मानी-93145 00979

गणगौर सेवा केन्द्र

''गणगौर हाऊस'' प्लॉट नं. 166, सेक्टर-2, गणेश पार्क के पास, ''उत्सव'' जनोपयोगी भवन के पीछे, विद्याधर नगर, जयपुर। फोन : 2235363

मेडिकल इक्विपमेंट्स व फर्नीचर की सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध

★ मेडिकल पलंग ★ व्हील चेयर ★ वाकर ★ स्टिक ★ टॉयलेट पॉट ★ टॉयलेट चेयर ★ बैसाखी ★ बैक रेस्ट ★ यूरिन पॉट

सम्पर्क करें :- **गणगौर बेसन शॉप**, खण्डेला हाऊस, चाँदपोल बाहर, बस स्टैण्ड के पास, झोटवाड़ा रोड, जयपुर, फोन : 0141-2283111

कमल डाइग्नोस्टिक एवं रिसर्च सेन्टर

O-5, हॉस्पिटल मार्ग, एस.एम.एस. हॉस्पिटल के सामने, सी-स्कीम, जयपुर-302001

फोन : 0141-6452922, 2374777, 4039727

सुविधाएँ

★ **M.R.I.** 1-5 Tesla ★ सी.टी. स्केन

★ सोनोग्राफी (3D/4D) ★ कलर डॉपलर ★ डिजिटल एक्सरे

★ ईको ★ ई.सी.जी. ★ ई.ई.जी. ★ सी.टी.एम.टी. ★ एन.सी.वी. ★ बायोप्सी ★ एफ.एन.ए.सी. ★ ऑडियोमेट्री

एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध

सभी प्रकार के बायोकेमिकल, हेमटोलोजिकल लेबोरेटरी टेस्ट की सुविधा

डॉ. कमल अग्रवाल 98291-59029

निर्मल मूंदड़ा 98290-50202

डॉ. गौतम शर्मा 94140-74005

ॐ हनुमते नमः श्री गणेशाय नमः ॐ नमश्चण्डिकायै

श्री वीर हनुमान ज्योतिष केन्द्र

हनुमान महाराज

आचार्य पं. हनुमान सहाय शर्मा • आचार्य पं. सुमित कुमार शर्मा

ज्योतिर्विद, वास्तुविद, यज्ञादि अनुष्ठान (दुर्गा पाठ सहस्रघाट इत्यादि) एवं तंत्र विशेषज्ञ

गृह क्लेश, विवाह में बाधा, व्यापार में बाधा, मानसिक पीड़ा इत्यादि के संतुष्टप्रद निवारण एवं कुडली के लिए संपर्क करें–

9530154160, 9636889352

ग्राम–साईवाड़, तहसील जमवारामगढ़, श्याम पब्लिक स्कूल के पास, जयपुर

LIC भारतीय जीवन बीमा निगम

- Pension Plan
- Income Continuity Plan
- Children Marriage / Education many more attractive plan
- Loan Liability etc....
- Religare Health Insurance (Mediclaim) (Free Health Check-up Facility Available)

Our belief create and save

Free Policy Servicing also Available

Call : 9309337880

आलोक कुमार माहेश्वरी बम्बाला सेक्टर-5, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर email: alokkumarmaheshwari@gmail.com

MAKE IN INDIA

PURE STONE

TOPSTAR GRANITES

a Unit of Top Star Elect. (India) PVT. LTD.

F-596, Road No. 6, Vishwakarma Industrial Area, Jaipur-302013 (Raj.)

Ph. +91 9414074924, 0141-2280720
www.topstargranites.com
sanjaytopstar@gmail.com
sales@topstargranites.com
topstareipl@gmail.com

Sanjay Kabra

॥ जय श्री कृष्णा ॥

Shree KRISHNA Group

आपका विश्वास... हमारी पहचान...

भवानी माहेश्वरी (छापरवाल)
93146-51206

जय श्री कृष्णा प्रोपर्टीज एण्ड बिल्डर्स

सी-11-बी, दाधिची नगर, खाटू श्याम मंदिर के पास, एच.टी. लाईन रोड़ रोड़ नं. 5 के सामने, सीकर रोड़, जयपुर-302039 Ph.: 8766111100
E-mail : skgroup.jaipur@gmail.com I www.shreekrishnagroupindia.com

SRSP

COLOUR ROOF

RELIABLE • DURABLE • ECONOMICAL

Colour Coated Profile Sheets

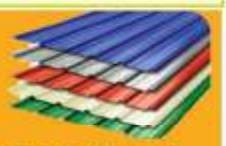

Kailash Mimani
+91- 8824118281

Harshit Mimani
+91- 8302003095

RESIDENTIAL | COMMERCIAL | INDUSTRIALS

Colour Coated Sheets | Gutters | Flashings
Corners | Ridges Crimps | Installation Accessories

Road No.9A, VKI Industrial Area, Sikar Road, Jaipur - (Raj.)

Pankaj Dhoot
+91 9829050286

AAYUSH ASSOCIATES
RASHHI ENTERPRISE

15, Indra Colony, Near Pani Pech
Bani Park, Jaipur, M. : 9829014948

G-3, Venkteshwara Complex
Central Spine, Vidhyadhar Nagar, Jaipur
M.: +91 9929090286
e-mail : pankaj_dhoot@yahoo.com

MICROTEK TECHNOLOGY WE LIVE

OKAYA JAPANESE

EXIDE

Deals in Inverter, UPS , Battery , SOLAR .

Pradeep Somani

9352488758

NIRMIT PROPERTIES

TO-LET • SALE • PURCHASE

G-43, Dwarika Tower, Vidhyadhar Nagar, Jaipur
E-mail : nirmit.opticians@gmail.com

NIRMIT OPTICIANS

20% Discount

गुरु कृपा

मालपानी मैरिज ब्यूरो

समाज में वैवाहिक सम्बन्ध करवाने का 15 वर्षों का अनुभव

ऑल इण्डिया विवाह योग्य लड़के-लड़कियों हेतु सम्पर्क करे

तलाकशुदा (विधुर व विधवा) भी मिले

राजेन्द्र मालपानी
8387064577

अन्जू मालपानी : 8946939394

304, वैशाली नगर, जयपुर मो. नं. 6377275813

Mukesh Baheti +91 98290 48022

Give A Missed Call on

02261883537

& Get an Exclusive Offer

BAHETI OPTICIAN

Ray-Ban ELLE fastrack VOGUE LACOSTE TOMMY HILFIGER ESPRIT

A-13, Mall Road, Sector-1, Vidhyadhar Nagar, Jaipur-13 M : 9929076022

15%

Sparklez Creating An Aura

Sharad Bagree
+91-9269099995
+91-9214145888

Weddings | Corporate | Photography
Catering | Birthday | Anniversary
Baby Shower & All Type of events

Registered in Utsav Maheshwari Bhawan

Address : F-255, Priyadarshini Marg, Shyam Nagar, Jaipur
E-mail : sparklezaura@gmail.com I https://m.facebook/sparklezjaipur/

RDB CITY MAHESH VATIKA (Phase-1)

YOUR DREAM....YOUR HOME

Rera No. : RAJ/P/2020/1316

₹ 45 Lakhs onwards

JDA APPROVED

Actual Site Photograph

KEY FEATURES

- Premium 3 BHK Luxury Duplex Villas
- Gated Community
- Rain Water Harvesting
- 24 hours water supply
- 10,000 sq ft Recreational Park with Kid's Play Area and Outdoor Gym
- 10,000 sqft Garden + Walking Track (KANTA VATIKA)
- Security Cameras
- Club House

SAMPLE VILLA READY

Site Adress : Opp. Maheshwari Public School, Kalwar Road, Jaipur

ASHOK BAHETI 9829015050

KESHAV BAHETI 9799922227

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर

जनोपयोगी भवन

''अभिनन्दन''

कृष्णा सागर कॉलोनी, पत्रकार कॉलोनी रोड

वी.टी. रोड के सामने, मानसरोवर, जयपुर-302020

सम्पर्क : फोन : 0141-2980658-60, मो.: 7414038883

अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न

- 70 कमरे (8 डॉरमेट्री सहित)
- भव्य बैंक्वेट हॉल (105'x 78'-डबल हाइट)
- मुख्य डायनिंग हॉल (ग्राउंड फ्लोर पर)
- 2 मिनी बैंक्वेट हॉल, 2 डायनिंग हॉल
- 4 किचन (2 बड़े व 2 छोटे)
- 2 पैसेंजर लिफ्ट, 1 लगेज लिफ्ट

ग्राउण्ड फ्लोर : डायनिंग हॉल, लॉन व किचन

द्वितीय तल : 22 कमरे (4 डॉरमेट्री सहित)

चतुर्थ तल : 13 कमरे, 1 मिनी हॉल, 1 डायनिंग हॉल, किचन

प्रथम तल : मुख्य बैंक्वेट हॉल (डबल हाइट)

तृतीय तल : 13 कमरे, 1 मिनी हॉल, 1 डायनिंग हॉल, किचन

पंचम तल : 22 कमरे (4 डॉरमेट्री सहित)

★ सम्पूर्ण 'अभिनन्दन' भवन का किराया 1,68,000/- रु. प्रतिदिन + जीएसटी (माहेश्वरी बंधुओं के लिए 50 प्रतिशत छूट)

'अभिनन्दन' में आपका हार्दिक अभिनन्दन है।

बजरंग लाल बाहेती	बिहारी लाल साबू	प्रदीप बाहेती	गोपाल लाल मालपानी
चेयरमैन	सचिव	अध्यक्ष	महामंत्री
98290 79200	98290 11181	98290 55050	99823 33103

अभिनन्दन (जनोपयोगी भवन)

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर

Vishwanath Maroo : 9314513438
Punit Maroo : 7300244455

आसाम की लाजवाब

चिंकारा®

प्रीमियम चाय

मजबूत रिश्ते और कड़क चाय धीरे धीरे बनते हैं....

डस्ट चाय, दानेदार चाय 250, 500 ग्राम व 1 किलो में उपलब्ध

नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ

Packed & Markated by :

P.V. SALES CORPORATION

17, Gulab Bari, Ind. Area, Road, Jhotwara, Jaipur-12 (INDIA)

7300244455
9314513438

maroo.puneet@gmail.com
www.chinkaragroup.com

स्वत्वाधिकारी श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के लिए प्रकाशक- मुद्रक गोपाल लाल मालपानी, महामंत्री द्वारा रेनबो प्रिन्टर्स, जयपुर से मुद्रित एवं श्री माहेश्वरी भवन, सिंघी जी का रास्ता, चौड़ा रास्ता, जयपुर-302003 से प्रकाशित। सम्पादक- रामदास कोठ्यारी